वीणा 1

कक्षा 3 के लिए
हिंदी की पाठ्यपुस्तक

0331

विद्यया ऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

© NCERT not to be republished

0331 – वीणा 1
कक्षा 3 के लिए हिंदी की पाठ्यपुस्तक

ISBN 978-93-5292-949-8

प्रथम संस्करण
अप्रैल 2024 चैत्र 1946

PD 800T SU

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2024

₹ 65.00

एन.सी.ई.आर.टी. वॉटरमार्क 80 जी.एस.एम. पेपर पर मुद्रित।

सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग , नयी दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशन प्रभाग में प्रकाशित तथा कोमट सोल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, बी–18, सेक्टर–65, इकाई –2, बी–1, सेक्टर–65, नोएडा – 201 301(उ.प्र.) द्वारा मुद्रित।

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भी भाग को छापना तथा इलैक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फ़ोटो प्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुन: प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रचारण वर्जित है।
- इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशन की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

रा.शै.अ.प्र.प. के प्रकाशन प्रभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैंपस
श्री अरविंद मार्ग
नई दिल्ली 110 016 फोन : 011-26562708

108, 100 फीट रोड
हेली एक्सटेंशन, होस्डेकेरे
बनाशंकरी III इस्टेज
बेंगलुरू 560 085 फोन : 080-26725740

नवजीवन ट्रस्ट भवन
डाकघर नवजीवन
अहमदाबाद 380 014 फोन : 079-27541446

सी.डब्ल्यू.सी. कैंपस
निकट : धनकल बस स्टॉप पनिहटी
कोलकाता 700 114 फोन : 033-25530454

सी.डब्ल्यू.सी. कॉम्प्लेक्स
मालीगाँव
गुवाहाटी 781 021 फोन : 0361-2676869

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग	:	*अनूप कुमार राजपूत*
मुख्य संपादक	:	*श्वेता उप्पल*
मुख्य उत्पादन अधिकारी	:	*अरुण चितकारा*
मुख्य व्यापार प्रबंधक (प्रभारी)	:	*अमिताभ कुमार*
सहायक उत्पादन अधिकारी	:	*ओम प्रकाश*

आवरण एवं चित्रांकन
ग्रीन ट्री डिजाइनिंग स्टूडियो

© NCERT not to be republished

आमुख

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 द्वारा संस्तुत शिक्षा का बुनियादी स्तर बच्चों के समग्र विकास के लिए, उन्हें न केवल हमारे देश की संस्कृति और संवैधानिक व्यवस्था से उद्‌भूत अमूल्य संस्कारों को आत्मसात करने का अपितु बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता अर्जित करने का भी अवलंबन देता है ताकि वे अधिक चुनौतीपूर्ण आरंभिक स्तर के लिए पूर्णरूपेण तैयार हो सकें।

आरंभिक स्तर, जो बुनियादी और मध्य स्तरों के बीच एक सेतु का काम करता है, विद्यालयी शिक्षा की वह तीन वर्षीय अवधि है, जिसमें कक्षा 3 से कक्षा 5 सम्मिलित हैं। यह कहना अनावश्यक होगा कि इस स्तर पर बच्चों को मिलने वाली शिक्षा, आवश्यक रूप से आधारभूत स्तर के शिक्षा उपागम पर आधारित होगी। खेल-आधारित, खोज और गतिविधि प्रेरित सीखने-सिखाने की विधियाँ सतत रहेंगी लेकिन इसी बीच इस स्तर पर बच्चों को पाठ्यपुस्तकों और कक्षाओं से अधिक औपचारिक रूप में परिचित कराया जाएगा। इसका उद्‌देश्य बच्चों को कठिन स्थिति में डालना नहीं है अपितु उनमें पठन, लेखन एवं वाचन के साथ-साथ चित्रकला और संगीत इत्यादि के माध्यम से समग्र अधिगम और आत्म-अन्वेषण के लिए सभी विषयों के द्वारा आधार तैयार करना है।

अतः इस स्तर पर बच्चे शारीरिक शिक्षा, कला शिक्षा व पर्यावरण शिक्षा के साथ-साथ भाषाओं, गणित, आरंभिक विज्ञान और सामाजिक विज्ञान से भी परिचित होंगे। यहाँ यह सुनिश्चित किया जाएगा कि बच्चों का संज्ञानात्मक-संवेदनात्मक तथा भौतिक-प्राणिक स्तरों पर समग्र विकास हो ताकि वे सहजता से मध्य स्तर में प्रवेश कर सकें।

कक्षा 3 के लिए वर्तमान पाठ्यपुस्तक *वीणा 1* इसी उद्‌देश्य की प्राप्ति हेतु विकसित की गई है। इस प्रकार *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* की संस्तुतियों और विद्यालयी शिक्षा के लिए *राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023* का अक्षरशः अनुपालन करते हुए, यह पाठ्यपुस्तक बच्चों में अवधारणात्मक समझ, तार्किक चिंतन, रचनात्मकता, आधारभूत मूल्यों और प्रवृत्तियों के विकास पर समान बल देती है, जो इस स्तर की शिक्षा में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इस उद्‌देश्य के साथ ही समावेशन, बहुभाषिकता, जेंडर समानता और सांस्कृतिक जुड़ाव के साथ-साथ सूचना एवं प्रौद्योगिकी का उचित एकीकरण और स्कूल-आधारित समग्र मूल्यांकन आदि समस्त विषयों से संयोजित होने वाले क्षेत्रों को पाठ्यपुस्तक में सम्मिलित किया गया है। इन सबके साथ-साथ भरपूर रोचक विचारों और गतिविधियों से पूर्ण यह पुस्तक निश्चित रूप से बच्चों के लिए केवल रोचक ही नहीं होगी, अपितु वे इसे ध्यानपूर्वक पढ़ने में भी रुचि रखेंगे; इसमें सम्मिलित सभी विचारों को समझेंगे और इसमें सुझाई गई गतिविधियों को अपने सहपाठियों और शिक्षकों के साथ मिलकर करेंगे। सहपाठियों के समूह में सीखना न केवल रोचक

© NCERT not to be republished

Prelims - Final.indd 3 16-Apr-24 3:13:21 PM

होता है बल्कि यह बहुत महत्वपूर्ण भी है क्योंकि इससे संबंधित अन्य गतिविधियों का पता चलता है, जो सीखने की प्रक्रिया को आनंदमय और लाभप्रद बनाती हैं। इसलिए, इस पाठ्यपुस्तक में दी गई गतिविधियों से सीखकर, विद्यार्थी और शिक्षक दोनों, इस स्तर पर अपना अनुभव समृद्ध करने के लिए और भी बहुत सारी आनंददायक गतिविधियों को कर पाएँगे।

इसके साथ ही, यहाँ यह महत्वपूर्ण बात ध्यान में रखनी चाहिए कि पाठ्यपुस्तक का शिक्षणशास्त्रीय पक्ष समझ, मौलिकता, तर्कशक्ति और निर्णय लेने पर ध्यान केंद्रित करता है। इस स्तर पर बच्चे स्वाभाविक रूप से उत्सुक होते हैं और उनके पास बहुत सारे प्रश्न होते हैं। इसलिए सीखने के मूल सिद्धांतों पर आधारित गतिविधियों की रूपरेखा बनाते समय उनकी उत्सुकता को संबोधित करने के लिए सभी प्रयास किए जाने चाहिए। यद्यपि बुनियादी स्तर से खेल द्वारा सीखने की विधियाँ निरंतर रहेंगी, तथापि इस स्तर में शिक्षा और सीखने में सम्मिलित खिलौनों और खेलों की प्रकृति बदलेगी, अब यह खेल केवल आकर्षक होने के बजाय बच्चों को सीखने की प्रक्रिया से अधिक जोड़ सकेंगे।

इसी तरह, इस पुस्तक से सीखना अपने आप में महत्वपूर्ण है, साथ ही यह अपेक्षा है कि बच्चे इस विषय पर बहुत-सी अन्य पुस्तकें भी पढ़ेंगे और सीखेंगे। स्कूलों में पुस्तकालयों को इस संबंध में प्रावधान करने की आवश्यकता है। साथ ही, इस प्रकार से माता-पिता और शिक्षक उन्हें और अधिक सीखने में सहायता करेंगे, ऐसी अपेक्षा है।

यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि सीखने के लिए प्रभावी वातावरण यह सुनिश्चित कर सकता है कि बच्चे ध्यान, उत्साह और जुड़ाव के साथ सीखने के लिए प्रेरित रहें और जिज्ञासा तथा सृजनशीलता के विकास हेतु प्रोत्साहित रहें।

इस विश्वास के साथ, मैं यह पुस्तक आरंभिक स्तर के सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए अनुशंसित करता हूँ। मैं इस पाठ्यपुस्तक के विकास में सम्मिलित सभी लोगों का आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने इस उत्कृष्ट प्रयास को साकार किया है और आशा करता हूँ कि यह पुस्तक सभी संबंधित लोगों की अपेक्षाओं को पूरा करेगी।

व्यवस्थागत सुधारों और अपने प्रकाशनों को निरंतर परिष्कृत करने के प्रति समर्पित राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् आपकी टिप्पणियों एवं सुझावों का स्वागत करेगी जिनसे भावी संशोधनों में सहायता ली जा सकती है।

दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद

नई दिल्ली
31 मार्च 2024

© NCERT not to be republished

पाठ्यपुस्तक के विषय में

प्रिय शिक्षक साथियो,

यह हर्ष का विषय है कि कक्षा 3 की हिंदी की पाठ्यपुस्तक *वीणा 1* आपके हाथ में है। इसका निर्माण करते हुए मुख्य रूप से *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* के दिशानिर्देशों को ध्यान में रखा गया है। भाषा सीखना *राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 (विद्यालयी शिक्षा)* का महत्वपूर्ण पहलू है। भाषा के सहारे बच्चे अपने परिवार, परिवेश, संस्कृति और राष्ट्र से जुड़ते हैं। बच्चों में बुनियादी एवं संवैधानिक मूल्यों का विकास, स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रति सतर्कता, सामाजिक-भावनात्मक अधिगम आदि को प्राप्त करने का माध्यम भाषा ही है। अतः यहाँ भाषा सीखने का तात्पर्य केवल पढ़ना और लिखना नहीं है, बल्कि बच्चों की जीवन-शैली सहित उनमें व्यवहारगत परिवर्तन का परिलक्षित होना भी है।

भाषा हमारी सांस्कृतिक पहचान का एक महत्वपूर्ण घटक है। किसी समाज और व्यक्ति के आचार-व्यवहार, खान-पान, सोच-समझ, लोक-संस्कृति आदि को जानना और समझना हो तो भाषा ही सहायक सिद्ध होती है। हमारी परंपरा और संस्कृति भी भाषा के माध्यम से ही संरक्षित होती आ रही है। भाषा की इस प्रकृति एवं प्रकार्यों का सापेक्ष संबंध विद्यालयी शिक्षा से जुड़ता है। आवश्यकता इस बात की है कि बच्चों को अन्वेषण, सर्जनात्मक चिंतन और तार्किक चेतना के माध्यम से स्वयं ज्ञान सृजन के लिए प्रोत्साहित किया जाए। बच्चे भाषा को केवल नियमबद्ध व्यवस्था के रूप में न देखें अपितु इसके सौंदर्यशास्त्रीय, सामाजिक, सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक और साहित्यिक पक्ष को भी समझें। इन बिंदुओं के आलोक में पाठ्यपुस्तक का निर्माण करते हुए मुख्य रूप से निम्न विचारों को ध्यान में रखा गया है—

1. पुस्तक को पाँच इकाइयों में व्यवस्थित किया गया है। पुस्तक में कविता, कहानी, निबंध, पत्र, संवाद, एकांकी, पहेली आदि से बच्चों का रुचिपूर्ण विधि से परिचय कराया गया है। अभ्यासों को इस प्रकार विकसित किया गया है जिससे बच्चों में भाषा के संप्रेषण के साथ-साथ सोचने, समझने, प्रश्न पूछने संबंधी रुचि का विकास होगा।
2. पुस्तक में पाठों के माध्यम से सरल भाषा में भारतीय पौराणिक कथा परंपरा से लेकर आधुनिक और तकनीकी रूप से विकसित हो रहे भारत की छवि को प्रस्तुत किया गया है।
3. यह पुस्तक बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक परिवेश के चारों ओर अपना ताना-बाना रचती है। हिंदी भाषा सीखने-सिखाने के माध्यम से बच्चों में समावेशी दृष्टि लाने और भारतीय संस्कृति की विविधता के प्रति सकारात्मक बोध विकसित करने के उद्देश्य को पुस्तक द्वारा पाने का प्रयास किया गया है।

© NCERT not to be republished

4. विभिन्न भाषायी कौशलों, जैसे– समझ के साथ बोलना, सुनना, पढ़ना, लिखना और रचने आदि की प्रक्रिया की गतिशीलता को बनाए रखने के लिए बच्चों के जीवन और उनके आस-पास के परिवेश से जुड़ी बातों को आधार बनाया गया है।

पाठ्यचर्या के लक्ष्य

आरंभिक स्तर (प्रिपरेटरी स्टेज) के लिए *राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 (विद्यालयी शिक्षा)* में भाषा के संदर्भ में निम्नलिखित पाठ्यचर्या लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं—

पाठ्यचर्या लक्ष्य-1: विचारों को सुसंगत रूप से समझने और संप्रेषित करने के लिए जटिल वाक्य संरचनाओं का उपयोग करते हुए मौखिक भाषा कौशल विकसित करते हैं।

पाठ्यचर्या लक्ष्य-2: परिचित और अपरिचित पाठ्यवस्तु (जैसे–गद्य और पद्य) के विभिन्न रूपों की बुनियादी समझ विकसित करके अर्थबोध सहित पढ़ने की क्षमता विकसित करते हैं।

पाठ्यचर्या लक्ष्य-3: अपनी समझ और अनुभवों को व्यक्त करने के लिए सरल और यौगिक वाक्य संरचनाओं को लिखने की क्षमता विकसित करते हैं।

पाठ्यचर्या लक्ष्य-4: विभिन्न स्रोतों के माध्यम से विभिन्न संदर्भों (घर और स्कूल के अनुभव) में व्यापक शब्द भंडार विकसित करते हैं।

पाठ्यचर्या लक्ष्य-5: पढ़ने में रुचि और प्राथमिकताओं को विकसित करते हैं।

इस पाठ्यपुस्तक के निर्माण में इन लक्ष्यों की प्राप्ति एक प्रमुख उद्देश्य है। पाठ्यचर्या के लक्ष्यों को ही ध्यान में रखते हुए दक्षताएँ निर्धारित की गई हैं और इन्हीं दक्षताओं की निरंतरता में सीखने के प्रतिफल तय किए गए हैं। यह पाठ्यपुस्तक निर्धारित लक्ष्यों, दक्षताओं एवं सीखने के प्रतिफलों के समन्वित रूप को प्रतिबिंबित करती है।

पाठ्यपुस्तक में पाठ्यसामग्री का संयोजन

यह पाठ्यपुस्तक पाँच इकाइयों में विभक्त है। पहली इकाई का शीर्षक 'हमारा पर्यावरण' है। इसमें शामिल 'सीखो' और 'बया हमारी चिड़िया रानी!' कविताएँ और 'आम का पेड़' कहानी प्रकृति की छटाओं को निहारने और अपने जीवन में उसे अंगीकार करने की भावना प्रस्तुत करती हैं। 'कितने पैर?' पाठ जीव-जगत का रुचिपूर्ण संसार प्रस्तुत कर रहा है। दूसरी इकाई का नाम 'हमारे मित्र' है। यह इकाई व्यक्ति और परिवेश से मित्रता जैसे संबंध के आस-पास बुनी गई है। इस भाव को प्रस्तुत करने के लिए इसमें क्रमशः 'बीरबल की खिचड़ी', 'मित्र को पत्र', 'चतुर गीदड़' और 'प्रकृति पर्व— फूलदेई' जैसे पाठ सम्मिलित किए गए हैं। तीसरी इकाई, 'आओ खेलें' नाम से पुस्तक में संकलित है। खेल और बचपन का आनंद विद्यार्थियों के जीवन का अनिवार्य भाग होता है। इसे ध्यान में रखते हुए इस इकाई में 'सुनो भई गप्प', 'रस्साकशी', 'ट्रैफिक जाम' और 'एक जादुई पिटारा' जैसी आनंदमयी कविताएँ सम्मिलित की गई हैं। इकाई चार का शीर्षक 'अपना-अपना काम' है। इसमें श्रम का महत्व और उसकी विविधता दिखाई गई है। श्रम के मूल्य को बच्चों हेतु ग्राह्य बनाने के लिए 'अपना-अपना काम' और

© NCERT not to be republished

Prelims - Final.indd 6 10-Apr-24 5:21:16 PM

'किसान की होशियारी' जैसी कहानियाँ तथा 'पेड़ों की अम्मा 'थिमक्का'' जैसा प्रेरक निबंध लिया गया है। इकाई पाँच का नाम 'हमारा देश' है। इसमें भारत देश की विविधता, उसका गौरव, कथा-परंपरा, खान-पान संस्कृति और विविधता में भी एकता के तत्वों को प्रस्तुत किया गया है। समग्र रूप से इस पाठ्यपुस्तक में प्राचीन परंपरा से चंद्रयान तक की यात्रा को भाषा और साहित्य के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।

मौखिक भाषा का विकास और लेखन

पाठ्यपुस्तक में बच्चों की मौखिक अभिव्यक्ति को विकसित करने की दृष्टि से इकाइयाँ और उनके अभ्यास निर्मित किए गए हैं। हर पाठ की समाप्ति के बाद 'बातचीत के लिए' शीर्षक से कुछ प्रश्न दिए गए हैं जिसमें हर बच्चा भाग ले सकता है और अपना अनुभव साझा कर सकता है। उदाहरण के लिए 'सीखो' कविता में बातचीत के लिए दिए गए प्रश्नों में एक प्रश्न है, "उगते हुए सूरज को देखकर आपके मन में किस प्रकार के भाव आते हैं?" यह प्रश्न हर बच्चे के लिए है। इसके अतिरिक्त पुस्तक में दिए गए शीर्षकों 'सुनें कहानी', 'मिलकर पढ़िए', 'आनंदमयी कविता' और 'पढ़ने के लिए' के अंतर्गत पढ़ने की विविधतापूर्ण सामग्री का संयोजन किया गया है। मौखिक भाषा के विकास का एक महत्वपूर्ण आयाम, बच्चों को बिना किसी अवरोध के बोलने के अवसर प्रदान करना है।

पाठों के अभ्यास में बच्चों को छोटे-छोटे वाक्य निर्माण की गतिविधियाँ दी गई हैं। शब्द से वाक्य की ओर ले जाने से संबंधित गतिविधियों में यह ध्यान रखा गया है कि ये कठिन न हों। बच्चे सरलता और आनंद के साथ इन अभ्यासों को करें। उदाहरण के लिए 'रस्साकशी' कविता में यह प्रश्न दिया गया है, "आपका सबसे प्रिय खेल कौन-सा है? उसके बारे में चार पंक्तियाँ लिखिए।" बोलने से लिखित भाषा की ओर बच्चों की भाषा-यात्रा सुगम और सरल हो, इसका ध्यान रखा गया है।

कल्पना, जिज्ञासा और रचनात्मकता

पढ़ने-पढ़ाने की प्रक्रिया में कल्पना विशेष स्थान रखती है। बच्चे इस उम्र में पर्याप्त कल्पनाशील होते हैं। वे अपनी दिनचर्या में ढेरों कल्पनाएँ करते हैं या फिर कुछ न कुछ सोचने और करने के प्रयोग करते रहते हैं। कुछ पाठों के अभ्यास में ऐसे प्रश्न दिए गए हैं जिससे विद्यार्थी कल्पना के संसार में प्रविष्ट हों। ऐसे प्रश्न बच्चों पर सही अथवा गलत उत्तर का दबाव नहीं डालते। उदाहरण के लिए 'चंद्रयान' पाठ में प्रश्न दिया गया है, "यदि चंद्रयान-3 से जुड़े वैज्ञानिक आपके विद्यालय में आएँ तो आप उनसे कौन-से प्रश्न पूछना चाहेंगे?"

जिज्ञासा और खोजबीन करना बच्चों की मूल प्रवृत्ति में से एक है। इसे ध्यान में रखते हुए घर और आस-पड़ोस से जुड़ी गतिविधियों को पाठों में शामिल किया गया है। उदाहरण के लिए 'आम का पेड़' कहानी में घर के बड़ों से आम के विभिन्न प्रकार के नाम पूछने के लिए कहा गया है।

रचनात्मकता मन की बात करने, रचने और लिखने का अवसर प्रदान करती है। पुस्तक में रचना और बच्चे के बीच के संबंध को जोड़ने और प्रक्रिया को बनाए रखने हेतु कुछ ऐसी गतिविधियाँ दी

© NCERT not to be republished

गई हैं जो रोचक हैं। उदाहरण के लिए 'चतुर गीदड़' एकांकी के अभ्यास प्रश्न में कागज से गीदड़ का मुखौटा बनाने की गतिविधि दी गई है। इस तरह की गतिविधियाँ लगभग सभी इकाइयों में दी गई हैं।

परिवेश, संवेदनशीलता एवं समेकन

पाठ्यसामग्री का संयोजन करते हुए ध्यान रखा गया है कि बच्चे इन सामग्रियों से जुड़कर अपने परिवेश के प्रति और भी संवेदनशील बनें। पाठों व अभ्यासों में पर्यावरण और विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने वाली गतिविधियाँ दी गई हैं। महिलाओं और पुरुषों की सार्थक और संतुलित भागीदारी से स्वस्थ समाज और राष्ट्र निर्मित होता है। अतः पाठ्यपुस्तक में लैंगिक संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए पाठों और चित्रों में संतुलित दृष्टि अपनाई गई है। साथ ही भारतीय परंपरा एवं संस्कृति, विभिन्न अनुशासनों तथा कलाओं का पाठ्यसामग्री के साथ उपयुक्त शिक्षणशास्त्रीय दृष्टि से समेकन भी किया गया है।

बहुभाषिकता और कक्षा शिक्षण

बहुभाषिकता भारत की संस्कृति का अनिवार्य अंग है। शिक्षण-अधिगम के क्षेत्र में बहुभाषिकता का उपयोग विभिन्न रूपों में किया जाता है। दैनिक जीवन में बहुभाषिकता के साथ-साथ पाठ्यसामग्री का भी बहुभाषिक होना आवश्यक होता है, विशेष रूप से उस आयु में जब बच्चे अपनी मातृभाषा से होते हुए हिंदी की समझ विकसित करने का प्रयत्न कर रहे होते हैं। पुस्तक में ऐसी गतिविधियाँ भी दी गई हैं जिसमें बच्चे हिंदी के शब्दों के लिए अपनी-अपनी मातृभाषा में शब्द ढूँढ़ेंगे। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण है, कक्षा शिक्षण के समय शिक्षक द्वारा बहुभाषिक शिक्षण पद्धति का उपयोग करना। शिक्षकों से अनुरोध है कि वे पाठों को पढ़ाते हुए बच्चों को अपनी भाषा, परिवेश और संस्कृति से जोड़ते हुए शिक्षण कार्य करें।

पाठ्यपुस्तक शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया का आधार है, एकमात्र साधन नहीं। एक रचनात्मक एवं प्रतिबद्ध शिक्षक को निरंतर नवीन पाठ्यसामग्री की सहायता लेनी पड़ती है। यह एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ शिक्षकों को अपने विद्यार्थियों का स्तर देखते हुए स्वयं ही तय करना पड़ता है कि उन्हें किस प्रकार की पाठ्यसामग्री और गतिविधियाँ उपलब्ध कराई जाएँ। उद्देश्य तो अंततः अपेक्षित भाषायी कौशलों एवं दक्षताओं का विकास ही है।

हमें विश्वास है कि हमारे शिक्षक इस पाठ्यपुस्तक का निर्धारित उद्देश्यों और निर्देशों के अनुसार रचनात्मक उपयोग करेंगे जिससे शिक्षण-अधिगम प्रभावी होगा और बच्चे आनंद के साथ भाषा सीखेंगे।

नीलकंठ कुमार
सहायक प्रोफेसर (हिंदी)
भाषा शिक्षा विभाग
रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

© NCERT not to be republished

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम एवं शिक्षण-अधिगम सामग्री समिति (एन.एस.टी.सी.)

महेश चंद्र पंत, *कुलाधिपति*, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (**अध्यक्ष**)

मञ्जुल भार्गव, *प्रोफेसर*, प्रिंसटन यूनिवर्सिटी (**सह-अध्यक्ष**)

सुधा मूर्ति, प्रतिष्ठित लेखिका एवं शिक्षाविद

बिबेक देबरॉय, *अध्यक्ष*, प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् (ई.ए.सी.-पी.एम.)

शेखर मांडे, *पूर्व महानिदेशक*, सी.एस.आई.आर. एवं *प्रतिष्ठित प्रोफेसर,* सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे

सुजाता रामदोरई, *प्रोफेसर*, ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय, कनाडा

शंकर महादेवन, संगीत विशेषज्ञ, मुंबई

यू. विमल कुमार, *निदेशक*, प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन अकादमी, बेंगलुरू

मिशेल डैनिनो, *विज़िटिंग प्रोफेसर*, आई.आई.टी. गांधीनगर

सुरीना राजन, *आई.ए.एस.* (सेवानिवृत्त), हरियाणा एवं *पूर्व महानिदेशक*, एच.पी.ए.

चामू कृष्ण शास्त्री, *अध्यक्ष*, भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय

संजीव सान्याल, *सदस्य*, प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् (ई.ए.सी.-पी.एम.)

एम.डी. श्रीनिवास, *अध्यक्ष*, सेंटर फॉर पॉलिसी स्टडीज़, चेन्नई

गजानन लोंढे, हेड, प्रोग्राम ऑफिस, एन.एस.टी.सी.

रेबिन छेत्री, *निदेशक*, एस.सी.ई.आर.टी., सिक्किम

प्रत्यूष कुमार मंडल, *प्रोफेसर,* सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

दिनेश कुमार, *प्रोफेसर,* योजना एवं अनुवीक्षण प्रभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

कीर्ति कपूर, *प्रोफेसर,* भाषा शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

रंजना अरोड़ा, *प्रोफेसर* एवं *अध्यक्ष*, पाठ्यचर्या अध्ययन एवं विकास विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली (**सदस्य-सचिव**)

© NCERT not to be republished

अगर आप ...

पढ़ाई एवं परीक्षा

निजी संबंधों

करियर

साथियों के दबाव

को लेकर किसी भी तरह के तनाव, चिंता, परेशानी, उदासी या उलझन में हैं, तो काउंसलर की मदद लें

कॉल करें
8448440632

राष्ट्रीय टोल-फ्री काउंसलिंग टेली-हेल्पलाइन
सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक
सप्ताह के प्रत्येक दिन

मनोदर्पण

कोविड-19 के प्रकोप के दौरान और उसके बाद विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण हेतु मनो-सामाजिक सहायता
(आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की एक पहल)

www.https://manodarpan.education.gov.in

© NCERT not to be republished

पाठ्यपुस्तक निर्माण समूह

मार्गदर्शन

महेश चंद्र पंत, *अध्यक्ष*, राष्ट्रीय पाठ्यक्रम एवं शिक्षण-अधिगम सामग्री समिति (एन.एस.टी.सी.) तथा *सदस्य*, समन्वयन समिति, पाठ्यचर्या क्षेत्र समूह— आरंभिक स्तर, रा.शै.अ.प्र.प, नई दिल्ली

मञ्जुल भार्गव, *उपाध्यक्ष*, राष्ट्रीय पाठ्यक्रम एवं शिक्षण-अधिगम सामग्री समिति तथा *सदस्य*, समन्वयन समिति, पाठ्यचर्या क्षेत्र समूह— आरंभिक स्तर, रा.शै.अ.प्र.प, नई दिल्ली

सुनीति सनवाल, *प्रोफ़ेसर* एवं *अध्यक्ष*, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली तथा *सदस्य संयोजक*, समन्वयन समिति, पाठ्यचर्या क्षेत्र समूह— आरंभिक स्तर, रा.शै.अ.प्र.प, नई दिल्ली

अध्यक्ष, उप-समूह (हिंदी)

चमन लाल गुप्त, *प्रोफ़ेसर* एवं पूर्व *अध्यक्ष*, हिंदी विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला, हिमाचल प्रदेश

सहयोग

कविता बिष्ट, *मुख्य अध्यापिका*, केंद्रीय विद्यालय, रा.शै.अ.प्र.प. परिसर, नई दिल्ली

ज्योति, *वरिष्ठ शोध सहायक*, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

टीना कुमारी, *सहायक प्रोफ़ेसर*, गार्गी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

निशा जैन, *प्रवक्ता* (हिंदी), राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शकरपुर, दिल्ली

नीरा नारंग, *प्रोफ़ेसर*, केंद्रीय शैक्षिक संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय

पूजा, *जे.पी.एफ.*, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

प्रणय कुमार, *वरिष्ठ अध्यापक* एवं *निवर्तमान अध्यक्ष* (हिंदी एवं संस्कृत), एल.के. सिंहानिया एजुकेशन सेंटर, गोटन, नागौर, राजस्थान

विजय कुमार चावला, *पी.जी.टी.* (हिंदी), आरोही आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, ग्योंग, कैथल, हरियाणा

शशि कुमार शर्मा, *प्रवक्ता* (हिंदी), राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, मझियाठ, मंडी, हिमाचल प्रदेश

© NCERT not to be republished

शारदा कुमारी, *प्रधानाचार्य* (सेवानिवृत्त), जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, आर.के. पुरम, नई दिल्ली

श्याम सिंह सुशील, बाल साहित्यकार एवं पूर्व *वरिष्ठ उप-संपादक*, दैनिक हिंदुस्तान, नई दिल्ली

समीर, *सहायक प्रोफ़ेसर*, हिंदी विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय, भटिंडा, पंजाब

सय्यद मतीन अहमद, *प्रोफ़ेसर*, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, तेलंगाना

साकेत बहुगुणा, *परामर्शदाता*, राष्ट्रीय पाठ्यक्रम एवं शिक्षण-अधिगम सामग्री समिति, रा.शै.अ.प्र.प, नई दिल्ली

सुधा मिश्रा, *परामर्शदाता* एवं *साक्षरता विशेषज्ञ*, पी.एम.यू, राज्य शिक्षा केंद्र, भोपाल, मध्य प्रदेश

सुमन कुमार सिंह, *प्रधानाध्यापक*, उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय, कौड़िया बसंती, भगवानपुर हाट, सिवान, बिहार

समीक्षक

गोविंद प्रसाद शर्मा, *प्रोफ़ेसर* एवं *भूतपूर्व अध्यक्ष*, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नई दिल्ली

मीरा भार्गव, *प्रोफ़ेसर एमेरिटस, हॉफ्स्ट्रा* विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क, यू.एस.ए.

रंजना अरोड़ा, *प्रोफ़ेसर* एवं *अध्यक्ष*, पाठ्यचर्या अध्ययन एवं विकास विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

सदस्य-समन्वयक, उप-समूह (हिंदी)

नीलकंठ कुमार, *सहायक प्रोफ़ेसर* (हिंदी), भाषा शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

© NCERT not to be republished

आभार

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा पर्यवेक्षण समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों; पाठ्यचर्या क्षेत्र समूह — आरंभिक स्तर के सभी सदस्यों तथा अन्य अंत:संबंधी विषयों के लिए गठित पाठ्यचर्या क्षेत्र समूहों के अध्यक्षों एवं सदस्यों के प्रति इस पुस्तक के निर्माण की प्रक्रिया में मार्गदर्शन एवं समीक्षा हेतु बहुमूल्य योगदान के लिए आभार व्यक्त करती है।

परिषद्, इस पुस्तक में रचनाओं को सम्मिलित करने की स्वीकृति देने के लिए सभी रचनाकारों, उनके परिजनों एवं प्रकाशकों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करती है। परिषद्, रचनाओं के प्रकाशनार्थ अनुमति देने के लिए प्रकाश मनु (चींटी); मञ्जुल भार्गव (कितने पैर?, एक जादुई पिटारा); मालती देवी (सुनो भई गप्प); चंदन यादव, भोपाल व *प्रकाशक*, इकतारा प्रकाशन, भोपाल (*प्लूटो* पत्रिका से 'दोस्त के जूते', वर्ष 3, अंक 5); महादेवी वर्मा एवं प्रमोद कुमार गुप्त, झाँसी (बया); साकेत बहुगुणा, दिल्ली, (मित्र को पत्र); सुनीति सनवाल, दिल्ली, (प्रकृति पर्व — फूलदेई); कन्हैया लाल 'मत्त', गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश व *प्रकाशक*, विद्यार्थी प्रकाशन, दिल्ली (*मेरी बाल कविताएँ* पुस्तक से 'रस्साकशी'); मनोज कुमार झा, पटना व *प्रकाशक*, इकतारा प्रकाशन, भोपाल (ट्रैफिक जाम); राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, दिल्ली व *प्रकाशक*, दिल्ली पाठ्यपुस्तक ब्यूरो, दिल्ली, [*उड़ान, भाग 2* (2004) से 'अपना-अपना काम', 'किसान की होशियारी']; निशा जैन, दिल्ली, (पेड़ों की अम्मा 'थिमक्का'); भगवान सिंह व *प्रकाशक*, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली, (*पंचतंत्र की कहानियाँ* पुस्तक से 'बोलने वाली माँद'); सोहन लाल द्विवेदी एवं आकांक्षा द्विवेदी (भारत); पद्मश्री विनय चंद्र मौदगल्य व राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, बिहार (हिंद देश के निवासी); इरफ़ान, *कार्टूनिस्ट* व *प्रकाशक*, इकतारा प्रकाशन, भोपाल (*प्लूटो* पत्रिका से 'चुटकुला सचित्र', अंक 5, वर्ष 3); चित्रा गर्ग, दिल्ली (पहेलियाँ); हरीश वार्ष्णेय व *प्रकाशक*, सुरेन्द्र कुमार एंड संस, दिल्ली (*रोचक पहेलियाँ* पुस्तक) के प्रति आभारी है।

इस पुस्तक में अंत:संबंधी विषयों जैसे समावेशन, लैंगिक संवेदनशीलता, कला-शिक्षा इत्यादि की सूक्ष्म रूप से समीक्षा के लिए परिषद् इंद्राणी भादुड़ी, विनय सिंह, मोना यादव, मिली रॉय एवं ज्योत्स्ना तिवारी, *प्रोफेसर*, रा.शै.अ.प्र.प, नई दिल्ली के प्रति आभार प्रकट करती है।

परिषद्, तकनीकी सहयोग हेतु पूजा साहा, *अर्द्ध पेशेवर सहायक* (संविदा), प्रारंभिक शिक्षा विभाग, अकादमिक सहयोग हेतु अंजना, *अनुवादक*, हिंदी प्रकोष्ठ, रा.शै.अ.प्र.प, नई दिल्ली तथा कार्यालयी सहयोग के लिए सुशीला जरोदिया एवं चंचल, *टाइपिस्ट* (संविदा), प्रारंभिक शिक्षा विभाग के प्रति आभार व्यक्त करती है।

not to be republished © NCERT

परिषद्, विशेष रूप से ग्रीन ट्री डिजाइनिंग स्टूडियो प्रा.लि., नई दिल्ली का आभार प्रकट करती है, जिनके अथक परिश्रम से पुस्तक इस रूप में आ सकी है।

परिषद्, इस पुस्तक को अंतिम रूप देने के लिए प्रकाशन प्रभाग और अतुल मिश्रा, *संपादक* (संविदा); अतुल गुप्ता, *सहायक संपादक* (संविदा); शिव मोहन यादव, *सहायक संपादक* (संविदा); पवन कुमार बरियार, *इंचार्ज*, डी.टी.पी. प्रकोष्ठ, विपन कुमार शर्मा एवं उपासना, *डी.टी.पी. ऑपरेटर* (संविदा) के प्रयासों की सराहना करती है।

© NCERT not to be republished

कहाँ क्या है?

आमुख iii

पाठ्यपुस्तक के बारे में v

इकाई एक – हमारा पर्यावरण

1. सीखो 1
2. चींटी 9

   चींटी और हाथी की छुपन-छुपाई* 13
3. कितने पैर? 14

   दोस्त के जूते* 24
4. बया हमारी चिड़िया रानी! 25
5. आम का पेड़ 33

** तारांकित पाठ केवल पढ़ने के लिए हैं।*

© NCERT not to be republished

इकाई दो – हमारे मित्र

6.	बीरबल की खिचड़ी	46
7.	मित्र को पत्र	56
8.	चतुर गीदड़	63
9.	प्रकृति पर्व — फूलदेई	73

इकाई तीन – आओ खेलें

	सुनो भई गप्प*	80
10.	रस्साकशी	82
	ट्रैफिक जाम*	91
11.	एक जादुई पिटारा	92

Prelims - Final.indd 16 10-Apr-24 5:21:39 PM

इकाई चार – अपना-अपना काम

12.	अपना-अपना काम	100
13.	पेड़ों की अम्मा 'थिमक्का'	108
14.	किसान की होशियारी	114

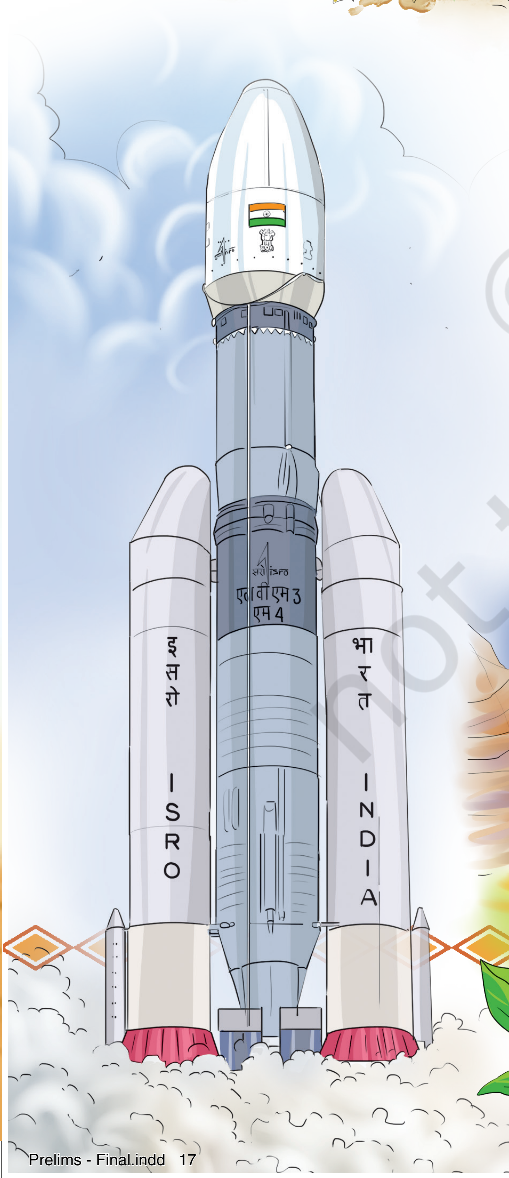

इकाई पाँच – हमारा देश

15.	भारत	122
16.	चंद्रयान (संवाद)	129
17.	बोलने वाली माँद	138
18.	हम अनेक किंतु एक	147
	हिंद देश के निवासी*	154

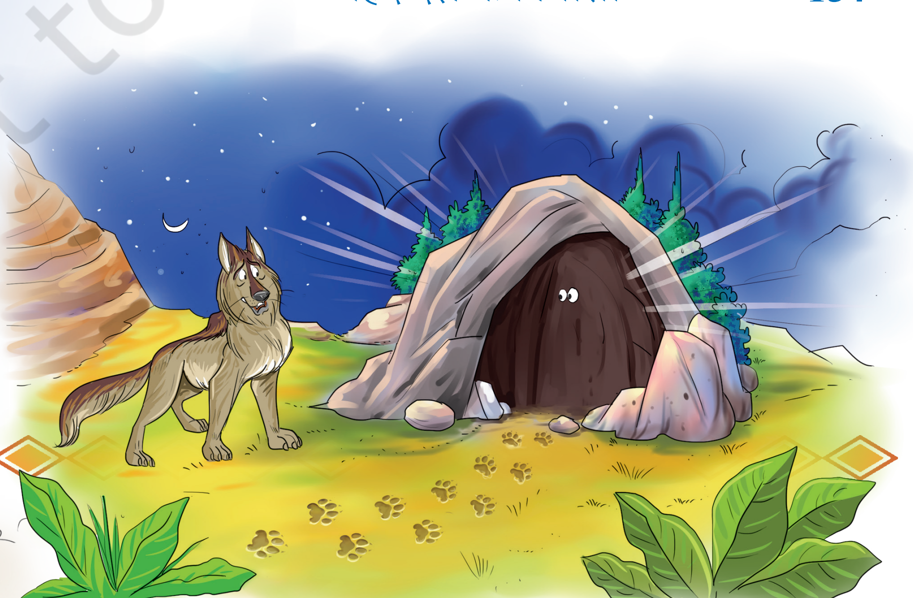

© NCERT not to be republished

राष्ट्र – गान

जन–गण–मन–अधिनायक, जय हे
भारत–भाग्य–विधाता।
पंजाब–सिंध–गुजरात–मराठा
द्राविड़– उत्कल–बंग
विंध्य–हिमाचल–यमुना–गंगा
उच्छल जलधि तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मागे।
गाहे तव जय–गाथा।
जन–गण–मंगल–दायक जय हे
भारत–भाग्य–विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे!

हमारा राष्ट्र-गान रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा मूलत: बांग्ला भाषा में रचा गया था। भारत के राष्ट्र-गान के रूप में इसके हिंदी रूपांतरण का अंगीकार संविधान सभा द्वारा 24 जनवरी 1950 को किया गया।

1

0331CH01

सीखो

आनंदमयी कविता

फूलों से नित हँसना सीखो, भौंरों से नित गाना।
तरु की झुकी डालियों से नित, सीखो शीश झुकाना।

सीख हवा के झोंकों से लो, कोमल भाव बहाना।
दूध तथा पानी से सीखो, मिलना और मिलाना।

सूरज की किरणों से सीखो, जगना और जगाना।
लता और पेड़ों से सीखो, सबको गले लगाना।

दीपक से सीखो जितना, हो सके अँधेरा हरना।
पृथ्वी से सीखो प्राणी की, सच्ची सेवा करना।

जलधारा से सीखो आगे, जीवन-पथ में बढ़ना।
और धुएँ से सीखो हरदम, ऊँचे ही पर चढ़ना।

– श्रीनाथ सिंह

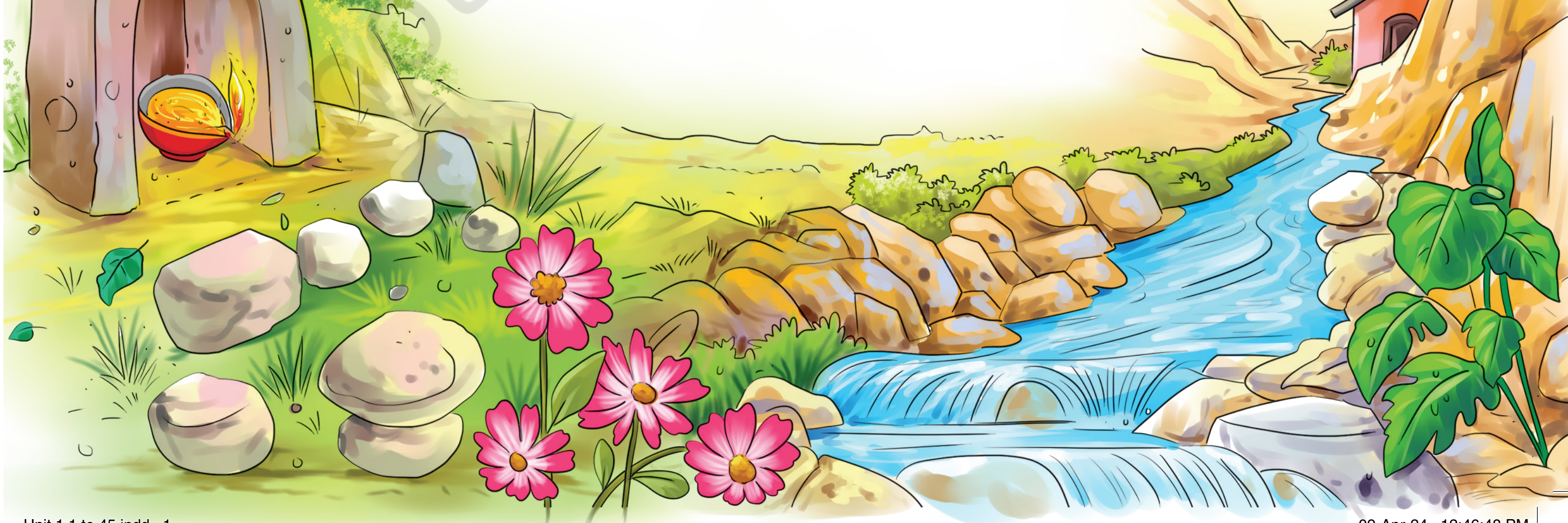

© NCERT not to be republished

बातचीत के लिए

1. आपको इस चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है?

2. इनमें से कौन-कौन सी वस्तुएँ आप प्रतिदिन देखते हैं?
3. उगते हुए सूरज को देखकर आपके मन में किस प्रकार के भाव आते हैं?
4. रंग-बिरंगे फूलों को देखकर आपको कैसा लगता है?

Unit 1 1 to 45.indd 2 09-Apr-24 12:46:48 PM

कविता की बात

1. किससे क्या सीखें, मिलान कीजिए—

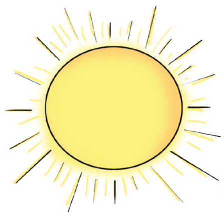	हँसना
	जीवन में सदैव आगे बढ़ना
	जगना और जगाना
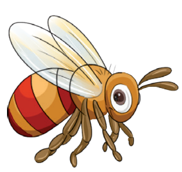	अँधेरा दूर करना
	गीत गाना
	शीश झुकाना

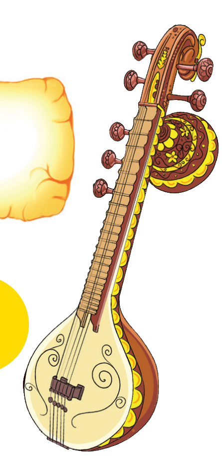

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 3 09-Apr-24 12:46:51 PM

2. कविता में किससे सीखने की बात आपको सबसे अच्छी लगी? उसका चित्र बनाइए और नाम लिखिए—

....

3. पढ़िए और बताइए कि यह भाव कविता की किस पंक्ति में आया है—

(क) पेड़ों की झुकी डालियों से हमें यह सीखना है कि हमें हमेशा विनम्र रहना चाहिए।

कविता की पंक्ति

....

(ख) हवा के झोंकों से हमें सीखना है कि हम हमेशा कुछ न कुछ काम करते रहें।

कविता की पंक्ति

....

(ग) नदी-नहर से हमें सीखना है कि जीवन आगे बढ़ने का नाम है और हमें आगे बढ़ते रहना चाहिए।

कविता की पंक्ति

....

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 4 09-Apr-24 12:46:51 PM

कविता से आगे

1. सूरज से 'जगना और जगाना' सीखने की बात कही गई है। हम सूरज से और क्या-क्या सीख सकते हैं? कोई दो बातें लिखिए —

(क) ....

....

(ख) ....

....

2. लता और पेड़ों से एक-दूसरे के साथ प्रेम और सद्भाव की बात सीखने के लिए कहा गया है। इनसे हम और क्या-क्या सीख सकते हैं? कोई दो बातें लिखिए —

(क) ....

....

(ख) ....

....

3. हम सभी में कोई न कोई विशेषता अवश्य होती है। आप अपने सहपाठी की कौन-सी बात सीखना चाहते हैं?

....

....

....

....

....

© NCERT not to be republished

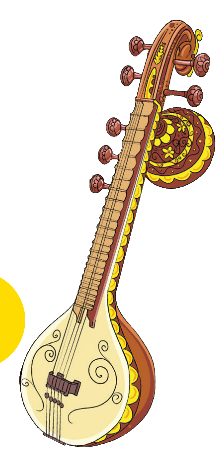

Unit 1 1 to 45.indd 5 16-Apr-24 3:21:02 PM

भाषा की बात

शब्द	अर्थ
तरु	पेड़
शीश	सिर
पृथ्वी	धरती
हरना	दूर करना
पथ	रास्ता/मार्ग

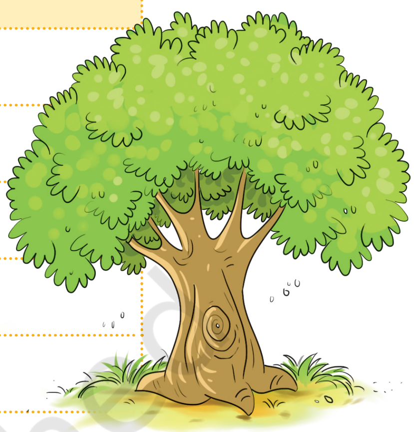

1. ऊपर दी गई सूची को ध्यान से पढ़िए। इनमें से कोई दो शब्द लेकर वाक्य बनाइए—

   (क) ....

   (ख) ....

2. दूध और पानी से सीखो, <u>मिलना और मिलाना</u>। रेखांकित शब्दों के समान कुछ और शब्द बनाइए —

हँसना और हँसाना	खाना और खिलाना
....	....
....	....

© NCERT not to be republished

3. ‘स’ और ‘प’ वर्ण से प्रारंभ होने वाले शब्दों को कविता से खोजकर लिखिए —

स	प
सीखो	पानी
....	....
....	....
....	....
....	....

4. तालिका ‘अ’ तथा ‘ब’ में दिए गए शब्दों का उच्चारण कीजिए और इनमें अंतर पहचानिए —

तालिका ‘अ’	तालिका ‘ब’
पड़ा	पढ़ा
बड़ा	बढ़ा
अड़ना	बढ़ना
उड़ना	पढ़ना
कड़ाई	कढ़ाई
लड़ाई	चढ़ाई

© NCERT not to be republished

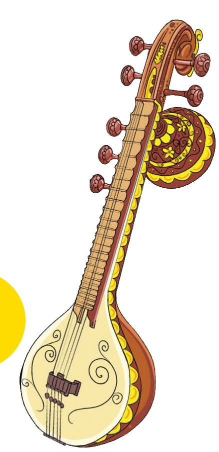

Unit 1 1 to 45.indd 7 09-Apr-24 12:46:52 PM

बूझो तो जानें

एक फूल, एक फल है भाई।
दोनों मिलकर बने मिठाई।

बिना बाल की पूँछ लिए वह भाग रहा है,
सब सोते, वह रात-रात भर जाग रहा है।
काट-काटकर कागज, कपड़े खुश होता है,
और धरातल के नीचे घर में सोता है।

© NCERT not to be republished

आइए मिलकर गाएँ

आइए, पाठ में पढ़ी गई कविता को हम सब मिलकर गाएँ।

Unit 1 1 to 45.indd 8 09-Apr-24 12:46:53 PM

2

0331CH02

चींटी

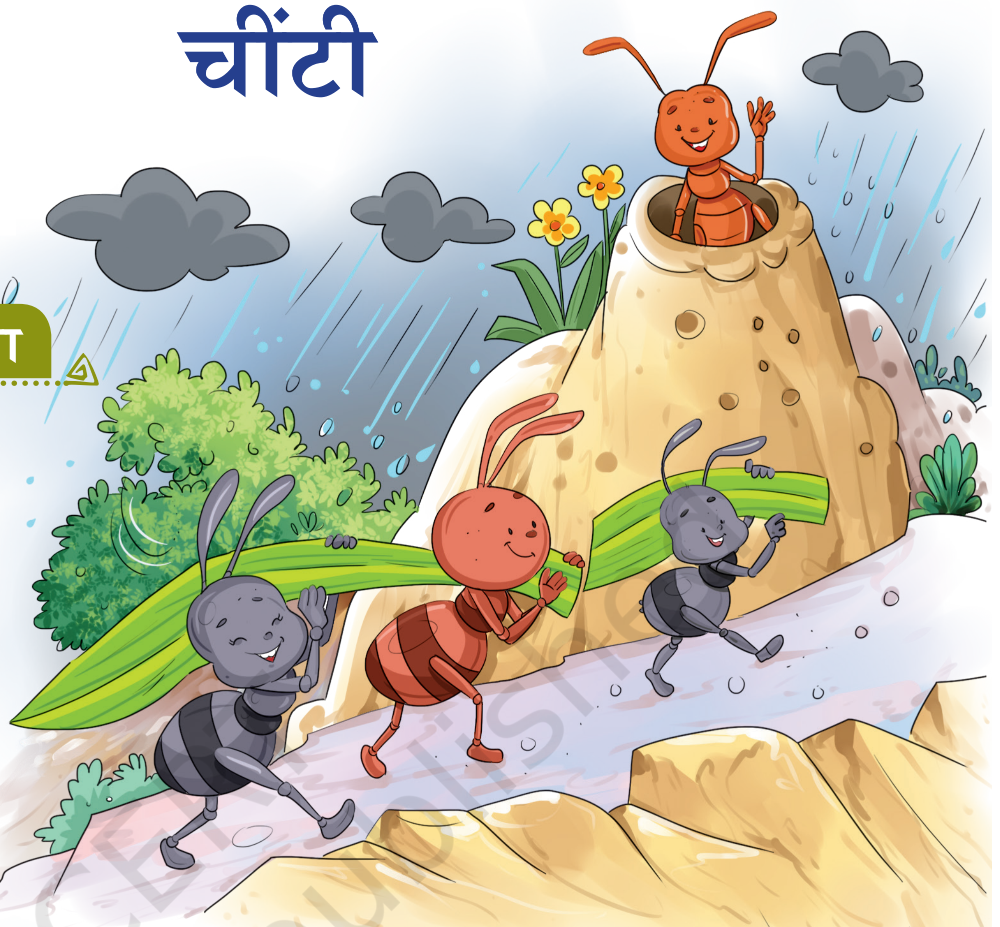

आनंदमयी कविता

हर पल चलती जाती चींटी,
श्रम का राग सुनाती चींटी।

कड़ी धूप हो या हो वर्षा,
दाना चुनकर लाती चींटी।

सचमुच कैसी कलाकार है,
घर को खूब सजाती चींटी।

छोटा तन, पर बड़े इरादे,
नहीं कभी घबराती चींटी।

नन्हे-नन्हे पैर बढ़ाकर,
पर्वत पर चढ़ जाती चींटी।

काम बड़े करके दिखलाती,
जहाँ कहीं अड़ जाती चींटी।

मेहनत ही पूजा है प्रभु की,
हमको यही सिखाती चींटी।

– प्रकाश मनु

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 9 09-Apr-24 12:46:55 PM

बातचीत के लिए

1. आपने अपने आस-पास, घर और विद्यालय में कौन-कौन से जीव-जंतु देखे हैं?
2. आपने सबसे छोटा कौन-सा कीट देखा और कहाँ देखा है?
3. आपने चींटी के अतिरिक्त और कौन-कौन से श्रम करने वाले जीव देखे हैं?
4. नन्ही चींटी के बारे में अपना कोई अनुभव बताइए।

कविता से आगे

1. नीचे कुछ वस्तुओं के चित्र बने हैं। बताइए, चींटियाँ किसे खाना चाहेंगी? उस पर ☺ का चिह्न बनाइए—

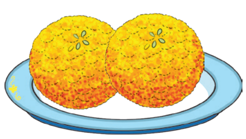

लड्डू

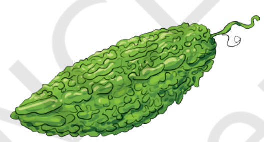

करेला

गेहूँ के दाने

चीनी

शहद

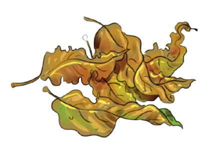

सूखी पत्तियाँ

2. निम्नलिखित पंक्तियों को पूरा कीजिए—

(क) घर को ....

(ख) पर्वत पर ....

(ग) दाना चुनकर ....

(घ) श्रम का राग ....

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 10 09-Apr-24 12:46:56 PM

3. **कविता के अनुसार चींटी हमको क्या-क्या करना सिखाती है? लिखकर बताइए—**

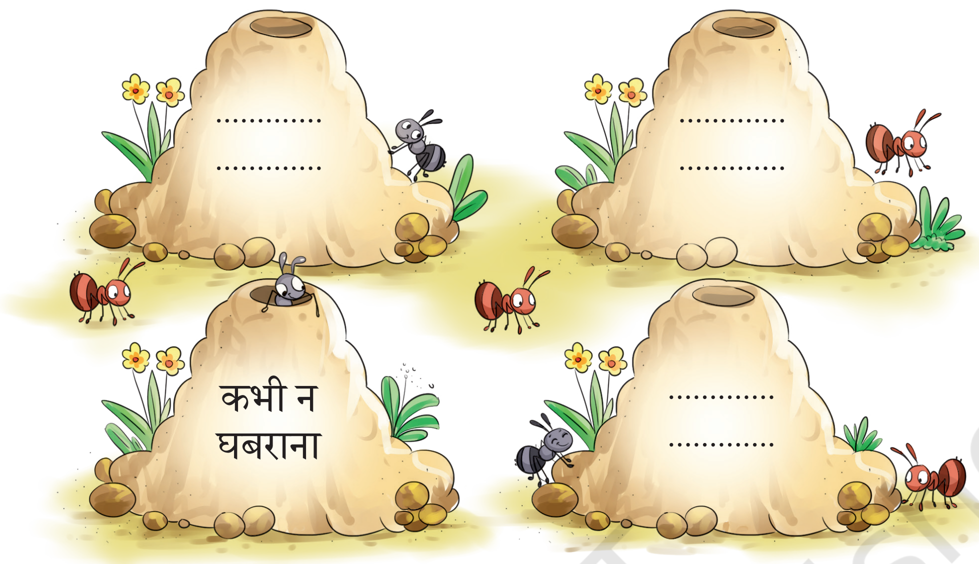

भाषा की बात

1. **कविता में चींटी को क्या-क्या कहा गया है—**

कलाकार ....

....

2. **कितनी बार आई चींटी?**

'चींटी' कविता में 'चींटी' शब्द कितनी बार आया है? इन्हें गिनिए और उतनी चींटियाँ बनाकर पंक्ति को पूरा कीजिए—

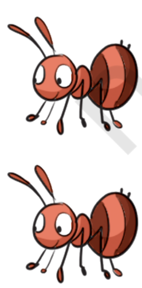

© NCERT not to be republished

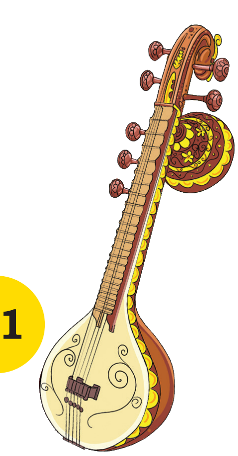

Unit 1 1 to 45.indd 11 09-Apr-24 12:46:56 PM

3. आइए, 'चींटी' कविता को आगे बढ़ाते हैं—

चीनी का दाना दिख जाए

उसको लेने जाती चींटी

....

....

....

....

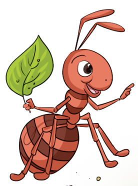

4. शब्दों की तुकबंदी—

दाना	गाना	धूप	....
कड़ी	....	राग	....

चींटी से भेंट

5. आपके घर के कई कोनों में चींटी आती-जाती है। एक दिन वह आपको रोककर आपसे कुछ कहती है। आपके और उसके बीच क्या-क्या बातें हुई होंगी, लिखिए—

आप – नमस्ते चींटी! आज आप अकेली आई हैं?

चींटी – ....

आप – ....

चींटी – ....

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 12 09-Apr-24 12:46:57 PM

(पढ़ने के लिए)

चींटी और हाथी की छुपन-छुपाई

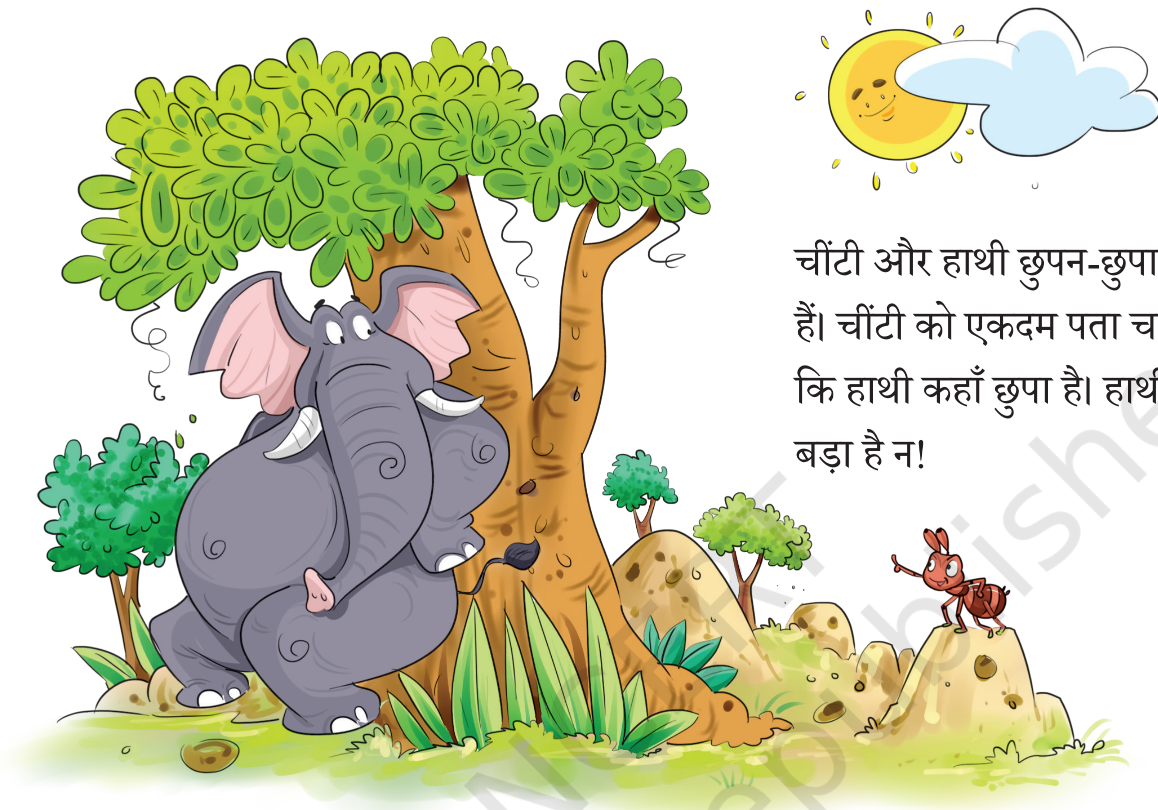

चींटी और हाथी छुपन-छुपाई खेल रहे हैं। चींटी को एकदम पता चल जाता है कि हाथी कहाँ छुपा है। हाथी का शरीर बड़ा है न!

जब चींटी एक मंदिर के भीतर छिपती है तो हाथी भी उसे एकदम ढूँढ़ लेता है। बताइए, हाथी को कैसे पता चला कि चींटी मंदिर में छिपी है?

not to be republished © NCERT

Unit 1 1 to 45.indd 13 09-Apr-24 12:46:59 PM

3

0331CH03

कितने पैर?

बच्चे – सुप्रभात अध्यापिका जी!

अध्यापिका – सुप्रभात बच्चो! आज हम धरती पर रहने वाले जीवों के पैरों की संख्या की बात करेंगे। जीवों के पैरों की संख्या शून्य से लेकर कई सौ तक भी हो सकती है। अच्छा... कोई बता सकता है कि किस जीव के पैर नहीं होते?

श्याम – जी हाँ अध्यापिका जी! मुझे पता है। बरसात में मैंने बहुत केंचुए देखे हैं। उनके पैर नहीं होते। वे पेट के बल सरकते हैं।

अध्यापिका – बहुत ठीक! अब कुछ दो पैरों वाले जीवों की बात करेंगे... इन जीवों को द्विपाद कहते हैं। मनुष्य के अतिरिक्त आप और कोई द्विपाद बता सकते हैं?

© NCERT not to be republished

रमेश – क्यों नहीं! सारी चिड़ियाँ द्विपाद ही होती हैं न, अध्यापिका जी?

अध्यापिका – बिलकुल सही कहा रमेश! अब हम यदि पशुओं की बात करें तो यह बताइए कि आपने कभी किसी ऐसे पशु का नाम सुना है जिसके दो ही पैर हों?

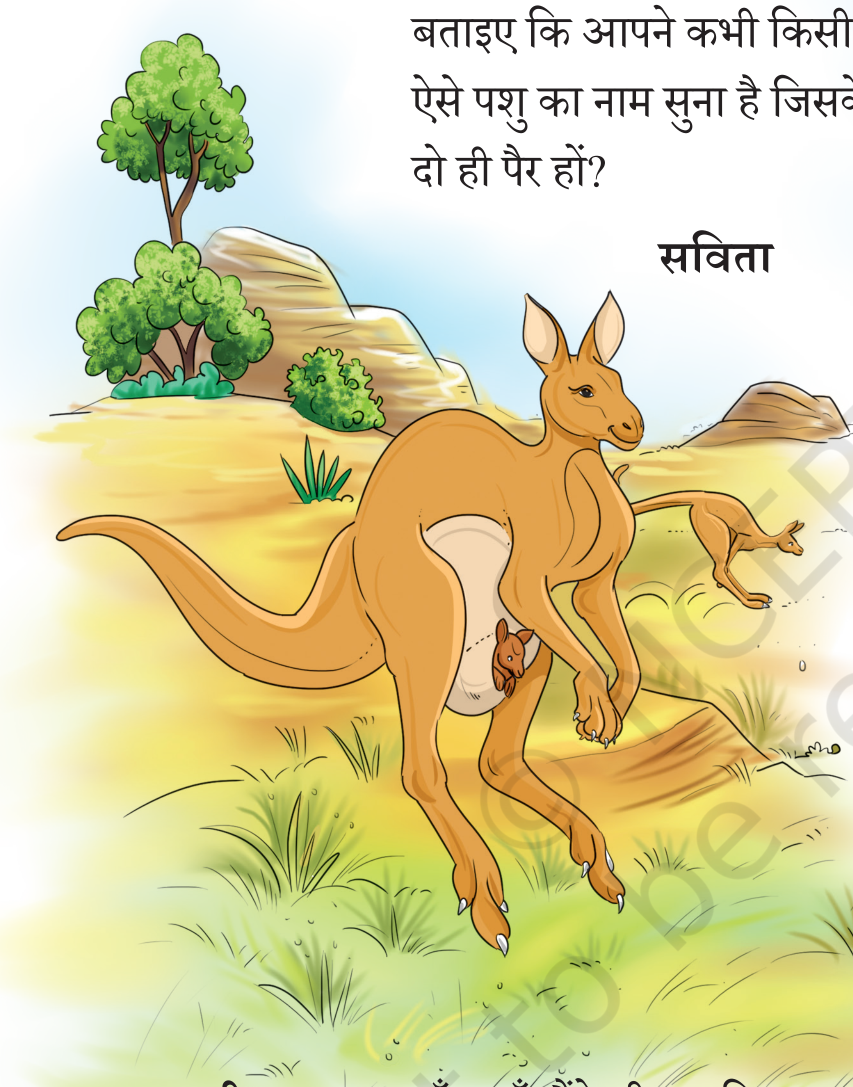

सविता – जी हाँ अध्यापिका जी! मेरी माँ एक दिन मुझे ऑस्ट्रेलिया देश के विषय में बता रही थीं और उन्होंने मुझे वहाँ पाए जाने वाले एक द्विपाद पशु का चित्र दिखाया था जो दो पैरों पर कूद-कूदकर चलता है। किंतु मैं उसका नाम भूल गई!

रजनी – हाँ... हाँ, मैंने भी उस द्विपाद पशु के विषय में एक पुस्तक में पढ़ा था जो मैं पुस्तकालय से लाई थी। मुझे उसका नाम भी याद है। उसे कंगारू कहते हैं। उसके पेट पर एक थैली भी होती है जिसमें वह अपने बच्चे को साथ ले जाता है।

© NCERT not to be republished

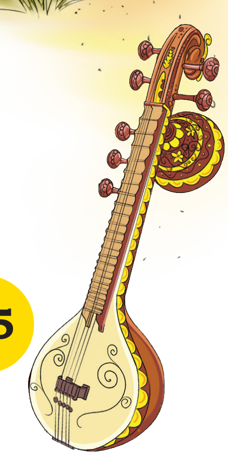

Unit 1 1 to 45.indd 15 09-Apr-24 12:47:01 PM

अध्यापिका – वाह! वाह! आप सब बच्चे बड़े बुद्धिमान हैं। आपके पास मेरे सभी प्रश्नों के उत्तर हैं। वह जब तेजी से चलता है तो दो पैरों पर कूदकर चलता है, लेकिन जब वह धीरे चलता है तो झुककर चार पैरों पर चलने लगता है, इसलिए उसे चतुष्पाद भी कहते हैं और कभी-कभी आगे बढ़ने में वह अपनी पूँछ का भी उपयोग करता है, इसलिए उसे पंचपाद भी कहते हैं। वैसे अधिकतर पशुओं के तो चार पैर ही होते हैं, जैसे– गाय, भैंस, और..?

समीर – कुत्ता, बिल्ली, घोड़ा...

वीणा – बकरी, गधा, बंदर...

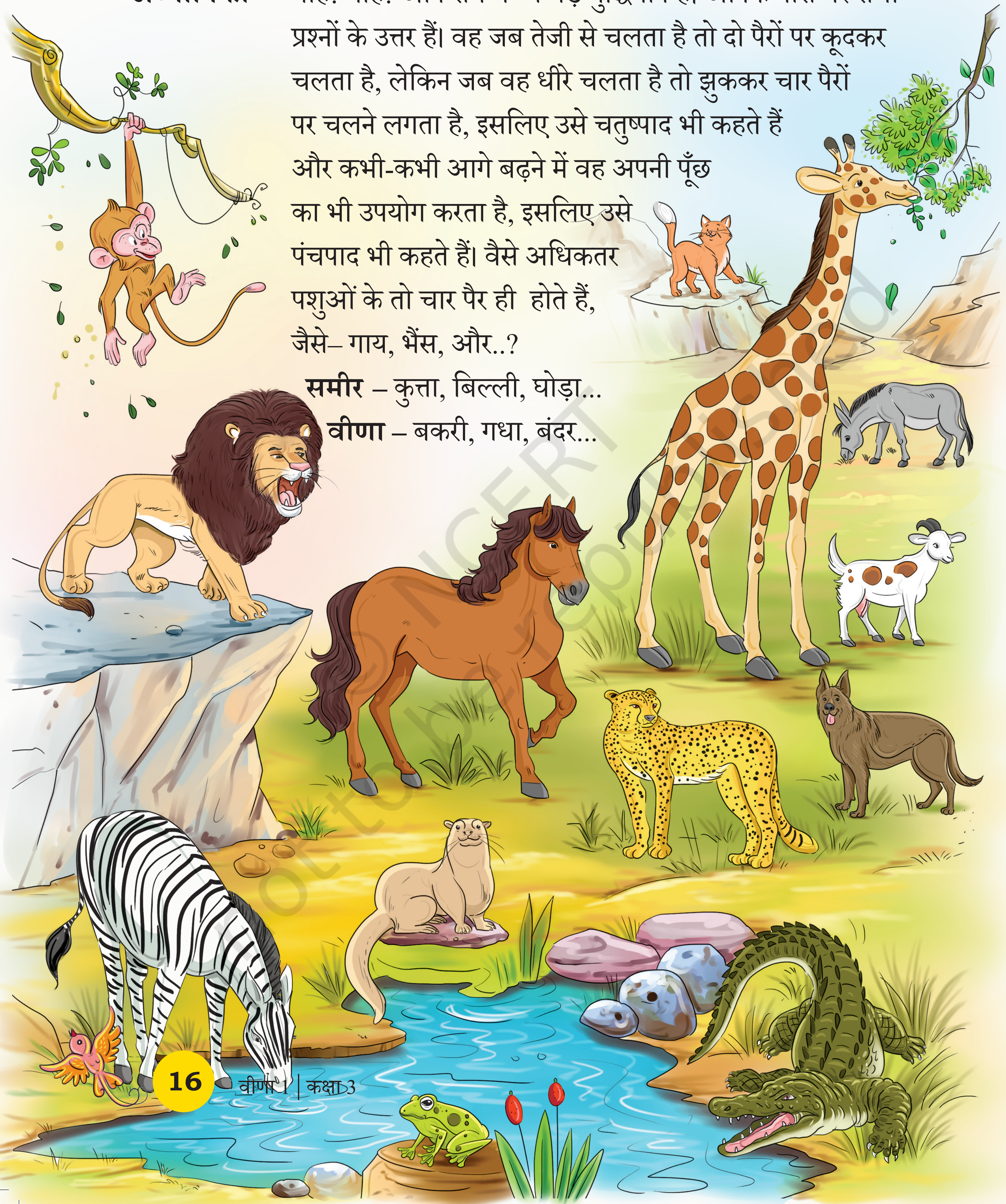

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 16 09-Apr-24 12:47:03 PM

रफ़िया – मेंढक, ऊदबिलाव, घड़ियाल...

रमेश – शेर, चीता...

बिपिन – ज़ेबरा, जिराफ़...

अध्यापिका – बहुत सही बच्चों! आप सबको तो बहुत सारे पशुओं के नाम आते हैं, लेकिन अब देखते हैं कि भिन्न-भिन्न कीटों के पैरों के विषय में आपको कितना पता है! आप सभी ने चींटे और चींटियाँ तो देखी ही हैं। बताइए उनके कितने पैर होते हैं?

मीना – अध्यापिका जी, मुझे चींटों को देखने में बड़ा आनंद आता है। उनका चलना मैंने बहुत पास से देखा है। मैंने कई बार उनके पैर भी गिन लिए और पता चला कि उनके छह पैर होते हैं।

अध्यापिका – अरे वाह! अब आप स्वयं गिनकर आई हैं तो आपका उत्तर सही ही है। आपको पता है कि चींटी के अतिरिक्त और भी कई कीटों के छह पैर होते हैं, जैसे– मक्खी, भँवरा... और?

राम – तितली?

सिमरन – झींगुर?

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 17 09-Apr-24 12:47:04 PM

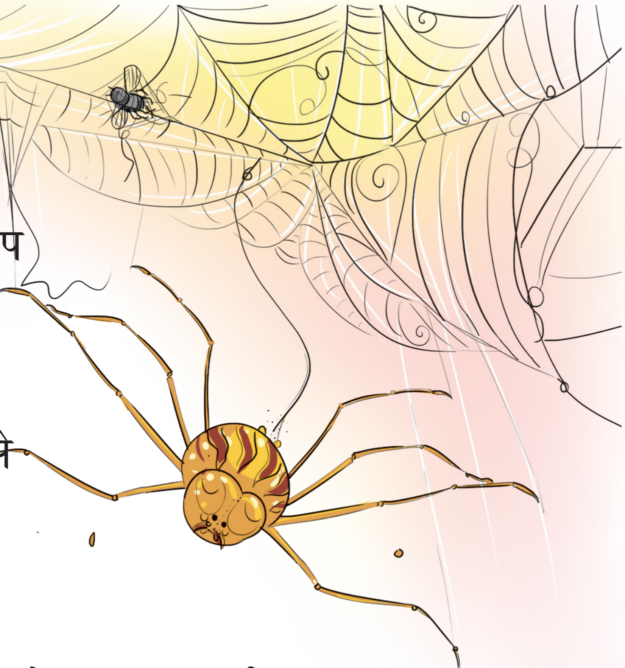

अध्यापिका – शाबाश बच्चों! बहुत सही कहा। आप सब कीटों में इतनी रुचि रखते हैं तो फिर आप में से कोई किसी ऐसे कीट का नाम बता सकता है जिसके छह से अधिक पैर होते हैं?

रमेश (हँसकर) – मकड़ी!

सविता – हाँ! मकड़ी के तो आठ पैर दिखाई देते हैं, जब वह जाले पर चलती है।

अध्यापिका – बिलकुल सही बताया! अब मैं आपको एक और ऐसे कीट के विषय में बताना चाहती हूँ, जिसके तीस (३०) से लेकर तीन सौ बयासी (३८२) तक पैर हो सकते हैं अर्थात पंद्रह (१५) जोड़ी से लेकर एक सौ इक्यानवे (१९१) जोड़ी तक पैर हो सकते हैं। इस अद्‌भुत कीट का नाम है— कनखजूरा। आप में से किसी ने कनखजूरा देखा है?

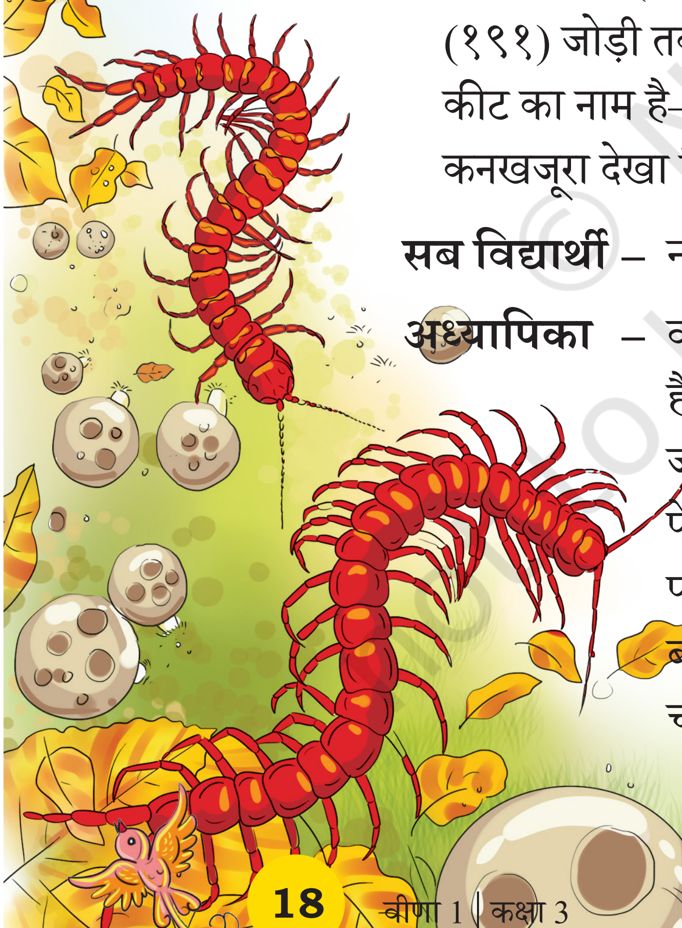

सब विद्यार्थी – नहीं!!!

अध्यापिका – वास्तव में घरों में इनका मिलना कठिन है। ये अधिकतर ऐसे स्थानों में रहते हैं जहाँ सीलन और अँधेरा हो, जैसे– गीले पेड़ों के तनों के अंदर या गीली घास या पत्तों के ढेर के नीचे।... पर सोचने की बात ये है कि इतने सारे पैरों वाला कैसे चलता होगा!

–मञ्जुल भार्गव

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 18 09-Apr-24 12:47:07 PM

बातचीत के लिए

1. कुछ अन्य जीवों के नाम बताइए, जिनका उल्लेख इस पाठ में नहीं है और साथ ही उन जीवों के पैरों की संख्या भी बताइए।
2. शरीर के कौन-से अंग इधर-उधर आने-जाने में सहायता करते हैं?
3. क्या पशु-पक्षियों और छोटे-छोटे कीटों को भी इधर-उधर जाने में पैर सहायता करते हैं?
4. केंचुए के अतिरिक्त आप कोई और जीव बता सकते हैं, जिसके पैर नहीं होते हैं?
5. पैरों के अतिरिक्त, हमारे शरीर में और कौन-कौन से अंग दो की संख्या में होते हैं?

आपका पैर

अपने पैर और हाथ की बनावट को ध्यान से देखिए। आपके पैर और हाथ की बनावट में क्या समान है और क्या भिन्न है, पहचानिए और लिखिए—

	पैर	हाथ
1.	............अँगूठे हैं।............	............अँगूठे हैं।............
2.	....	....
3.	....	....
4.	....	....
5.	....	....

© NCERT not to be republished

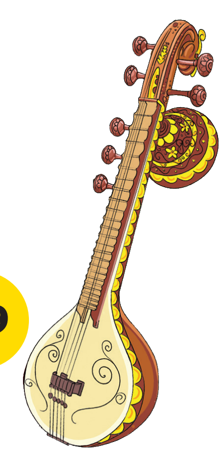

Unit 1 1 to 45.indd 19 09-Apr-24 12:47:08 PM

पाठ के भीतर

1. सही कथन के आगे (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) सभी जीवों के केवल दो ही पैर होते हैं। ☐

(ख) केंचुए अपने पेट के बल सरकते हैं, क्योंकि उनके पैर नहीं होते। ☐

(ग) दो पैर वाले जीवों को द्विपाद कहते हैं। ☐

(घ) गाय, भैंस, बकरी आदि चतुष्पाद हैं। ☐

(ङ) जीवों के पैरों की संख्या शून्य से लेकर कई सौ तक हो सकती है। ☐

2. नीचे दी गई तालिका में पैरों की संख्या के अनुसार जीवों के नाम लिखिए—

शून्य पैर वाले	दो पैर वाले	चार पैर वाले	छह पैर वाले	आठ पैर वाले
....	....	....	....	....
....	....	....	....	....
....	....	....	....	....

आठ से अधिक पैर वाले – ....

3. कैसे रखें पैरों का ध्यान

अपने सहपाठियों से चर्चा करें कि हम अपने पैरों का ध्यान कैसे रख सकते हैं—

(क) नाखूनों को नियमित रूप से काटना।

(ख) ....

(ग) ....

(घ) ....

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 20 16-Apr-24 3:21:58 PM

भाषा की बात

'चार पैर वाले जीवों को चतुष्पाद कहते हैं।' चतुष्पाद का प्रचलित शब्द चौपाया है, जिसका अर्थ है— चार पैर वाला।

1. इसी प्रकार, चार की संख्या बताने वाले कुछ और शब्द खोजकर लिखिए—

2. नीचे दिए गए उदाहरण के अनुसार तालिका पूरी कीजिए—

एक	1	१
दो	2	....
तीन	....	३
....	4	४
पाँच	....	५
छह	6	....
....	7	७
आठ	....	८
....	9	....
दस	....	१०

© NCERT not to be republished

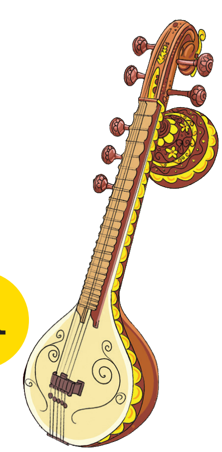

Unit 1 1 to 45.indd 21 09-Apr-24 12:47:08 PM

सोचिए और लिखिए

कल्पना कीजिए कि एक दिन किसी स्थान पर कनखजूरा, केंचुआ, चिड़िया और आप एक साथ मिलते हैं। कनखजूरा अपने पैरों की बात शुरू करता है। सोचकर लिखिए कि आप सब के बीच क्या-क्या बातें होंगी।

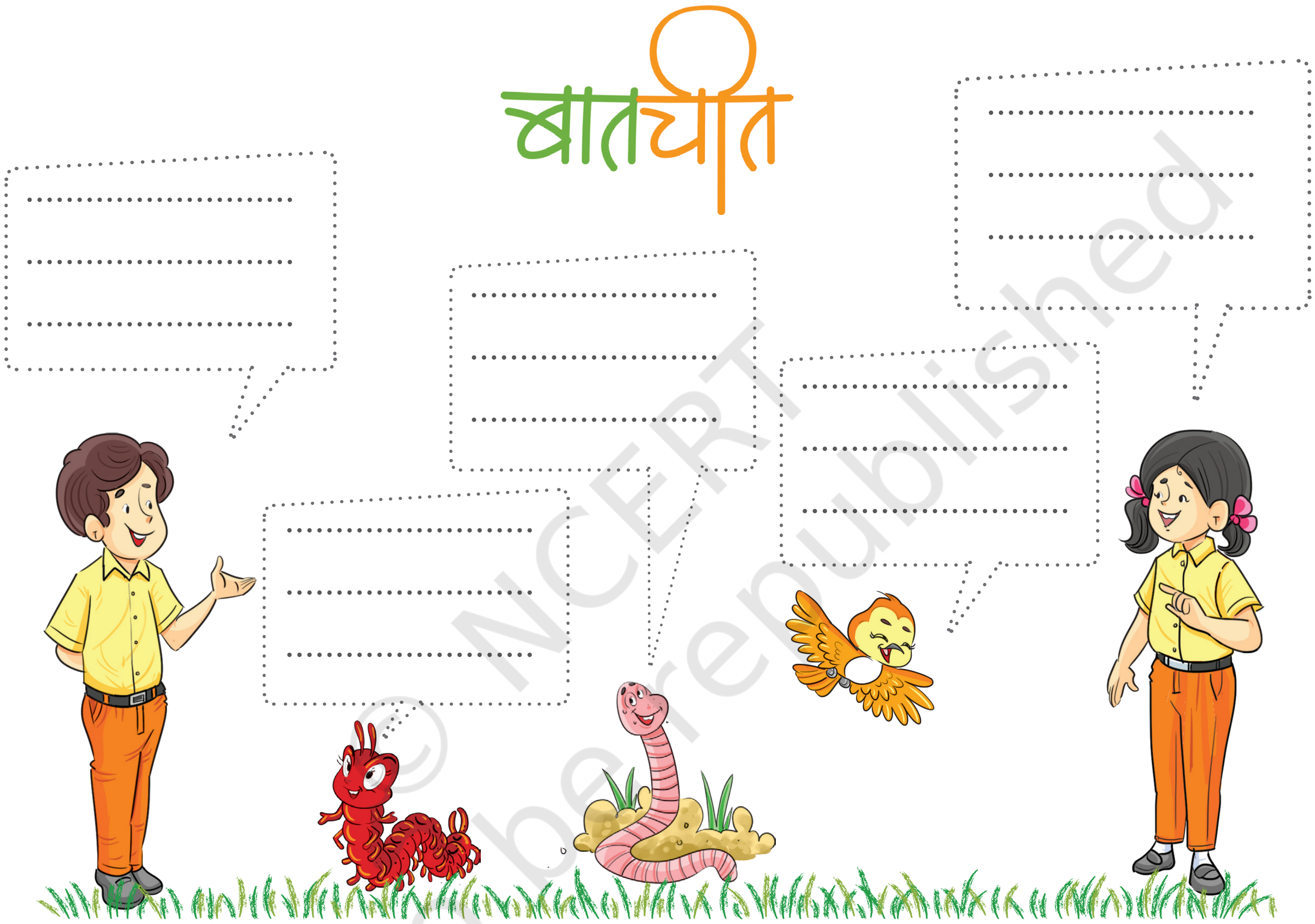

© NCERT not to be republished

पहेली से पहले

1. आपने देखा कि एक खेत में कुछ भैंसें चर रही हैं। आपने गिना तो उनके कुल मिलाकर बत्तीस (३२) पैर निकले। बताइए कितनी भैंसें हैं?

Unit 1 1 to 45.indd 22 09-Apr-24 12:47:10 PM

2. आपने देखा कि एक स्थान पर कई मकड़ियाँ चल रही हैं। आपने गिनकर देखा तो फिर से कुल बत्तीस (३२) पैर निकले। बताइए कितनी मकड़ियाँ हैं?

3. अब, एक और स्थान पर आपने देखा कि कई चींटियाँ और मकड़ियाँ चल रही हैं। आपने गिनकर देखा कि उनके कुल मिलाकर चौंतीस (३४) पैर हैं। बताइए कितनी चींटियाँ और कितनी मकड़ियाँ हैं?

बूझो तो जानें

लालटेन ले पंखों में,
उड़े अँधेरी रात में।
जलती बाती बिना तेल के,
ठंड और बरसात में।

तीतर के दो आगे तीतर, तीतर के दो पीछे तीतर
आगे तीतर, पीछे तीतर, बोलो कितने तीतर?

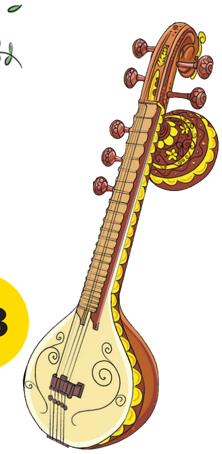

© NCERT not to be republished

(पढ़ने के लिए)

दोस्त के जूते

मेंढक जूते बनाता था। एक दिन उसकी दुकान के सामने से एक काला चींटा निकला। चींटे के पास गुड़ की डली थी। मेंढक ने चींटे से कहा, "थोड़ा गुड़ दे दो। मच्छर खाते-खाते ऊब गया हूँ।" चींटा बोला, "अगर तुम मेरे दोस्त के लिए जूते बना दो तो आधा गुड़ तुम्हारा।"

मेंढक ने सोचा, गुड़ के बदले छह जूते बनाना अच्छा सौदा है। उसने हामी भर ली। चींटे ने आधा गुड़ मेंढक को दे दिया। अगले दिन चींटा अपने दोस्त के जूतों का नाप देने मेंढक के पास पहुँचा।

चींटे का दोस्त कनखजूरा था।

– चंदन यादव

(इकतारा ट्रस्ट की पत्रिका 'प्लूटो' से साभार)

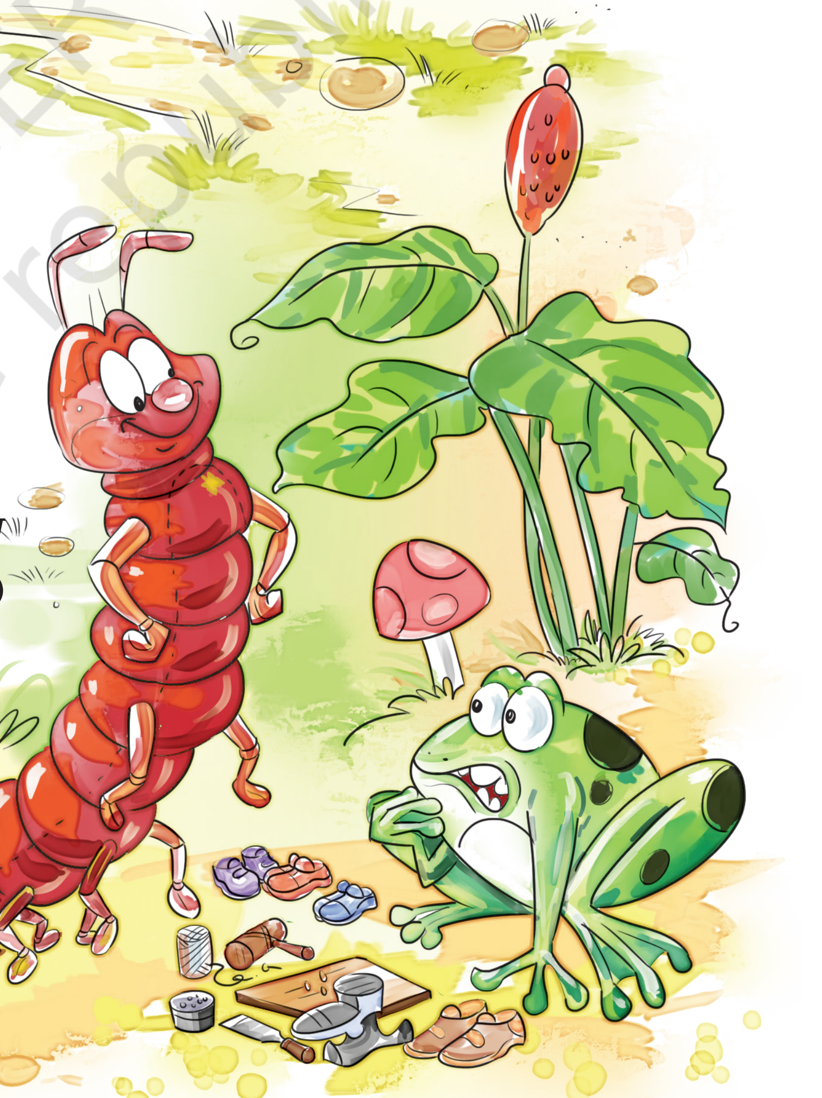

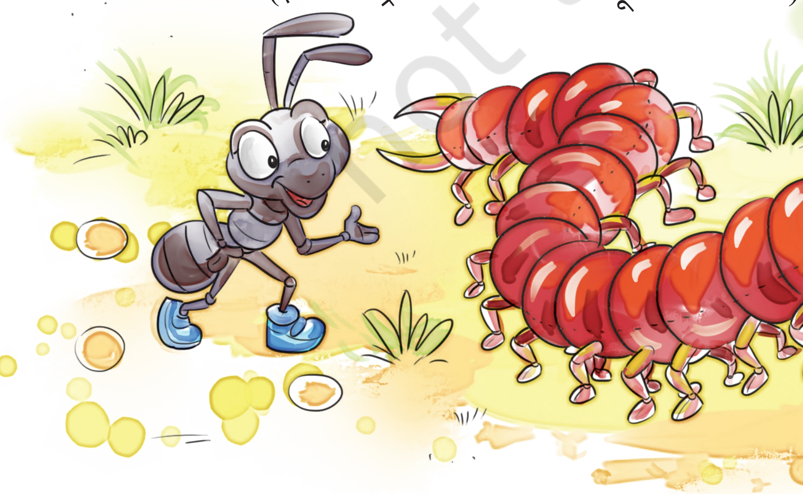

© NCERT not to be republished

4

बया हमारी चिड़िया रानी!

आनंदमयी कविता

बया हमारी चिड़िया रानी!
तिनके लाकर महल बनाती,
ऊँची डाली पर लटकाती,
खेतों से फिर दाना लाती,
नदियों से भर लाती पानी।

तुझको दूर न जाने देंगे,
दानों से आँगन भर देंगे,
और हौज में भर देंगे हम,
मीठा-मीठा ठंडा पानी।

फिर अंडे सेयेगी तू जब,
निकलेंगे नन्हें बच्चे तब,
हम आकर बारी-बारी से,
कर लेंगे उनकी निगरानी।

फिर जब उनके पर निकलेंगे,
उड़ जाएँगे बया बनेंगे,
हम तब तेरे पास रहेंगे,
तू मत रोना चिड़िया रानी।

– महादेवी वर्मा

© NCERT not to be republished

बातचीत के लिए

1. चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है?

2. यह किस पक्षी का घोंसला है?
3. आपके अनुसार घोंसले में बैठी बया क्या सोच रही होगी?
4. चिड़िया अपना घर बनाने के लिए तिनके कहाँ से लाती होगी?
5. आपने किन-किन पक्षियों के घोंसले देखे हैं?

सोचिए और लिखिए

1. बया रानी अपना घर तिनकों से बनाती है। हम अपना घर बनाते समय किन-किन वस्तुओं का उपयोग करते हैं? सोचकर लिखिए—

....

....

....

....

© NCERT not to be republished

2. **पढ़िए, समझिए और रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए—**

बया के काम	आपके काम
दाना लाना	स्कूल के लिए तैयार होना
....	....
....	....
....	....

शब्दों का खेल

1. **नीचे दिए गए शब्दों को उलटकर लिखिए और नए शब्दों का आनंद लीजिए—**

नदी	दीन	खीरा	....
बस	....	नीरा	....
दबा	....	रीना	....

2. **नीचे लिखे विपरीत अर्थ वाले शब्दों का मिलान कीजिए—**

दूर •	• नीची
ऊँची •	• निकट
रोना •	• गर्म
ठंडा •	• हँसना

© NCERT not to be republished

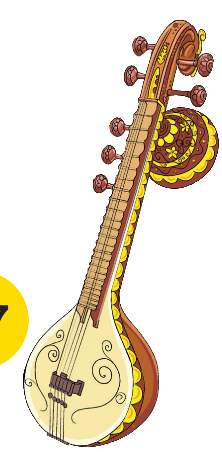

3. **नीचे दिए गए शब्दों में से तुक मिलने वाले शब्दों को ढूँढ़कर लिखिए—**

रानी	लाती	आकर	कहेंगे	जब	तिनके
तब	बनाती	रहेंगे	लाकर	पानी	जिनके

(क) ....रानी.......... – ....पानी..........

(ख) .... – ....

(ग) .... – ....

(घ) .... – ....

(ङ) .... – ....

4. **कविता को पढ़कर पंक्तियाँ पूरी कीजिए—**

(क) तिनके लाकर ....
....
.... लटकाती।

(ख) तुझको दूर ....
....
.... भर देंगे।

5. **जब एक हो तो वह 'तिनका' कहलाता है और अनेक हों तो 'तिनके'। नीचे दिए गए एकवचन शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए—**

एकवचन		बहुवचन
(क) तिनका	–	..........तिनके..........
(ख) दाना	–	....
(ग) अंडा	–	....
(घ) बच्चा	–	....

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 28 09-Apr-24 12:47:17 PM

खेल-खेल में

1. कविता में आए शब्दों को खोजकर उन पर घेरा लगाइए—

दा	ना	सी	डा	ली	था	नि
पी	जी	खा	भू	ही	पे	ग
व	घी	ती	मै	ऊँ	शा	रा
चि	ठं	डा	क्षी	ची	पा	नी
ड़ि	हौ	ज	धों	थे	वी	अं
या	ति	न	का	जा	खे	डा

2. पाठ में बया रानी नदियों से पानी लाती है। वह नदियों के अतिरिक्त कहाँ-कहाँ से पानी लाती होगी? रिक्त स्थानों में लिखिए—

पाठ में आया शब्द	पाठ के अतिरिक्त
नदी	.........................., ..., ..., ..., ...

3. अपनी मनपसंद चिड़िया का चित्र बनाइए और उसमें रंग भरिए—

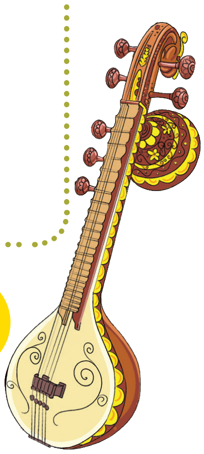

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 29 09-Apr-24 12:47:17 PM

4. आओ बया के लिए घर बनाएँ—

केतकी बया के लिए घर बना रही है। क्रम से बताइए कि उसे क्या पहले करना चाहिए और क्या बाद में—

(क) केतकी ने बया के लिए बनाए घर पर रंग लीपा।

(ख) नन्ही चिड़िया केतकी के बनाए घर में चली गई।

(ग) केतकी ने चिड़िया के घर को अपने दादाजी की मदद से पेड़ की टहनी पर टाँग दिया।

(घ) केतकी ने सोचा कि उसे बया के लिए घर बनाना चाहिए।

(ङ) केतकी ने माँ से गत्ते, कील, कुछ कतरनें और कैंची माँगी।

(च) केतकी ने माँ की मदद से एक सुंदर-सा घर बनाया।

5. भूलभुलैया

चित्र में दी गई 'पक्षियों की भूलभुलैया' में घर ढूँढ़ने में चिड़िया के बच्चों की सहायता कीजिए।

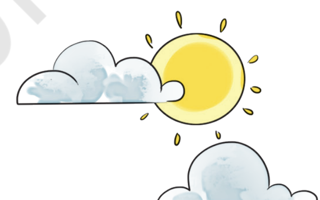

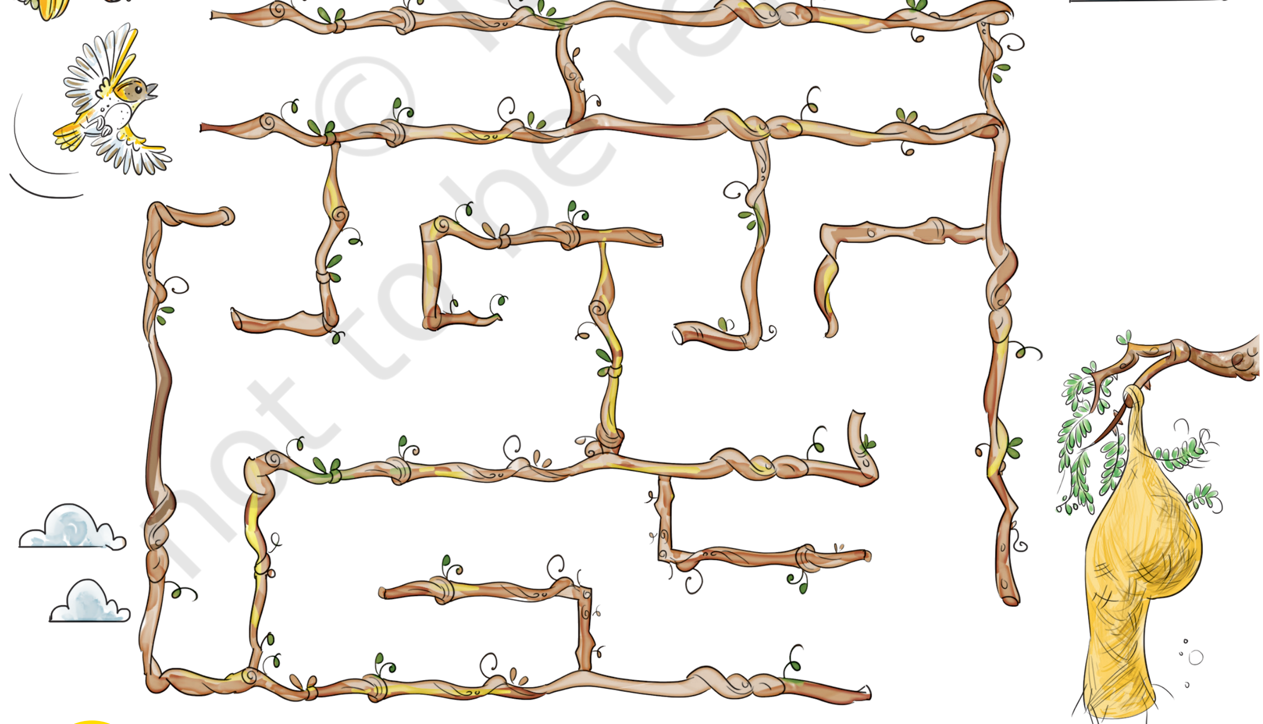

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 30 16-Apr-24 3:23:55 PM

6. **नीचे दिए गए चित्र को देखकर बताइए कि बया और इस बच्ची के बीच क्या बातचीत हो रही होगी?**

आइए बनाएँ

आवश्यक सामग्री

पुराने समाचार पत्र या पुराने कैलेंडर, कैंची, गोंद, पुराने बटन, स्केच पेन, रंगीन कागज, गोल आकार के लिए एक चूड़ी।

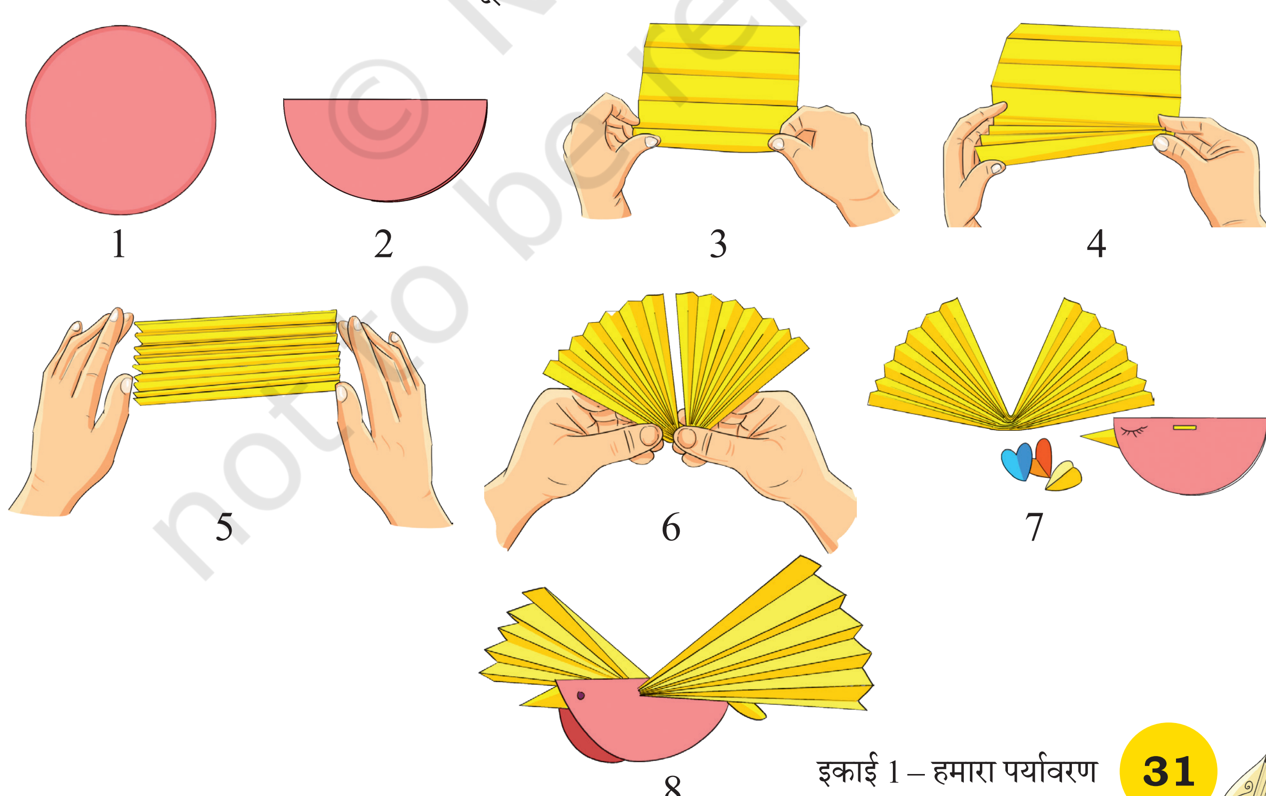

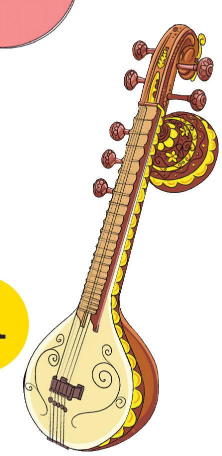

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 31 09-Apr-24 12:47:20 PM

बूझो तो जानें

हरे वस्त्र और लाल चोंच है,
रटना जिसका काम।
कुतर-कुतरकर फल खाता है,
लेता हरि का नाम।

कंठ सुरीला, रंग से काली,
सबके मन को भाती।
बैठ पेड़ की डाल पर,
जो सबको गीत सुनाती।

बड़े सवेरे घर की छत पर,
मिलता गाँव-गाँव।
काले रंग का पक्षी होता,
करता काँव-काँव।

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 32 09-Apr-24 12:47:22 PM

5 आम का पेड़

0331CH05

सुनें कहानी

गरमियों के दिन थे। सौरभ के चाचाजी ने अपने बगीचे के एक टोकरी आम भेजे। आम बहुत मीठे थे। सौरभ को आम बहुत अच्छे लगे। उसने सोचा– ऐसे ही आम मैं अपने बगीचे में लगाऊँगा।

उसने बगीचे में एक जगह थोड़ी मिट्टी खोदी। वहाँ आम की एक गुठली डाल दी। गुठली पर मिट्टी डालकर उसने थोड़ा पानी छिड़क दिया। वह प्रतिदिन सुबह वहाँ पानी डालता। कुछ दिन बीत गए। आम का पौधा नहीं निकला। उसने पानी डालना बंद कर दिया।

© NCERT not to be republished

एक दिन हलकी-हलकी वर्षा हो रही थी। सौरभ घूमता हुआ बगीचे में उसी जगह पर जा पहुँचा। सामने ही लाल-लाल कोंपलों वाला नन्हा-सा पौधा लगा था। पौधा देखते ही सौरभ प्रसन्न हो उठा। "पौधा निकल आया, पौधा निकल आया," कहते-कहते वह अंदर भागा। अपनी छोटी बहन प्रिया का हाथ पकड़कर उसे बगीचे में ले आया। पौधा देखकर प्रिया भी खुशी से उछल पड़ी।

सौरभ बोला, "यह पौधा मैंने लगाया है। यह आम का पौधा है। इसमें खूब मीठे आम लगेंगे।" दोनों भागे-भागे पिताजी के पास गए। पिताजी बोले, "क्या बात है? आज तुम दोनों बहुत प्रसन्न हो।" प्रिया बोली, "पिताजी, बगीचे में आम का पौधा निकल आया है। अगले वर्ष हम अपने ही पौधे के आम खाएँगे।" उसकी बात सुनकर पिताजी हँसे। वे प्यार से बोले,

Unit 1 1 to 45.indd 34 09-Apr-24 12:47:24 PM

"छोटे से पौधे को बड़ा होने में बहुत समय लगेगा। चार-पाँच वर्ष में यह एक बड़ा पेड़ बन जाएगा। इसका तना मोटा होगा। बड़ी-बड़ी शाखाएँ होंगी। तब इसमें आम लगेंगे।"

यह सुनकर प्रिया थोड़ी उदास हो गई। पर सौरभ तुरंत बोला, "कोई बात नहीं। हम पौधे की देखभाल करेंगे। एक दिन हम इसके फल अवश्य खाएँगे।"

Unit 1 1 to 45.indd 35 09-Apr-24 12:47:25 PM

बातचीत के लिए

1. आपको कौन-सा फल बहुत अच्छा लगता है? वह फल आपको क्यों पसंद है?
2. आपके घर या विद्यालय में कौन-से पेड़-पौधे लगे हैं? उनकी देखभाल कौन करता है?
3. चित्र में कुछ आम धरती पर गिरे पड़े हैं। आम पेड़ से नीचे क्यों गिर गए होंगे?
4. चित्र में दिखाए गए बच्चे और व्यक्ति आमों का क्या करेंगे?

सोचिए और लिखिए

1. सौरभ के चाचाजी ने सौरभ को किस मौसम में आम भेजे?
2. आम खाकर सौरभ के मन में क्या विचार आया?
3. सौरभ ने पानी डालना क्यों बंद कर दिया? क्या उसे ऐसा करना चाहिए था?
4. सौरभ और उसकी बहन क्यों प्रसन्न थे?
5. पिताजी ने आम के पौधे के बारे में सौरभ और उसकी बहन को कौन-सी बात बताई?

Unit 1 1 to 45.indd 36 09-Apr-24 12:47:26 PM

आपका अनुमान, किसने क्या कहा?

1. नीचे कहानी से जुड़े कुछ चित्र दिए गए हैं। चित्र में दिख रहे पात्र आपस में क्या बात कर रहे होंगे, अनुमान लगाकर लिखिए—

© NCERT not to be republished

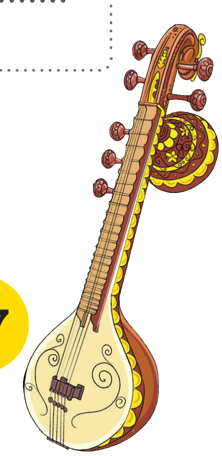

Unit 1 1 to 45.indd 37 09-Apr-24 12:47:27 PM

आइए पौधा लगाएँ

1. यहाँ बहुत-सी वस्तुओं के चित्र बने हैं। उन वस्तुओं पर घेरा बनाइए जो पौधा लगाने के काम आती हैं—

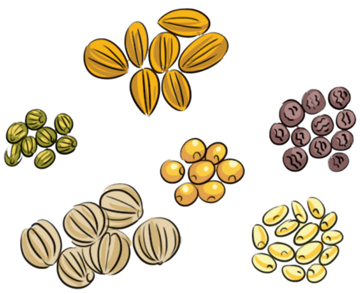
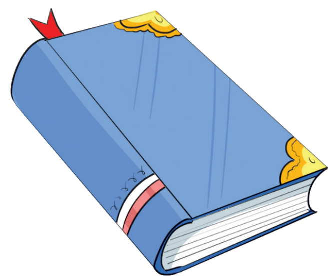

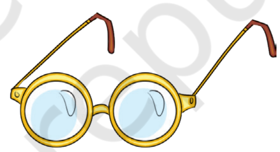

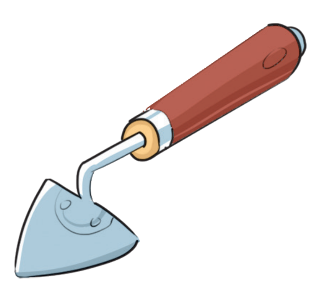

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 38 09-Apr-24 12:47:27 PM

गुठली की बुआई का क्रम

2. सौरभ आम की गुठली बो रहा है। क्रम से बताइए कि उसने पहले क्या किया होगा—

(क) धरती पर पानी डाला। ....

(ख) खुरपी से धरती में गड्ढा खोदा। ....

(ग) गुठली बोने के लिए अपनी माँ से सही स्थान का सुझाव माँगा। ....

(घ) माता-पिता से गुठली बोने की इच्छा बताई। ....

(ङ) बाल्टी में पानी लेकर आया। ....

(च) माताजी से गुठली बोने की जानकारी ली। ....

(छ) गड्ढे में गुठली डालकर उस पर मिट्टी डाली। ....

(ज) गड्ढे में खाद डाली। ....

सौरभ और प्रिया के बगीचे की सैर

3. आइए, सौरभ और प्रिया के बगीचे की सैर करते हैं। पता लगाते हैं कि वहाँ क्या-क्या है? चित्र देखकर पेड़ों को पहचानिए और उनके नाम लिखिए—

....

© NCERT not to be republished

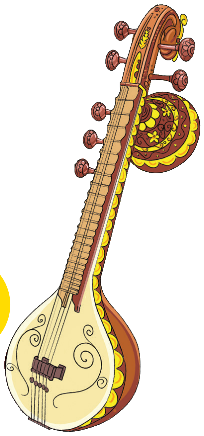

....

4. सौरभ और प्रिया ने फल, साग और अनाज के नामों की सूची बनाई है। आइए, सही टोकरी में सही वस्तु रखते हैं—

आम करेला गेहूँ सेब ककड़ी आलू बाजरा
मूली पपीता लौकी चावल लीची केला बैंगन
गाजर अनार मकई पालक

....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....

फल की टोकरी

अनाज की टोकरी

सब्जी की टोकरी

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 40 09-Apr-24 12:47:29 PM

5. मेरे विद्यालय में पेड़-पौधे

(क) आपके विद्यालय में कौन-कौन से पेड़-पौधे लगे हैं? पता लगाइए और उनकी सूची बनाइए।

....

....

....

(ख) विद्यालय के पेड़-पौधों की देखभाल के लिए आप और आपके सहपाठी क्या योगदान देते हैं, लिखिए—

....

....

....

भाषा की बात

1. कहानी के अनुसार विशेषता लिखिए—

मीठे	आम
नन्हा	पौधा
....	बहन
....	शाखाएँ
....	तना
....	कोंपलें

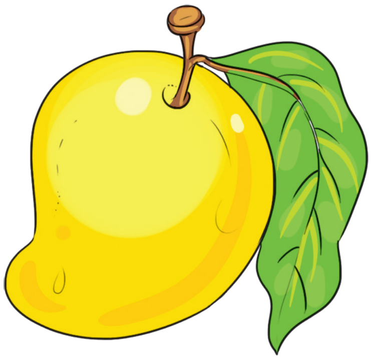

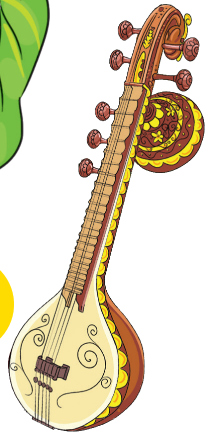

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 41 09-Apr-24 12:47:30 PM

2. कौन-सा पौधा लगाएँगे?

आप अपने बगीचे या गमले में कौन-सा पौधा लगाना चाहेंगे?

मैं अपने बगीचे या गमले में .... का पौधा लगाना चाहूँगी/चाहूँगा, क्योंकि ....

....

3. सौरभ ने आम की गुठली बोई। नीचे दी गई तालिका को पूरा कीजिए—

गुठली वाले फल	बिना गुठली वाले फल
आम	केला
....	....
....	....
....	....

4. काम और नाम वाले शब्द

कहानी में से काम और नाम वाले शब्द छाँटकर लिखिए—

काम वाले शब्द	नाम वाले शब्द
खोदना	चाचाजी
भेजना	सौरभ
....	....
....	....
....	....

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 42 09-Apr-24 12:47:30 PM

5. चाचाजी के प्रति सौरभ का आभार

सौरभ के चाचाजी ने उसके लिए मीठे-मीठे आम भेजे हैं। सौरभ उन्हें धन्यवाद कहना चाहता है। सौरभ को उन्हें क्या संदेश लिखना चाहिए—

आदरणीय चाचाजी ....

....

....

खेल-खेल में

नीचे दिए गए भूलभुलैया के खेल में एक फल को दूसरे फल से मिलाते हुए भूलभुलैया से बाहर निकलने में प्रिया की सहायता कीजिए—

सेब	भिंडी	केला	तोरी	नीबू
तरबूज	आम	पपीता	खरबूजा	आलू
पेठा	करेला	घीया	अनार	कद्दू
शिमला मिर्च	अरबी	बैंगन	आलूबुखारा	अनानास
कटहल	हरी मिर्च	लहसुन	अदरक	अंगूर

© NCERT not to be republished

कला की कलाकारियाँ

1. नीचे दिया गया पेड़ का चित्र हाथ की छाप और उँगलियों की सहायता से बनाया गया है। आप भी अपने हाथ की छाप और उँगलियों की सहायता से ऐसा एक पेड़ बनाने का प्रयास कीजिए।

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 44 09-Apr-24 12:47:31 PM

खोजें-जानें

1. आम के प्रकार

आपने आम के विभिन्न प्रकार के नाम सुने होंगे, जैसे– दशहरी, सिंदूरी, चौसा आदि। घर के बड़ों से पूछकर कुछ और नाम पता करके लिखिए—

....

....

....

बूझो तो जानें

लाल-लाल डिबिया के अंदर,
छोटे-छोटे पीले खाने।
इन खानों के भीतर हैं,
सफेद लाल मोती के दाने।

ऊपर से तो है हरा,
अंदर से है लाल।
उतना मीठा रस भरा,
जितनी मोटी खाल।

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 45 09-Apr-24 12:47:32 PM

6

0331CH06

बीरबल की खिचड़ी

सुनें कहानी

अकबर के दरबार में अनेक विद्वान् थे। बीरबल उन्हीं में से एक थे। वे अपनी चतुराई के लिए बड़े प्रसिद्ध थे। अपनी चतुराई से वे बादशाह को भी हरा देते थे। अकबर और बीरबल के बारे में अनेक कहानियाँ प्रसिद्ध हैं। लोग उन्हें बड़े चाव से सुनते-सुनाते हैं।

एक बार की बात है। अकबर किसी गाँव से होकर जा रहे थे। सर्दी के दिन थे। गाँव के लोग आग जलाकर, उसके चारों ओर बैठे बातें कर रहे थे। जब बादशाह अपने साथियों के साथ वहाँ पहुँचे तो एक व्यक्ति कह

© NCERT not to be republished

रहा था कि मैं यमुना के पानी में रातभर खड़ा रह सकता हूँ।

अकबर को इस बात का विश्वास नहीं हुआ। उन्होंने उस व्यक्ति से कहा कि यदि तुम सारी रात पानी में खड़े रहो तो मैं तुम्हें थैलीभर मोहरें इनाम में दूँगा। वह मान गया।

अगली रात वह व्यक्ति यमुना के ठंडे जल में पूरी रात खड़ा रहा। प्रातः वह बादशाह के दरबार में आया।

बादशाह ने आश्चर्य से पूछा, "तुम इतनी सर्दी में सारी रात पानी में कैसे खड़े रहे?"

उसने नम्रता से उत्तर दिया, "महाराज, आपके राजमहल से दीपक का प्रकाश आ रहा था। मैं उसे देखते हुए सारी रात पानी में खड़ा रहा।"

बादशाह ने कहा, "तो तुम मेरे दीपक की गरमी के कारण ही सर्दी से बच सके। तुम्हें कोई इनाम नहीं दिया जाएगा।"

वह बहुत दुखी हुआ और उदास होकर चला गया। उस समय बीरबल भी दरबार में उपस्थित थे। उन्होंने सोचा इस दुखी व्यक्ति की सहायता करनी चाहिए।

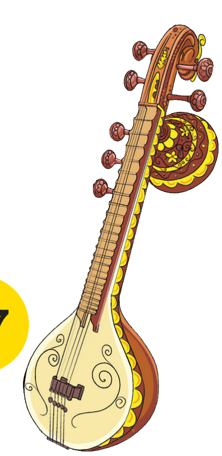

© NCERT not to be republished

दूसरे दिन बीरबल दरबार में नहीं आए। अकबर को चिंता हुई कि कहीं बीरबल बीमार तो नहीं पड़ गए। उन्होंने बीरबल को बुलावा भेजा। बीरबल ने कहलवाया कि मैं खिचड़ी पका रहा हूँ, पक जाने पर दरबार में उपस्थित हो जाऊँगा।

अगले दिन बीरबल को फिर दरबार में न देखकर बादशाह ने कुछ सोचा। फिर वे बोले, "चलो, स्वयं ही चलकर देखें कि बीरबल कैसी खिचड़ी पका रहे हैं।"

जब बादशाह बीरबल के यहाँ पहुँचे तो उन्होंने देखा कि एक बहुत लंबे बाँस के ऊपरी सिरे पर एक हाँडी लटकी हुई है। हाँडी से बहुत नीचे भूमि पर बहुत थोड़ी-सी आग जल रही है। बादशाह ने हैरानी से पूछा, "बीरबल! भला यह खिचड़ी कैसे पक सकती है? हाँडी तो आग से बहुत दूर है।"

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 48 09-Apr-24 12:28:53 PM

बीरबल ने उत्तर दिया, "हुज़ूर अगर वह व्यक्ति राजमहल के दीपक की गरमी के सहारे सारी रात ठंडे पानी में खड़ा रह सकता है तो इस आग से मेरी खिचड़ी क्यों नहीं पक सकती?"

अकबर को बात समझ में आ गई। उन्होंने दूसरे दिन उस व्यक्ति को दरबार में बुलाया और बड़े सम्मान के साथ उसे मोहरों की थैली भेंट कर दी।

बातचीत के लिए

1. आप सर्दी को कम करने के लिए क्या-क्या उपाय करते हैं?
2. अपने द्वारा किए गए सबसे कठिन काम का अनुभव बताइए।
3. आपके अनुसार पकाने के लिए बर्तन से आग कितनी दूर होनी चाहिए?
4. क्या आपने कभी खिचड़ी खाई है? क्या आपको पता है कि इसे कैसे बनाया जाता है?

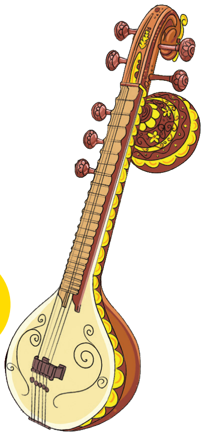

Unit 2 46 to 79.indd 49 09-Apr-24 12:28:54 PM

सोचिए और लिखिए

1. बीरबल किसलिए प्रसिद्ध थे?
2. वह व्यक्ति पूरी रात पानी में कैसे खड़ा रहा?
3. बादशाह को उस व्यक्ति की बात पर क्यों आश्चर्य हुआ?
4. बादशाह ने अगले दिन उस व्यक्ति को इनाम क्यों नहीं दिया?
5. बीरबल ने उस व्यक्ति की सहायता कैसे की?

भाषा की बात

1. पढ़िए, समझिए और चिह्नित शब्दों के विपरीत शब्द लिखिए।

जब बादशाह बीरबल के यहाँ पहुँचे तो उन्होंने देखा कि एक लंबे बाँस के ऊपरी सिरे पर एक हाँडी लटकी हुई है। हाँडी से बहुत नीचे भूमि पर बहुत थोड़ी-सी आग जल रही है। बादशाह ने हैरानी से पूछा, "बीरबल! भला यह खिचड़ी कैसे पक सकती है? हाँडी तो आग से बहुत दूर है।"

उदाहरण – लंबे – छोटे

.... – .... , ... – ....

.... – .... , ... – ....

2. वाक्य को सही करके लिखिए—

उदाहरण – अकबर के दरबार अनेक विद्वान् थे।

अकबर के दरबार **में** अनेक विद्वान् थे।

(क) अकबर और बीरबल के बारे अनेक कहानियाँ प्रसिद्ध हैं।

....

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 50 09-Apr-24 12:28:55 PM

(ख) गाँव लोग आग जलाकर, उसके चारों और बैठे बातें कर रहे थे।

....

(ग) उन्होंने सोचा इस दुखी व्यक्ति सहायता करनी चाहिए।

....

(घ) बीरबल कहलवाया कि मैं खिचड़ी पका रहा हूँ, पक जाने पर दरबार में उपस्थित हो जाऊँगा।

....

3. वर्ग पहेली में खाने की वस्तुएँ ढूँढ़कर उन पर घेरा लगाइए—

व	ड़ा	इ	छा	छ	सां
दो	सा	ड	ढा	बा	भ
खा	ना	ली	छो	ले	र
रा	ज	मा	चा	व	ल
दा	ल	बा	टी	क	ढ़ी
पा	य	स	चू	र	मा

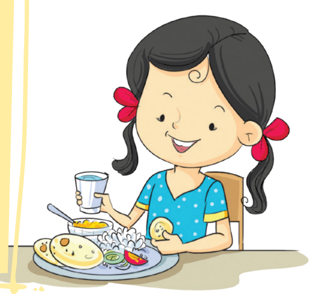

कहानी की बात

वाक्य	किसने कहा	किससे कहा
"तुम इतनी सर्दी में सारी रात पानी में कैसे खड़े रहे?"	....	....
"चलो, स्वयं ही चलकर देखें कि बीरबल कैसी खिचड़ी पका रहे हैं?"	....	....

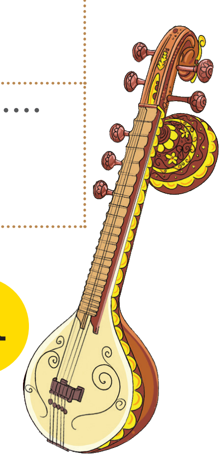

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 51 16-Apr-24 3:25:17 PM

जीवों एवं वस्तुओं की विशेषताएँ

ध्यानपूर्वक पढ़िए व समझिए—

(क) लंगूर की पूँछ लंबी है।

(ख) वह लाल गुलाब है।

(ग) चिड़िया छोटी है।

(घ) बस का आकार बड़ा है।

1. ऊपर दिए गए वाक्यों को आपने भली प्रकार समझ लिया है। अब दिए गए वाक्यों में विशेषता बताने वाले शब्द भरिए—

मीठा   साहसी   अच्छा   हरी   लंबा

(क) पीहू एक .... लड़की है।

(ख) गौरव अपने साथियों में सबसे .... है।

(ग) पेड़ की पत्तियाँ .... हैं।

(घ) अदम्य एक .... लड़का है।

(ङ) आम बहुत .... है।

© NCERT not to be republished

2. नीचे लिखे शब्दों में से जो सही शब्द हैं, उनमें रंग भरिए—

(क) सूबह | सुबह

(ख) वर्षा | वरसा

(ग) सवेरा | सुवेरा

(घ) सुझ-भूझ | सूझ-बूझ

© NCERT not to be republished

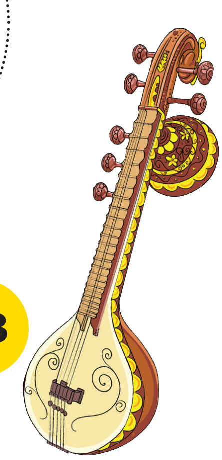

Unit 2 46 to 79.indd 53 09-Apr-24 12:28:57 PM

आइए कुछ बनाएँ

1. आइए, आज एक स्वादिष्ट व्यंजन बनाते हैं, जिसका नाम है—चटपटी भेलपूरी।

इसके लिए आपको जो सामग्री चाहिए, वह है—

- मुरमुरे (एक कटोरी)
- बारीक कटा प्याज (एक छोटा)
- बारीक कटा टमाटर (एक छोटा)
- बारीक कटा खीरा (छोटा टुकड़ा)
- बारीक कटी हरी मिर्च (आधी)
- नीबू का रस (आधा)
- नमक (स्वाद के अनुसार)
- चाट मसाला (छोटा आधा चम्मच)
- अमचूर (एक चुटकी)
- धनिया पत्ती (सजावट के लिए)

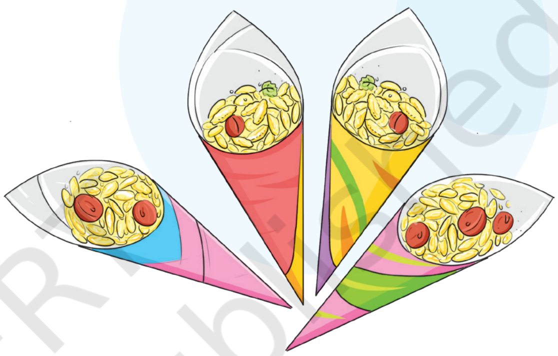

इनको मिलाइए और चटपटी भेलपूरी बाँटकर आनंद से खाइए।

© NCERT not to be republished

पता कीजिए

1. इस कहानी में यमुना नदी का जिक्र किया गया है। भारत की कुछ और नदियों के बारे में पता कीजिए और नाम लिखिए—

......यमुना......	......गंगा......
....	....
....	....
....	....

Unit 2 46 to 79.indd 54 09-Apr-24 12:29:00 PM

झटपट कहिए

चार छाते छाते चार
चारों चक्कर खाएँ
चार चार के आठ
आठ के चार
चक्कर खाएँ चारम चार

आइए सुनें कहानी

बीरबल की तरह एक और विद्वान् तेनालीराम भी अपनी चतुराई के लिए बहुत प्रसिद्ध थे। उनके बारे में पता कीजिए और उनके किस्से पढ़कर कक्षा में अपने साथियों को सुनाइए।

© NCERT not to be republished

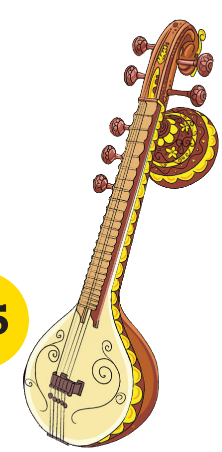

Unit 2 46 to 79.indd 55 09-Apr-24 12:29:00 PM

7 मित्र को पत्र

0331CH07

प्रिय मित्र अभिषेक,

नमस्ते!

आशा है कि तुम और परिवार में सभी सकुशल होंगे और गरमी की छुट्टियों का आनंद ले रहे होंगे।

मैं अपनी छुट्टियाँ मनाने अपने नाना-नानी के घर गुवाहाटी आया हुआ हूँ। गुवाहाटी भारत के पूर्वोत्तर प्रदेशों का प्रवेश-द्वार है। यह एक बहुत सुंदर और विशाल महानगर है जो ब्रह्मपुत्र नदी के तट पर स्थित है।

तुम्हें यह जानकार आश्चर्य होगा कि ब्रह्मपुत्र इतनी विशाल नदी है कि इसमें माजुली नाम का एक बहुत बड़ा द्वीप भी है। यह नदी में स्थित भारत का सबसे बड़ा द्वीप है। माजुली में असम के विश्वप्रसिद्ध वैष्णव मठ 'सत्र' में हमने सत्रिया नृत्य देखा। यह भारत के शास्त्रीय नृत्यों में से एक है।

गुवाहाटी नगर के समीप नीलांचल पर्वत पर कामाख्या देवी का मंदिर स्थित है। यहाँ पूरे भारत से श्रद्धालु दर्शन करने

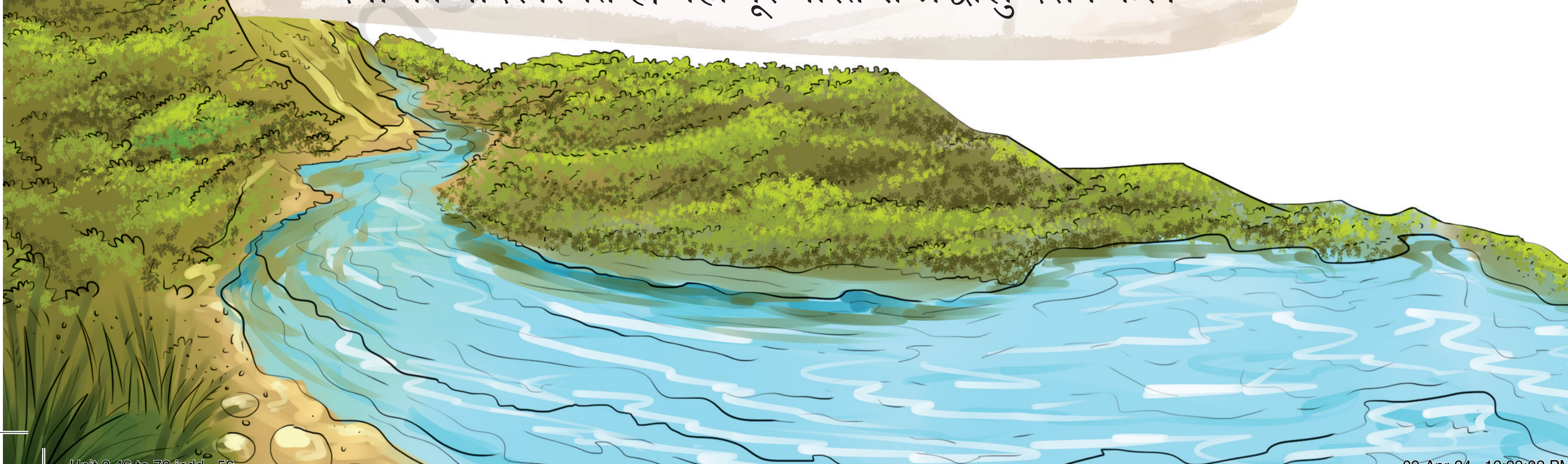

© NCERT not to be republished

के लिए आते हैं। हम लोग पिछले गुरुवार को वहाँ दर्शन करने गए थे। हम उमानंद मंदिर भी गए थे। यहाँ पहुँचने के लिए नाव से जाना पड़ता है और थोड़ा पैदल भी चलना पड़ता है।

पैदल चलते हुए नानी ने मुझे बताया कि स्वस्थ रहने के लिए खेलना बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ तन में ही स्वस्थ मन रहता है। इसलिए पढ़ाई के साथ-साथ खेल-कूद भी बहुत आवश्यक है। मैंने नानी को तुरंत बताया कि मैं तो अपने मित्रों के साथ बहुत सारे खेल खेलता हूँ। हम लोग कितने आनंद से खो-खो, पिट्ठू, क्रिकेट और फुटबॉल खेलते हैं। खेल की बात सोचते ही मुझे तुम्हारी याद आने लगी।

मैं तुम्हें यहाँ के बहुत सारे अनुभव सुनाना चाहता हूँ। जल्द ही लौटूँगा।

शेष शुभ है। बड़ों को प्रणाम।

तुम्हारा मित्र
रूपम

© NCERT not to be republished

शिक्षण-संकेत – असम का कामाख्या देवी का मंदिर एक महत्वपूर्ण शक्तिपीठ है। असम में पैदा हुए संत शंकरदेव भारत के महापुरुषों में से एक हैं। पाठ को पढ़ाते हुए अध्यापक विद्यार्थियों से इनके संबंध में विस्तार से बताएँ।

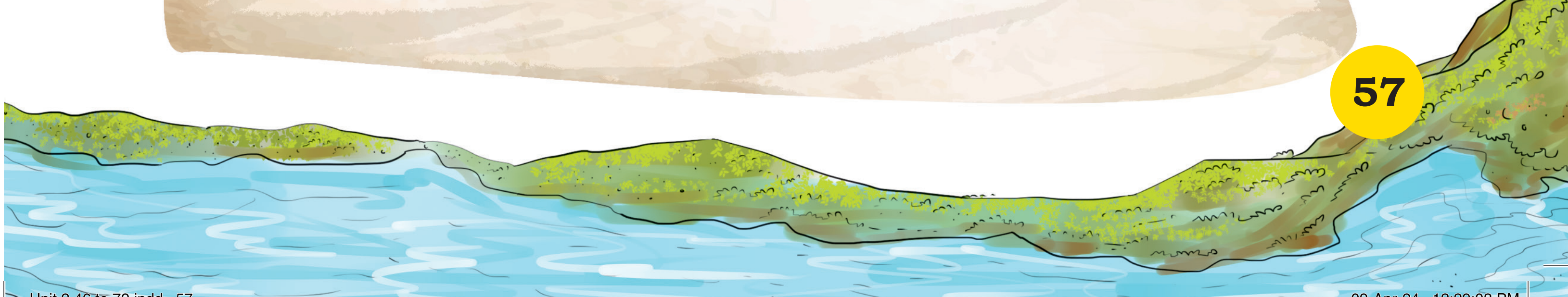

बातचीत के लिए

1. रूपम ने किसे पत्र लिखा और उसमें क्या लिखा है?
2. पत्र के अनुसार रूपम अपनी गरमी की छुट्टियाँ बिताने कहाँ गया हुआ है?
3. आप अपनी गरमी की छुट्टियाँ बिताने कहाँ गए थे? बताइए।
4. शारीरिक श्रम के बारे में रूपम की नानीजी ने उसे क्या सलाह दी?

सोचिए और लिखिए

1. इस पत्र से गुवाहाटी नगर के बारे में आपको क्या-क्या जानकारी मिली?
2. शारीरिक श्रम करना क्यों आवश्यक है? क्या आप प्रतिदिन कोई शारीरिक श्रम करते हैं?
3. पत्र के अनुसार रूपम और अभिषेक कौन-कौन से खेल खेलते हैं?
4. आपको कौन-कौन से खेल खेलना पसंद हैं? सूची बनाइए और लिखिए।

भाषा की बात

1. आपने जो पत्र पढ़ा, उसमें कुछ खेलों के नाम आए हैं। आप और भी अन्य खेलों के नाम जानते और उन्हें खेलते होंगे। नीचे दी गई वर्ग पहेली में कुछ खेलों के नाम ढूँढ़िए और लिखिए—

का	क्रि	वॉ	रा	पि	जा
गु	के	ली	नी	ट्	कि
फु	ट	बॉ	ल	ठू	ब
डा	हु	ल	खो	हॉ	की
बु	या	य	खो	न	त
ओ	गि	ल्	ली	डं	डा

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 58 09-Apr-24 12:29:05 PM

....

....

2. क्या आपके घर अथवा विद्यालय में कोई अन्य खेल भी खेले जाते हैं? उनके नाम नीचे लिखिए—

....

....

3. पत्र में 'त्र' तथा 'श्र' संयुक्त अक्षरों का प्रयोग हुआ है।

- 'त्र' संयुक्त अक्षर त् और र के मेल से बनता है।
- 'श्र' संयुक्त अक्षर श् और र के मेल से बनता है।

अब आप पत्र में 'त्र' तथा 'श्र' संयुक्त अक्षरों के प्रयोग से बने शब्दों को ढूँढ़कर नीचे लिखिए। आप अपनी सोच से भी 'त्र' तथा 'श्र' संयुक्त अक्षरों के प्रयोग से बने नए शब्द लिख सकते हैं।

'त्र' वाले शब्द	'श्र' वाले शब्द
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

© NCERT not to be republished

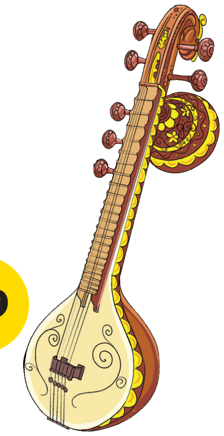

Unit 2 46 to 79.indd 59 09-Apr-24 12:29:05 PM

4. शब्द लड़ी बनाइए— जैसे 'घर' में अंतिम वर्ण 'र' है तो अगली कड़ी में 'र' से 'रस्सी' लिखा है। अब आप इस शब्द लड़ी को पूरा कीजिए।

घर

रस्सी

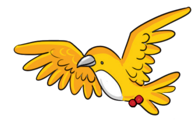

5. पत्र में आए निम्नलिखित शब्दों में से नाम वाले शब्द (संज्ञा) ढूँढ़कर उनमें अपनी पसंद का रंग भरिए।

उदाहरण – नगर, पर्वत, रूपम आदि।

मैं	नानी	अभिषेक	बड़ा
ब्रह्मपुत्र	भारत	देखा	नीलांचल
खेलना	पिट्ठू	गुवाहाटी	हम

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 60 09-Apr-24 12:29:05 PM

थोड़ा और जानिए

1. भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में आठ प्रदेश हैं। ये अपनी प्राकृतिक सुंदरता और विविध परंपराओं हेतु प्रसिद्ध हैं। ये आठ प्रदेश हैं—

असम

मेघालय

मणिपुर

सिक्किम

मिजोरम

अरुणाचल प्रदेश

नागालैंड

त्रिपुरा

कक्षा में अपने सहपाठियों और शिक्षक के साथ पूर्वोत्तर प्रदेशों पर चर्चा कीजिए।

2. इस पत्र में आपने गुवाहाटी स्थित दो मंदिरों के बारे में पढ़ा है—

उमानंद मंदिर

कामाख्या देवी मंदिर

आपके राज्य में भी कुछ प्रमुख धार्मिक स्थल होंगे। ऐसे स्थानों के बारे में अपने घर के सदस्यों से जानकारी प्राप्त कीजिए और कक्षा में सबको बताइए।

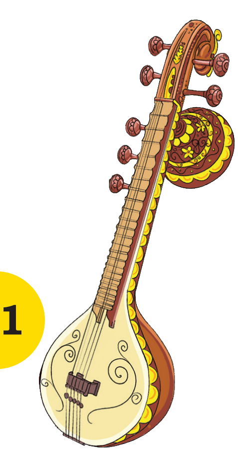

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 61 09-Apr-24 12:29:08 PM

खेल गीत

समूह में खेले जाने वाले बहुत से खेलों के साथ सामूहिक रूप से गीत या तुकबंदियाँ गाई जाती हैं, जैसे कि 'हरा समंदर गोपी चंदर'। ऐसे ही कोई दो गीत गाइए और लिखिए—

....

....

....

....

इन्हें भी जानिए

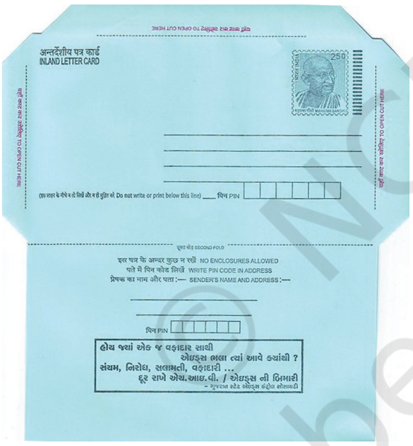

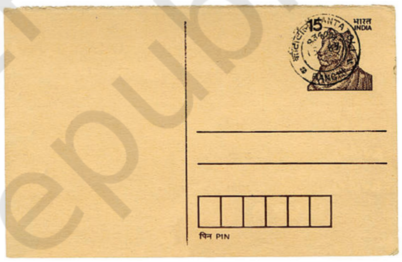

शिक्षण-संकेत – विद्यार्थियों से अंतर्देशीय पत्र, पोस्टकार्ड, डाक टिकट, लिफाफे आदि के बारे में बातचीत कीजिए। उन्हें बताइए कि पहले इनका कितना अधिक उपयोग किया जाता था। विद्यार्थियों को भी इनके उपयोग के लिए प्रोत्साहित कीजिए।

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 62 09-Apr-24 12:29:10 PM

८

0331CH08

चतुर गीदड़

एकांकी

(पहला दृश्य)

(स्थान – तालाब का किनारा)

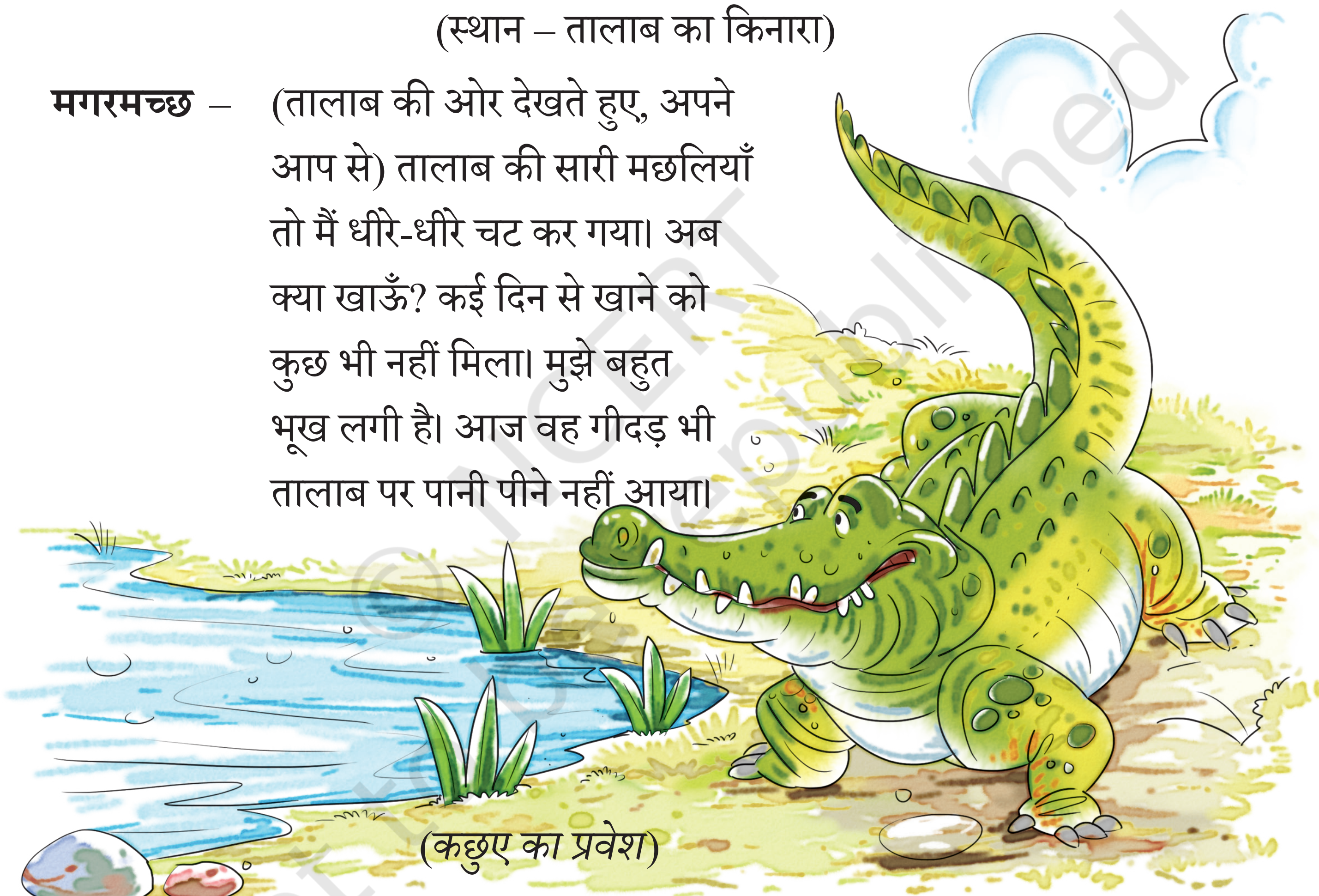

मगरमच्छ – (तालाब की ओर देखते हुए, अपने आप से) तालाब की सारी मछलियाँ तो मैं धीरे-धीरे चट कर गया। अब क्या खाऊँ? कई दिन से खाने को कुछ भी नहीं मिला। मुझे बहुत भूख लगी है। आज वह गीदड़ भी तालाब पर पानी पीने नहीं आया।

(कछुए का प्रवेश)

कछुआ – कहो भाई मगरमच्छ, क्या हाल है? सब ठीक तो है? इतने उदास क्यों हो?

मगरमच्छ – क्या बताऊँ मित्र। भूख के मारे मेरे प्राण निकल रहे हैं।

कछुआ – क्यों, क्या आज खाने के लिए मछलियाँ नहीं मिलीं?

© NCERT not to be republished

मगरमच्छ – मछलियाँ तो कब की समाप्त हो चुकीं। सोचा था कि गीदड़ मिलता तो आज का काम चलता। पर वह तो ऐसा चतुर है कि पकड़ में ही नहीं आता।

कछुआ – हाँ, गीदड़ को पकड़ना तो बहुत कठिन है।

मगरमच्छ – मित्र! कोई ऐसा उपाय करो कि वह पकड़ में आ जाए। उसे खाकर आज मैं अपनी भूख मिटा लूँगा। मैं तुम्हारा बहुत उपकार मानूँगा।

कछुआ – अच्छा! तुम कहते हो तो चला जाता हूँ। किसी तरह गीदड़ को इधर लाने का प्रयत्न करता हूँ। (कुछ सोचकर) लेकिन इसके पहले तुम एक काम करो। (कान में कुछ कहता है।)

मगरमच्छ – ठीक है, ठीक है। मैं ऐसा ही करूँगा।

(दूसरा दृश्य)

(एक ओर मगरमच्छ साँस रोके मरा हुआ सा पड़ा है और कछुआ पास खड़ा है।)

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 64 09-Apr-24 12:29:13 PM

कछुआ – (दूर से गीदड़ को आते हुए देखकर) हाय! अब मैं क्या करूँ! मेरे प्यारे मित्र को न जाने क्या हो गया! अचानक उसके प्राण निकल गए। अब तो मैं बिलकुल अकेला रह गया।

(गीदड़ का प्रवेश)

गीदड़ – क्या है भाई कछुए? क्यों रो रहे हो?

कछुआ – मेरा प्यारा मित्र मगरमच्छ स्वर्ग सिधार गया। अब दुनिया में मेरा कोई नहीं रहा।

गीदड़ – क्या कहा? मगरमच्छ मर गया? (अपने आप से) अब तो मैं निश्चिंत होकर तालाब का पानी पी सकता हूँ। उसके डर से मैं कई बार प्यासा ही रह जाता था।

कछुआ – क्या कहा, क्या कहा?

गीदड़ – नहीं, कुछ नहीं, कुछ नहीं, यह तो बड़े दुख की बात है। मैं तुम्हारी क्या सहायता कर सकता हूँ?

© NCERT not to be republished

कछुआ – आओ, उस पर कुछ सूखे पत्ते डालकर उसे ढाँप दें। देखो, मरा पड़ा है।

गीदड़ – (डरते-डरते कुछ पास जाकर, धीमे स्वर से) अरे, यह तो बिलकुल शांत है। नहीं, नहीं (ऊँचे स्वर में) यह तो साँस ले रहा है। भाई कछुए! क्या यह सचमुच मर गया है?

कछुआ – हाँ हाँ! देखते नहीं, यह मरा पड़ा है।

गीदड़ – पर भाई, मैंने तो सुना है कि मर जाने पर मगरमच्छ की पूँछ हिलती रहती है। लगता है, अभी यह पूरी तरह नहीं मरा।

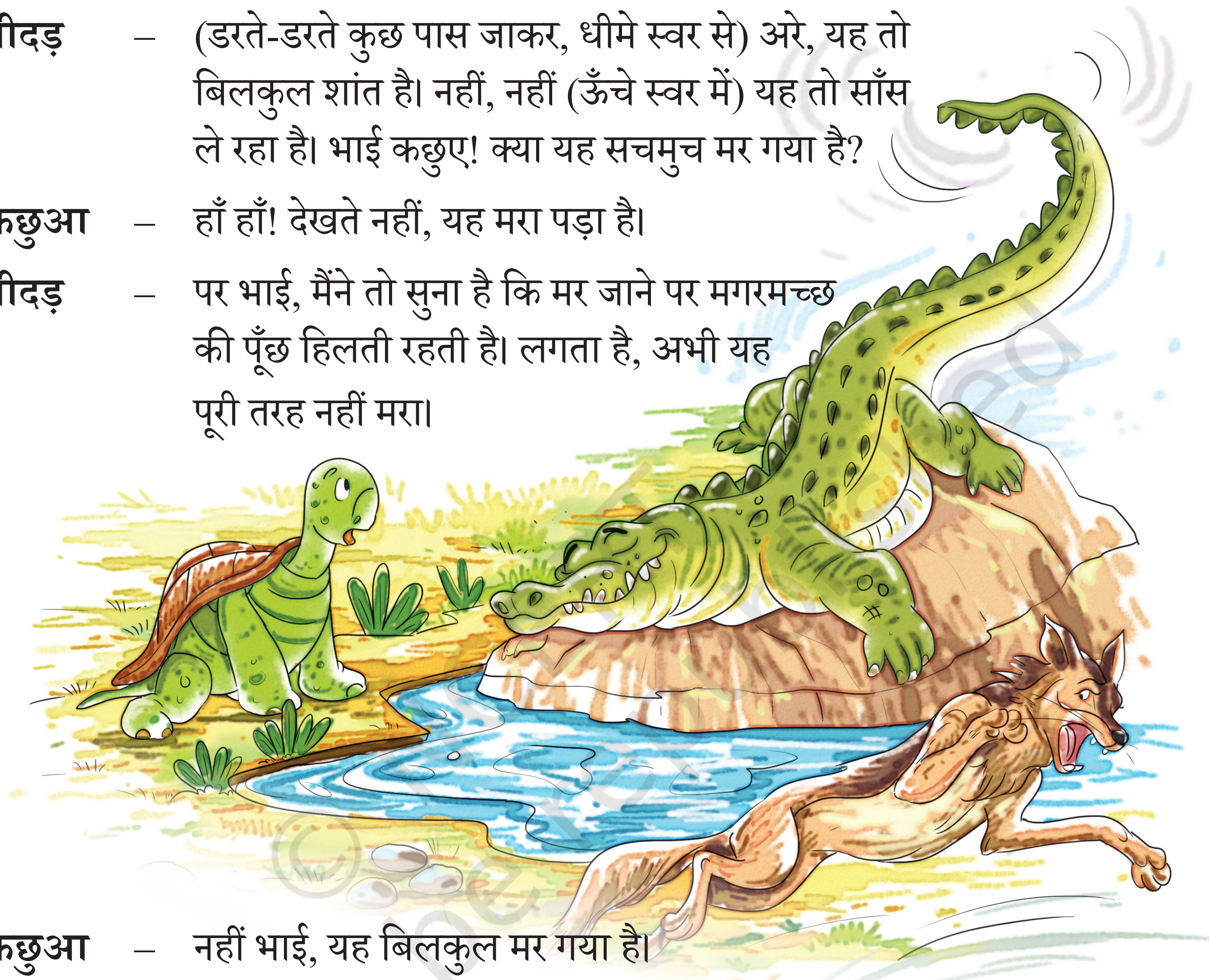

कछुआ – नहीं भाई, यह बिलकुल मर गया है।

(तभी मगरमच्छ अपनी पूँछ हिलाने लगता है।)

गीदड़ – (भागकर दूर जाते हुए) ओह! अपने मित्र को देखो, अपने मित्र को देखो।

कछुआ – (ऊँचे स्वर में) खोल दो आँखें। भाग गया गीदड़। तुम बिलकुल मूर्ख हो। तुम उस चतुर गीदड़ की चाल में आ ही गए। अब उसे पकड़ना कठिन है।

बातचीत के लिए

1. आपको भूख लगती है तो आपको कैसा लगता है?
2. अपने मित्र की सहायता आप किस-किस प्रकार से करते हैं?
3. कहानी का शीर्षक 'चतुर गीदड़' क्यों है?
4. आप इस कहानी को और क्या नाम देना चाहेंगे?
5. अपनी सूझ-बूझ का कोई अनुभव बताइए?

सोचिए और लिखिए

1. तालाब में मछलियाँ क्यों नहीं थीं?
2. कछुए ने क्या उपाय सोचा?
3. गीदड़ ने समझदारी कैसे दिखाई?
4. गीदड़ को मगरमच्छ की सच्चाई कैसे पता चली?

कहानी से

1. नीचे कहानी से जुड़े कुछ चित्र और बातें हैं। उनका आपस में मिलान कीजिए—

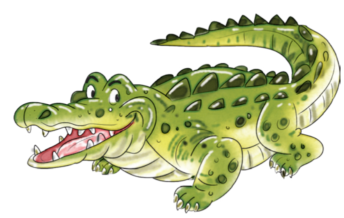

भूख के मारे प्राण निकलना

गीदड़ को लाने का प्रयत्न

डर के मारे प्यासा रह जाना

पूँछ हिलाना

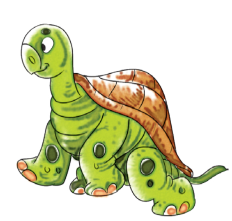

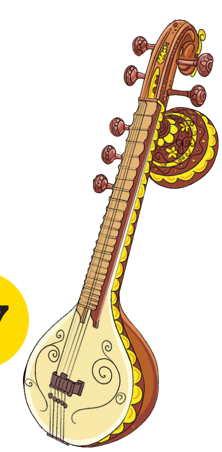

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 67 09-Apr-24 12:29:16 PM

भाषा की बात

1. कहानी में पशुओं के लिए तालाब ही पानी का स्रोत है। नीचे दी गई वर्ग पहेली से पानी के अन्य स्रोतों को ढूँढ़कर लिखिए—

ता	ल	ष	झ	थे	बा
ला	पा	न	र	मू	रि
ब	न	ह	ना	क	श
ते	दी	र	पो	ख	र
रि	ब	पी	ये	कु	आँ
बो	र	वे	ल	गा	था

........पोखर........ ....

....

2. सही वाक्य बनाइए—

'दो मित्र कहीं जा रहे हैं।'

इस वाक्य में 'द' को 'क', 'म' को 'ग' और 'ह' को 'प' से बदल दिया गया। इस तरह नया वाक्य बना —

'को गित्र कपीं जा रपे पैं।'

अब दिए गए वाक्य में 'ल' को 'ह' और 'स' को 'भ' से बदलकर नया वाक्य बनाइए।

मैं बलुत सूखा/सूखी लूँ।

सही वाक्य – ....

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 68 09-Apr-24 12:29:17 PM

3. **कहानी में आए शब्दों का प्रयोग करते हुए नए वाक्य बनाकर लिखिए—**

कठिन	....
प्रयत्न	....
सहायता	....
प्यारा	....

4. **एक मछली, अनेक मछलियाँ। नीचे दिए गए शब्दों के एक और अनेक रूप लिखिए—**

	एक	अनेक	
	मछली	मछलियाँ	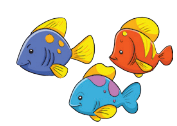
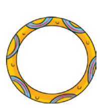	चूड़ी	....	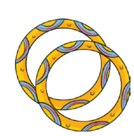
	....	मक्खियाँ	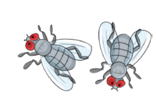
	लड़की	....	
	....	टोपियाँ	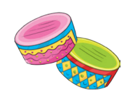
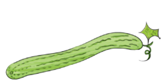	ककड़ी	....	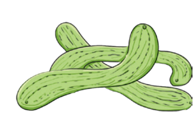

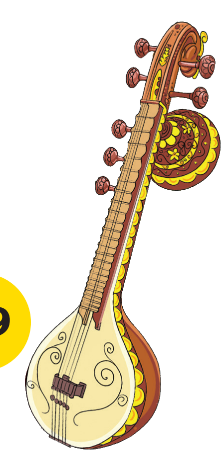

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 69 09-Apr-24 12:29:19 PM

पता कीजिए और लिखिए

इस कहानी में मगरमच्छ, गीदड़ और कछुए जैसे पात्र आपने देखे हैं। मगरमच्छ जल और थल दोनों पर ही रहता है जबकि गीदड़ केवल थल पर रहता है। आप इस तरह के और प्राणियों के नाम पता करके नीचे दी गई तालिका में लिखिए—

जल व थल पर रहने वाले जीव	थल पर रहने वाले जीव
....	....
....	....
....	....
....	....

मेरी सोच

यदि हम गीदड़ के स्थान पर होते तो क्या करते?

....

....

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 70 09-Apr-24 12:29:21 PM

आप क्या सोचते हैं?

अगर मगरमच्छ पूँछ न हिलाता तो अनुमान लगाइए कि कहानी का क्या अंत होता?

....

....

....

मेरी कलाकारी

1.

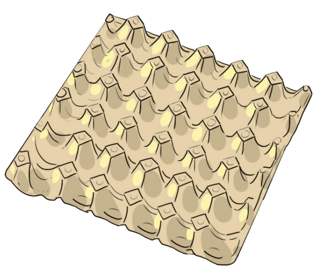

2.

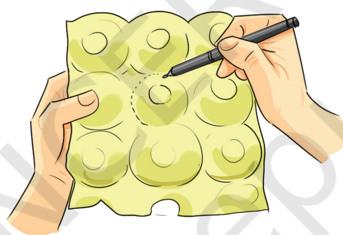

3.

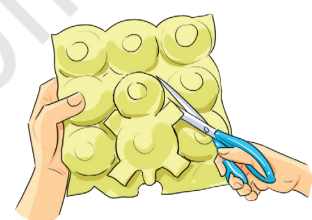

4.

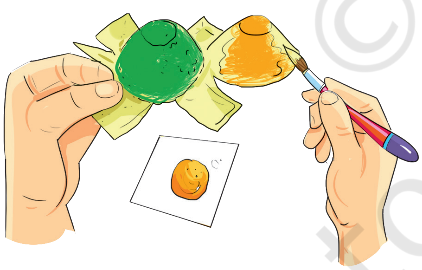

5.

6.

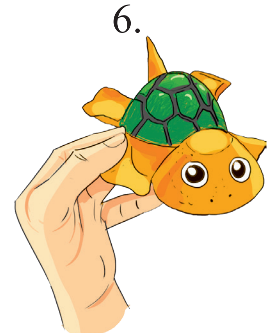

7.

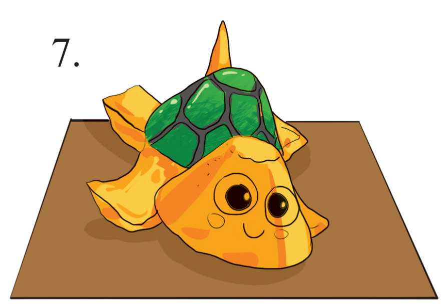

© NCERT not to be republished

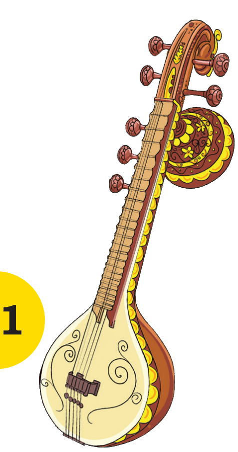

ठहाके

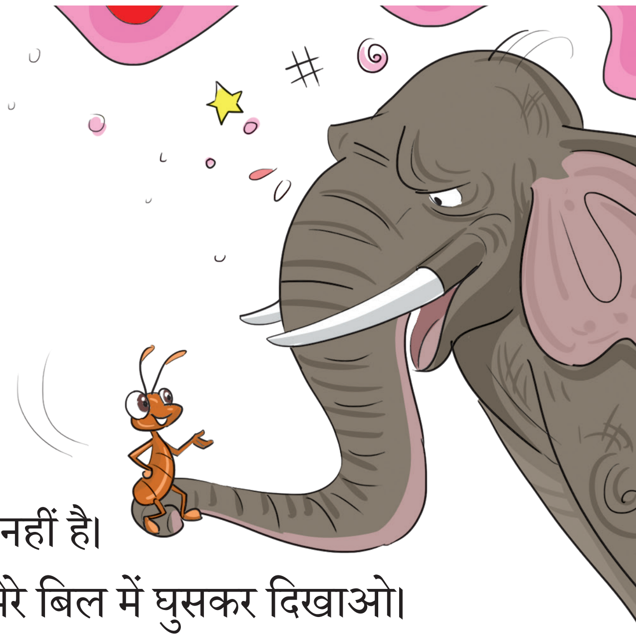

हाथी – इस पृथ्वी पर मुझसे बलवान कोई जीव नहीं है।

चींटी – अच्छा! अगर इतने ही बलवान हो तो मेरे बिल में घुसकर दिखाओ।

लड़की (सहपाठी से) – वह कौन-सी कली है जो खिल नहीं सकती?

सहपाठी – आसान सी बात, छिपकली और क्या!

अमन हाथ से दाने फेंकने का अभिनय कर रहा था। तभी उसका मित्र आया।

मित्र – अमन! यह क्या कर रहे हो?

अमन – चिड़िया को दाने खिला रहा हूँ।

मित्र – पर तुम्हारे हाथ में दाने तो हैं नहीं?

अमन – तो यहाँ चिड़िया भी तो नहीं है।

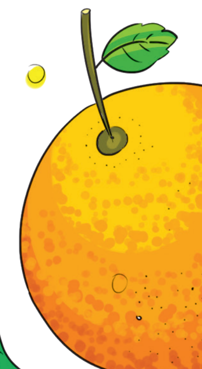

अध्यापक – ममता, 15 फलों के नाम बताओ।

ममता – आम, संतरा, अमरूद और एक दर्जन केले।

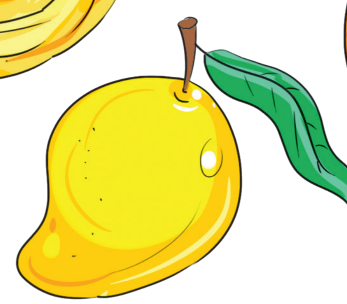

पूनम (सहपाठी से) – मैंने एक ऐसी चीज बनाई है, जिससे हम दीवार के आर-पार देख सकते हैं।

सहपाठी – अरे वाह! क्या है वह चीज?

पूनम – छेद।

© NCERT not to be republished

९ प्रकृति पर्व — फूलदेई

0331CH09

मिलकर पढ़िए

जानकी बहुत ही प्रसन्न थी। कल वह अपने सभी मित्रों के साथ फूलदेई पर्व के लिए जाएगी। अगले दिन उसकी इजा (माँ) ने उसे सुबह-सुबह उठा दिया। नहा-धोकर अपनी छोटी डलिया हाथ में लिए फूल चुनने के लिए वह निकल गई। आँगन में पहुँचते ही उसने हेमा, गीता, राधा, बीर, गोविंद और मनोज को पुकारा। सब हाथ में छोटी-छोटी डलिया लेकर जंगल की ओर निकल पड़े।

फूलदेई उत्तराखंड का एक प्रसिद्ध त्योहार है। यह त्योहार बच्चों द्वारा मनाया जाता है, इसलिए इसे 'बाल पर्व' भी कहा जाता है। यह चैत्र मास की संक्रांति के दिन मनाया जाता है। चैत्र माह हिंदू

© NCERT not to be republished

नववर्ष का पहला महीना होता है। फूलदेई वसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक है। चैत्र ऋतु आते ही ऊँची-ऊँची पहाड़ियों से बर्फ पिघलने लगती है। सर्दियों के ठंडे दिन बीत जाते हैं। उत्तराखंड के सुंदर पहाड़ फूलों से लद जाते हैं। जानकी और उसके मित्रों ने बुरांस, फ्योंली और कई प्रकार के फूल अपनी छोटी-छोटी डलियों में इकट्ठे कर लिए। अब यह टोली जिसे 'फुलारी' कहा जाता है, हर घर के मुख्य द्वार की देहली पर रुकती, अक्षत और फूल डालती और गाती जाती—

"फूल देई, छम्मा देई,
दैणी द्वार, भर भकार
ये देली कैं बारंबार नमस्कार
फूले द्वार..."

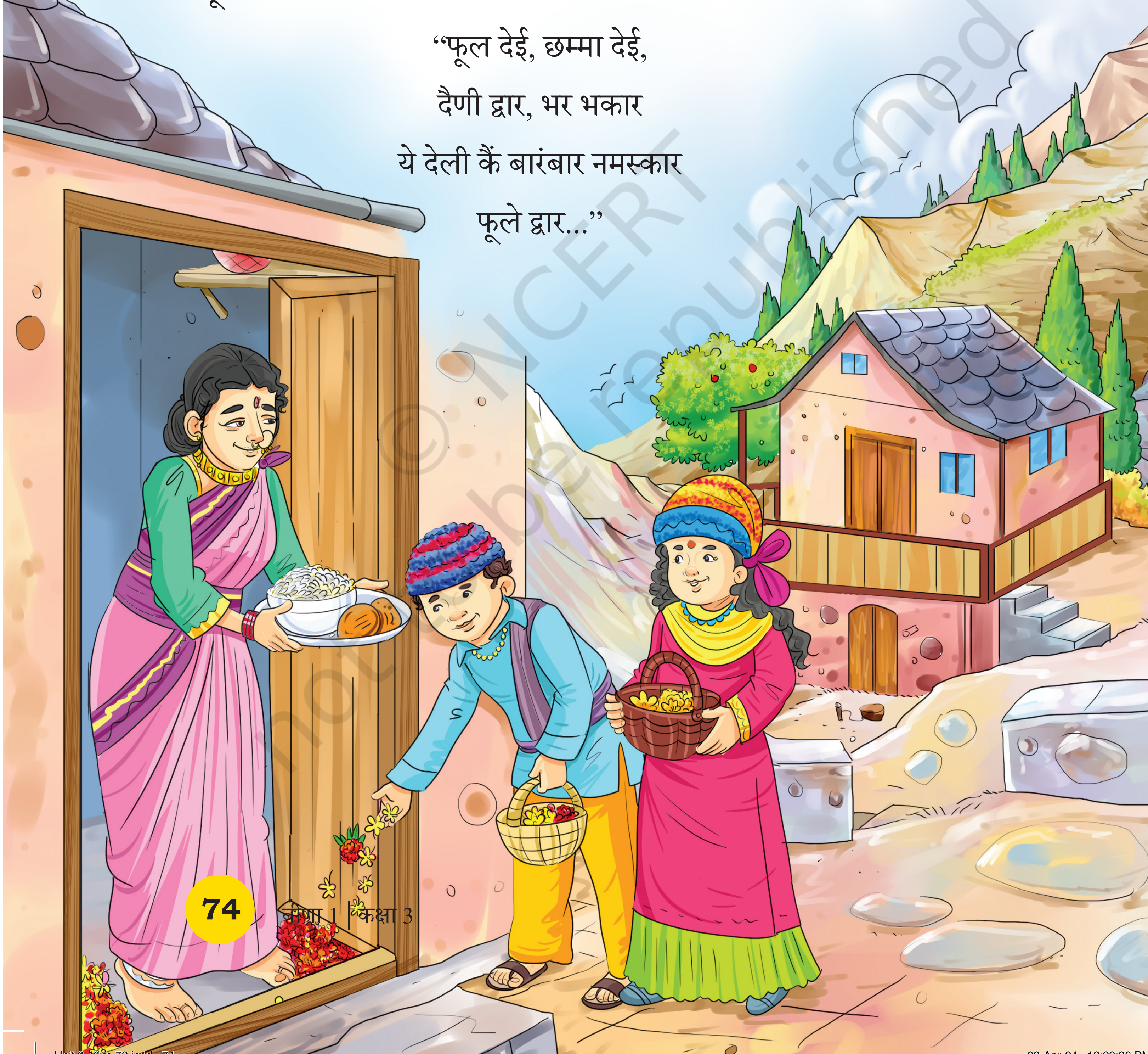

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 74 09-Apr-24 12:29:26 PM

इसका अर्थ है, आपकी देहली फूलों से भरी रहे। मंगलकारी हो। सबको क्षमा प्रदान करें। सबकी रक्षा करें। देहली और घर में समृद्धि बनी रहे। सबके घरों में अन्न के भंडार भरे रहें।

सभी घरों में 'फुलारी' के आने की तैयारी की जाती है। घरों को पूर्णत: स्वच्छ करके देहली को गोबर-मिट्टी से लीपकर तैयार किया जाता है। 'फुलारी' जब गाकर अपना आशीर्वाद देते हैं तो हर घर से उन्हें चावल, गुड़ और भेंट के रूप में पैसे दिए जाते हैं। जानकी और सभी मित्र दिनभर देहली पूजकर बहुत थक गए थे पर वे बहुत प्रसन्न थे।

इस तरह फूलदेई का त्योहार उत्तराखंड के अलग-अलग क्षेत्रों में आठ दिनों से लेकर महीनेभर तक चलता है। बच्चों द्वारा एकत्रित किए गए चावल और गुड़ को मिलाकर बच्चों के लिए हलवा, छोई या साई व पापड़ी जैसे अन्य स्थानीय व्यंजन बनाए जाते हैं। व्यंजन बनाने के लिए जमा पैसों से घी या तेल खरीदा जाता है। व्यंजन को सब एकत्रित होकर और मिलकर खाते हैं।

फूलदेई बच्चों को प्रकृति प्रेम और सामाजिक सद्भाव की सीख बचपन से ही देने का पर्व है। यह त्योहार लोकगीतों, मान्यताओं और परंपराओं से जुड़ने का एक अच्छा अवसर प्रदान करता है। यह प्रकृति तथा संस्कृति से जुड़े रहने की प्रेरणा भी देता है।

© NCERT not to be republished

बातचीत के लिए

1. त्योहार क्यों मनाए जाते हैं?
2. आपका प्रिय त्योहार कौन-सा है?
3. आप अपना प्रिय त्योहार कैसे मनाते हैं?
4. वसंत ऋतु के आगमन पर भारत में मनाए जाने वाले त्योहार कौन-कौन से हैं?
5. उत्तराखंड के कुमाऊँ क्षेत्र में माँ को इजा कहकर पुकारते हैं। आप अपनी माँ को क्या कहकर पुकारते हैं?

सोचिए और लिखिए

1. फुलारी किसे कहते हैं?
2. फुलारी को मिले चावल और गुड़ से क्या-क्या बनाया जाता है?
3. फूलदेई को बाल पर्व क्यों कहा जाता है?
4. फूलदेई पर्व बच्चों को प्रकृति से कैसे जोड़ता है?

भाषा की बात

ऊपर दिए गए चित्र में शिक्षक पूजा से प्रश्न पूछ रहे हैं। पूजा उत्तर देते हुए अपने और अपने मित्रों के बारे में बता रही है। इन दोनों उदाहरणों में पूर्ण विराम (।) अल्प विराम (,) और प्रश्नवाचक चिह्न (?) का प्रयोग किया गया है।

नीचे दिए गए वाक्यों में इन विराम चिह्नों का उपयोग कर वाक्य ठीक कीजिए—

गरिमा को फल खाना बहुत पसंद है वह अपने मित्र गौरव दीपक ममता और नवजोत को भी फल खाने की सलाह देती है क्या आपको भी फल खाना पसंद है

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 76 09-Apr-24 12:29:28 PM

पता कीजिए

1. **फूलदेई वसंत ऋतु (मार्च-अप्रैल) में मनाया जाने वाला त्योहार है। ऐसे ही शरद ऋतु (सितंबर-अक्टूबर) और हेमंत ऋतु (नवंबर-दिसंबर) में मनाए जाने वाले त्योहारों की जानकारी खोजिए और लिखिए—**

दशहरा

हमारे अवकाश

2. **आपके विद्यालय में मिलने वाले अवकाशों की जानकारी प्राप्त कीजिए और ऋतुओं के आधार पर नीचे दी गई तालिका में लिखिए—**

अवकाश	कब से कब तक	कितने दिनों तक
ग्रीष्मकालीन अवकाश	....	....
शरदकालीन अवकाश	....	....
शीतकालीन अवकाश	....	....

© NCERT not to be republished

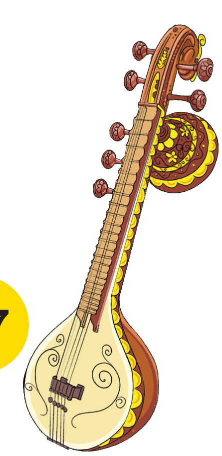

Unit 2 46 to 79.indd 77 09-Apr-24 12:29:28 PM

आइए, अपना घर सजाएँ

3. फूलदेई के दिन घरों को स्वच्छ करके मुख्य द्वार की देहली को गोबर-मिट्टी से लीपकर तैयार किया जाता है। आप अपने घर को त्योहारों के लिए सजाने हेतु किन-किन वस्तुओं का प्रयोग करते हैं?

....

....

....

मेरी कलाकारी

1. फूल, आम और अशोक के पत्तों से या अन्य किसी भी वस्तु के उपयोग से सुंदर तोरण बनाइए—

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 78 16-Apr-24 3:28:00 PM

कल्पना कीजिए

1. मधुरानी एक दिन उद्यान में गई। वह बहुत प्रसन्न थी। वहाँ उसे मिली सूरजमुखी बहन और सूरज मामा। सोचकर लिखिए, वे तीनों आपस में क्या बातचीत कर रहे होंगे?

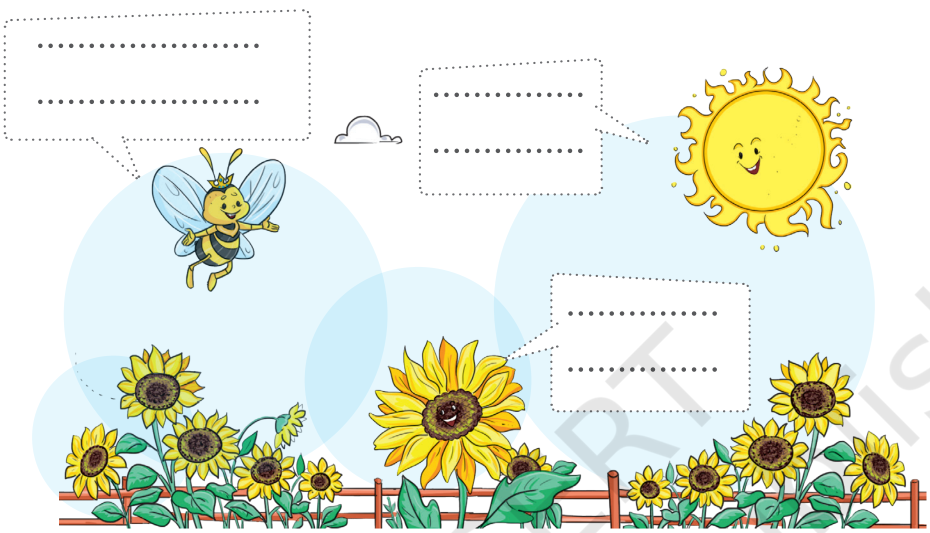

आइए जानें

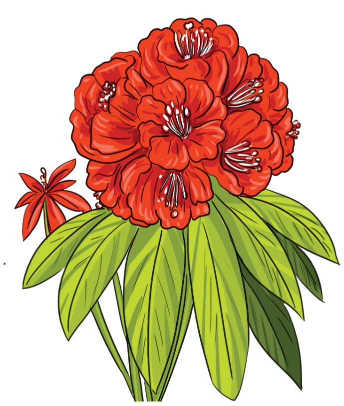

बुरांस के फूल लाल रंग के होते हैं जो गरमी के मौसम में आते हैं। ये देखने में बहुत सुंदर लगते हैं। इनका उपयोग दवाई बनाने के लिए किया जाता है। यह हिमालयी राज्यों में बड़ी संख्या में पाया जाने वाला वृक्ष है।

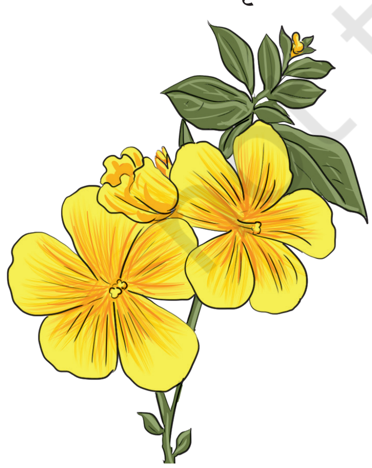

फ्योंली के फूल वसंत के आगमन की सूचना देते हैं। पीले रंग के होने के कारण इनका नाम फ्योंली रखा गया है। ये पहाड़ों की सुंदरता के प्रतीक हैं। ये भी औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं।

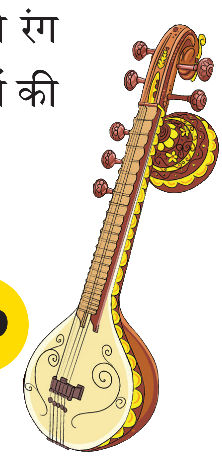

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 79 09-Apr-24 12:29:30 PM

(पढ़ने के लिए)

सुनो भई गप्प

सुनो भई गप्प, सुनो भई शप्प,
नाव में नदिया डूबी जाए।

चींटी चली बजार को,
नौ मन मल के तेल,
ईंटें दो बगल में ले लीं,
सिर पर धर ली रेल।
सुनो भई गप्प, सुनो भई शप्प,
नाव में नदिया डूबी जाए।

गधा चढ़ा खजूर पर,
खाने को अंगूर,
पीठ पे उसके नाच रहे थे,
पाँच-पाँच लंगूर।
सुनो भई गप्प, सुनो भई शप्प,
नाव में नदिया डूबी जाए।

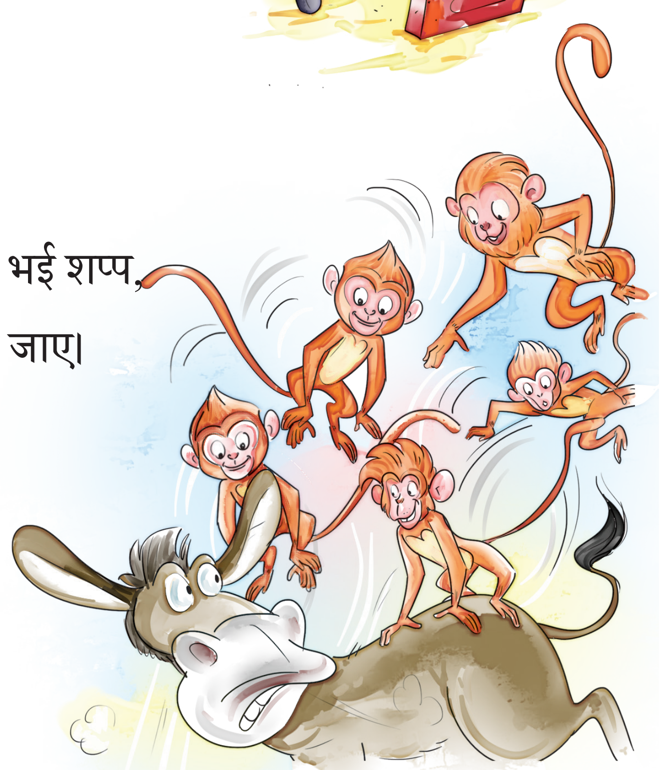

© NCERT not to be republished

Unit 3 80 to 99.indd 80 09-Apr-24 12:32:02 PM

हाथी ढम-ढम ढोल बजाए,
ऊँट खाट पर सोए,
बिल्ली सबकी रोटी सेके,
घोड़ा कपड़े धोए।
सुनो भई गप्प, सुनो भई शप्प,
नाव में नदिया डूबी जाए।

– अज्ञात

(मालती देवी द्वारा संशोधित एवं परिवर्धित)

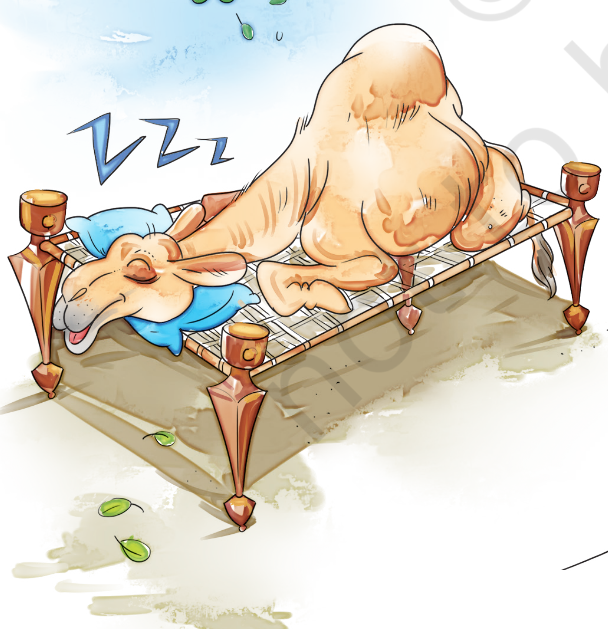

© NCERT not to be republished

Unit 3 80 to 99.indd 81 09-Apr-24 12:32:04 PM

10

रस्साकशी

खेल गीत

जोर लगाओ, हेई सा!
हेई सा! भई, हेई सा!

सीना ताने रहो अकड़ कर,
रस्सा दोनों ओर पकड़ कर,
तिरछे पड़ कर, कमर जकड़ कर,
जोर लगाओ, हेई सा!
हेई सा! भई, हेई सा!

खींचो, खींचो, जोर लगाओ,
पैर गड़ा कर, पीठ अड़ाओ,
आड़ी-तिरछी चाल भिड़ाओ,
जोर लगाओ, हेई सा!
हेई सा! भई, हेई सा!

© NCERT not to be republished

रस्सा नहीं फिसलने पाए,
साथी नहीं बिचलने पाए,
जोश-खरोश न ढलने पाए,
जोर लगाओ, हेई सा!
हेई सा! भई, हेई सा!

हुए पसीने से तर सारे,
सफल हुए सब दाँव करारे,
इधर हमारे, उधर तुम्हारे,
जोर लगाओ, हेई सा!
हेई सा! भई, हेई सा!

– कन्हैया लाल 'मत्त'

© NCERT not to be republished

Unit 3 80 to 99.indd 83 09-Apr-24 12:32:08 PM

बातचीत के लिए

1. आप कौन-कौन से खेल खेलते हैं?
2. आपका सबसे प्रिय खेल कौन-सा है?
3. ऐसे खेलों के नाम बताइए जिनमें दो टीमें आमने-सामने होती हैं?
4. आपने रस्सी का प्रयोग करते हुए कौन-कौन से खेल खेले हैं?
5. वे कौन से खेल हैं जिन्हें खेलने के लिए हमें अधिक साथियों की आवश्यकता पड़ती है?

सोचिए और लिखिए

1. कविता में "जोर लगाओ, हेई सा! हेई सा! भई, हेई सा!" क्यों कहा गया है?
2. कविता में शरीर से जुड़े किन-किन अंगों का वर्णन हुआ है? ढूँढ़कर लिखिए।
3. रस्साकशी के खेल में जीतने के लिए क्या-क्या करना पड़ता है?
4. चित्र में दिखाया गया खेल रस्साकशी कैसे खेला जाता है, लिखिए—

© NCERT not to be republished

Unit 3 80 to 99.indd 84 09-Apr-24 12:32:09 PM

2. आपने बहुत से खेल खेले होंगे। आइए, चित्र देखकर खेल पहचानिए —

....

....

....

....

© NCERT not to be republished

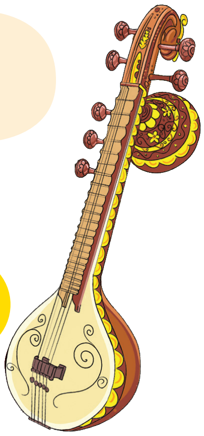

भाषा की बात

1. कविता में अकड़-पकड़ जैसे तुक मिलने वाले शब्दों का प्रयोग किया गया है। आप भी तुक मिलने वाले शब्द सोचकर लिखिए—

अकड़	पकड़

2. आइए खेलें 'मात्रा हटाओ, दूसरा शब्द बनाओ, जादू दिखाओ' का खेल

उदाहरण – भार ....भर..........

इसी प्रकार नीचे दिए गए शब्दों की मात्रा हटाइए और उसके सामने नया शब्द लिखते हुए अपना जादू दिखाइए—

(क) काम ....

(ख) बीस ....

(ग) मेला ....

(घ) यही ....

© NCERT not to be republished

Unit 3 80 to 99.indd 86 09-Apr-24 12:32:12 PM

कविता से आगे

1. नीचे कुछ खेलों के नाम दिए गए हैं। इनमें से कुछ खेल घर से बाहर मैदान में खेले जाते हैं और कुछ घर के भीतर खेले जाते हैं। घर से बाहर तथा घर के भीतर खेले जाने वाले खेलों को छाँटते हुए उन्हें अलग-अलग लिखिए—

फुटबॉल	लूडो	साँप-सीढ़ी	हॉकी	शतरंज	चिड़िया उड़
रस्साकशी	क्रिकेट	कैरमबोर्ड	खो-खो	टेबल टेनिस	गिट्टे

घर के भीतर खेले जाने वाले खेल	घर के बाहर खेले जाने वाले खेल
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

2. आपका सबसे प्रिय खेल कौन-सा है? उसके बारे में चार पंक्तियाँ लिखिए—

....

....

....

....

© NCERT not to be republished

3. आओ बताएँ —

मेरा नाम सलोनी है। तुम्हारा नाम क्या है?

मेरा नाम .... है

मैं प्रतिदिन शाम को मित्रों के साथ खेलती हूँ। तुम कब और किसके साथ खेलते हो?

मैं ....
....
....

मुझे छिपा-छिपी खेलना बहुत अच्छा लगता है और तुम्हें?

मुझे ....
....
....

खेलने से मैं शरीर में ऊर्जा और फुर्ती अनुभव करती हूँ।

खेलने से मैं ....
....
....
....

बनाइए

खेल खेलते समय प्राय: छोटी-छोटी चोट लग जाती है। जब आपको चोट लगती है, तब आप क्या-क्या करते हैं? अपने लिए एक छोटा-सा डिब्बा बनाइए और बताइए कि आप उसमें रुई और पट्टी के अतिरिक्त क्या-क्या रखेंगे?

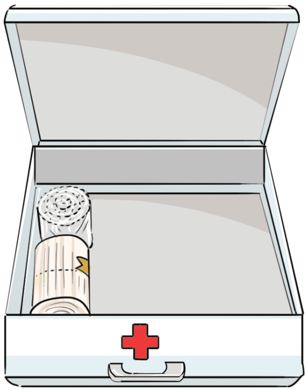

© NCERT not to be republished

Unit 3 80 to 99.indd 88 09-Apr-24 12:32:15 PM

कुछ नया करें

1. **नीचे कुछ खेलों के चित्र दिए गए हैं। आप इनमें से अपने मनभावन खेल को पहचानिए और उस खेल में रुचि होने का कारण भी लिखिए—**

....

....

....

....

not to be republished © NCERT

2. **चित्रों में अपनी रुचि के अनुसार रंग भरिए। चित्रों में दर्शाए गए किसी एक खेल के बारे में अपने विचार लिखिए—**

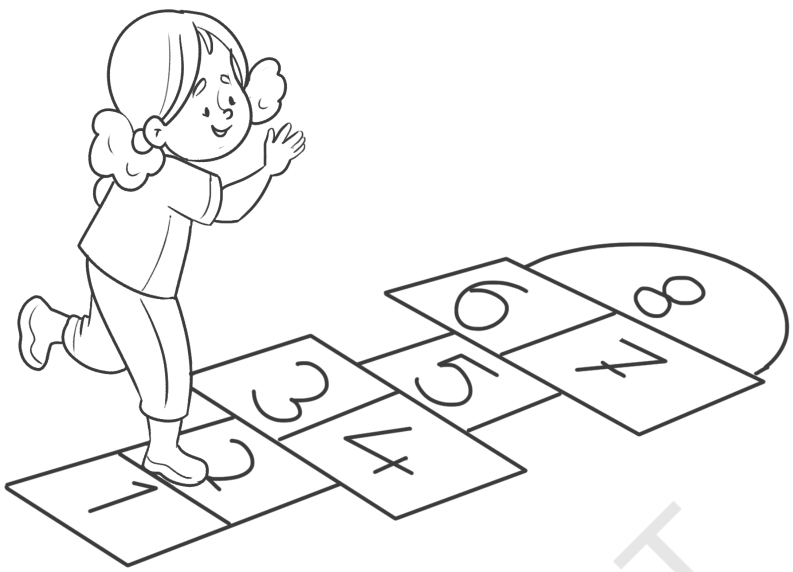

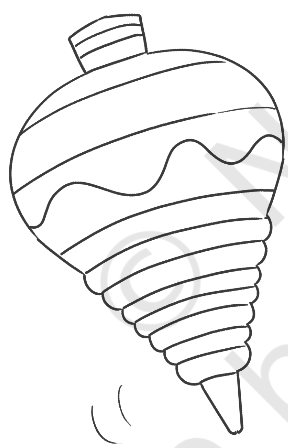

© NCERT not to be republished

....

....

....

....

(पढ़ने के लिए)

ट्रैफिक जाम

सुग्गे ने सुग्गे से पूछा,
क्या होता है ट्रैफिक जाम?
जैसे पूरा झुंड हमारा,
खाने लगे एक ही आम।

– मनोज कुमार झा
(इकतारा ट्रस्ट से साभार)

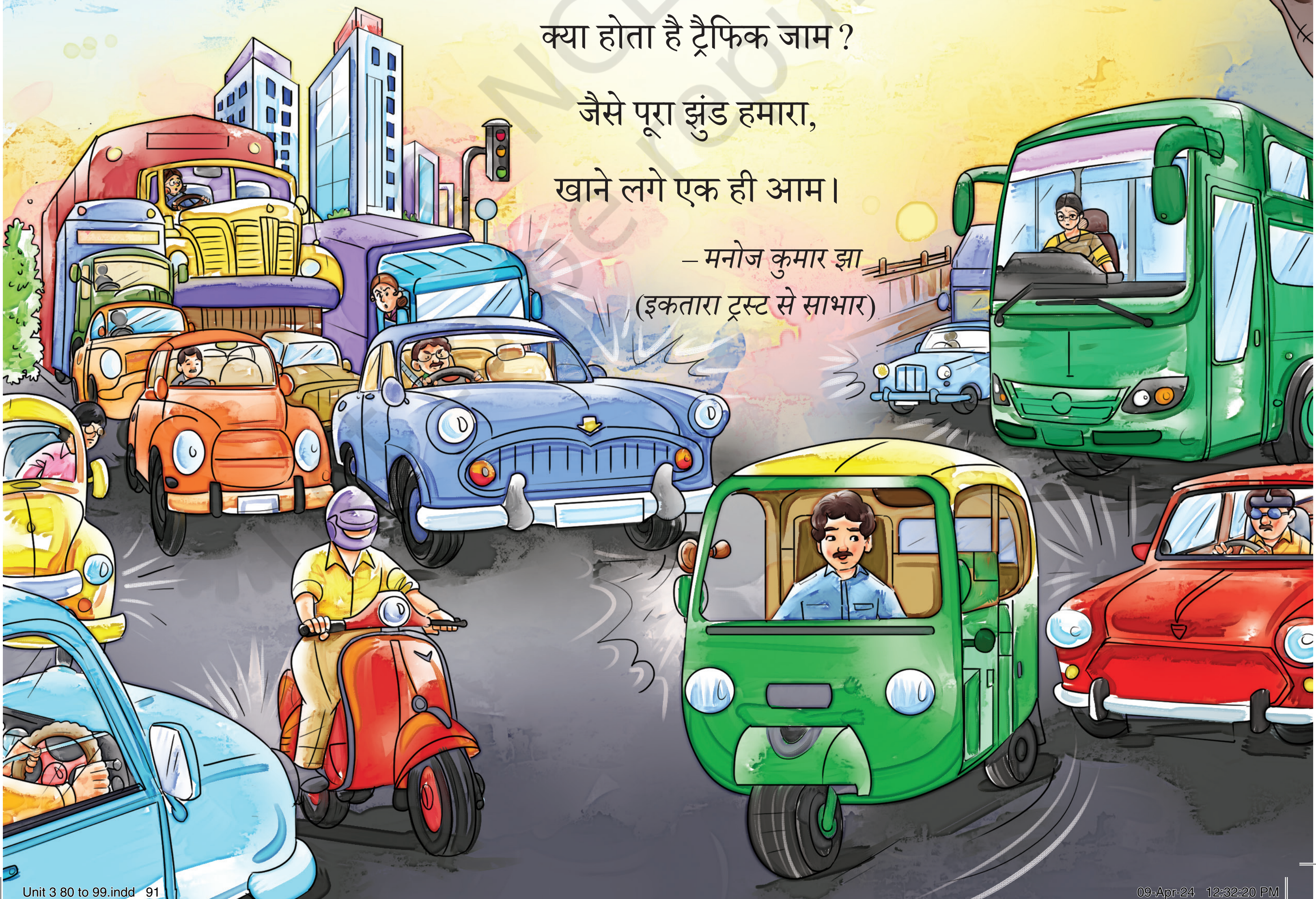

Unit 3 80 to 99.indd 91 09-Apr-24 12:32:20 PM

11

0331CH11

एक जादुई पिटारा

आनंदमयी कविता

एक पिटारा हमने खोला,
उसमें से निकला गप्पू गोला।

गोले पर जब बाँधी सुतली,
लगा नाचने बन कठपुतली।

कठपुतली ने गाड़े खूँट,
उसमें निकले नौ सौ ऊँट।

उन ऊँटों पर हुई सवारी,
मिली राह में एक सुपारी।

उसी सुपारी को जब काटा,
उसमें निकला नौ मन आटा।

उस आटे पर नारियल फोड़ा,
उसमें निकल पड़ा इक घोड़ा।

not to be republished

घोड़े को जब ऐंड़ लगाई,
आसमान ले पहुँचा भाई।
पाया वहाँ एक गुब्बारा,
जिस पर छेद हुए थे बारा।

एक छेद पर था इस्टेशन,
जिस पर खड़ा हुआ था इंजन।
उस इंजन को धोया ऐसे,
उसमें निकल पड़े दो भैंसे।

भैंसे लाकर जोता खेत,
नाज हुआ बारह सौ सेर।
खा-खा नाज हुए दीवाने,
चले चाल, बेहद मस्ताने।

© NCERT not to be republished

Unit 3 80 to 99.indd 93 16-Apr-24 3:29:18 PM

सोचिए और लिखिए

1. कविता के अनुसार पिटारा जब खोला गया तो उसमें से क्या-क्या निकला?
2. कविता में गिनती के कौन-कौन से अंक आए हैं? ढूँढ़कर लिखिए।
3. नौ मन आटा किसमें निकला?
4. किसान खेतों को जोतने के लिए किसका सहारा लेते हैं?

खोजिए और लिखिए

1. नीचे लिखे शब्दों से तुक मिलने वाले शब्द कविता से ढूँढ़कर लिखिए—

खोला ....

खूँट ....

सवारी ....

सुतली ....

© NCERT not to be republished

2. जब एक हो तो 'गोला' कहलाता है और अनेक हों तो 'गोले'। नीचे दिए गए शब्दों को भी एक से अधिक मानकर उनके लिए शब्द लिखिए—

	एकवचन		बहुवचन
(क)	पिटारा	–	....
(ख)	घोड़ा	–	....
(ग)	भैंस	–	....
(घ)	गुब्बारा	–	....

Unit 3 80 to 99.indd 94 09-Apr-24 12:32:25 PM

3. **नीचे दिए चित्रों को पहचानते हुए खेलों के नामों के साथ उनका मिलान कीजिए—**

कठपुतली का खेल

रस्सी कूदने का खेल

जादूगर का खेल

© NCERT not to be republished

4. **कविता के आधार पर पंक्तियों का उचित मिलान कीजिए—**

(क) गोले पर जब बाँधी सुतली	(i) आसमान ले पहुँचा भाई
(ख) एक पिटारा हमने खोला	(ii) लगा नाचने बन कठपुतली
(ग) उन ऊँटों पर हुई सवारी	(iii) उसमें से निकला गप्पू गोला
(घ) घोड़े के जब ऐंड़ लगाई	(iv) मिली राह में एक सुपारी

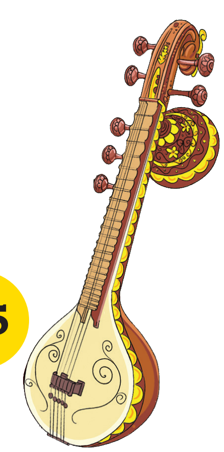

Unit 3 80 to 99.indd 95 09-Apr-24 12:32:27 PM

5. नीचे लिखे अक्षरों के क्रम को व्यवस्थित करके सही शब्द लिखिए—

उदाहरण – ड़ा/घो ....घोड़ा.................

(क) चा/ना ....

(ख) रा/टा/पि ....

(ग) ला/क/नि ....

(घ) ला/गो ....

(ङ) श/का/आ ....

6. नीचे दिए गए चित्रों में रंग भरिए। यदि आपको इनमें से किसी की सवारी करने का अवसर मिले तो आप किसकी सवारी करना चाहेंगे? उसके बारे में चार-पाँच पंक्तियों में अपने विचार लिखिए—

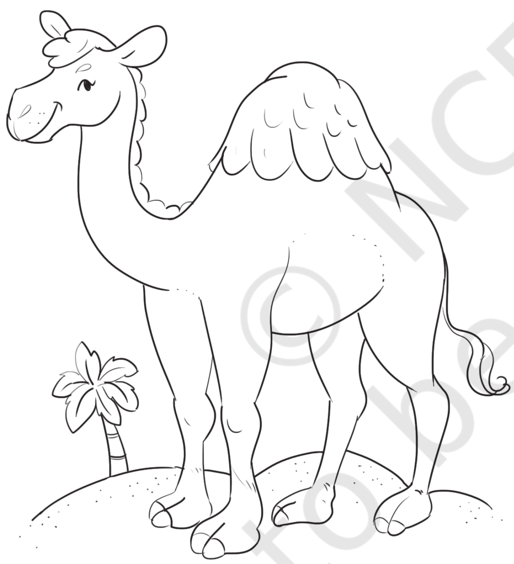

....

....

....

....

....

© NCERT not to be republished

7. नीचे जादुई पिटारे का एक चित्र दिया गया है। उसमें अपनी पसंद के रंग भरिए। आप भी अपना एक जादुई पिटारा बनाइए और बताइए कि आप उसमें क्या-क्या रखना चाहेंगे —

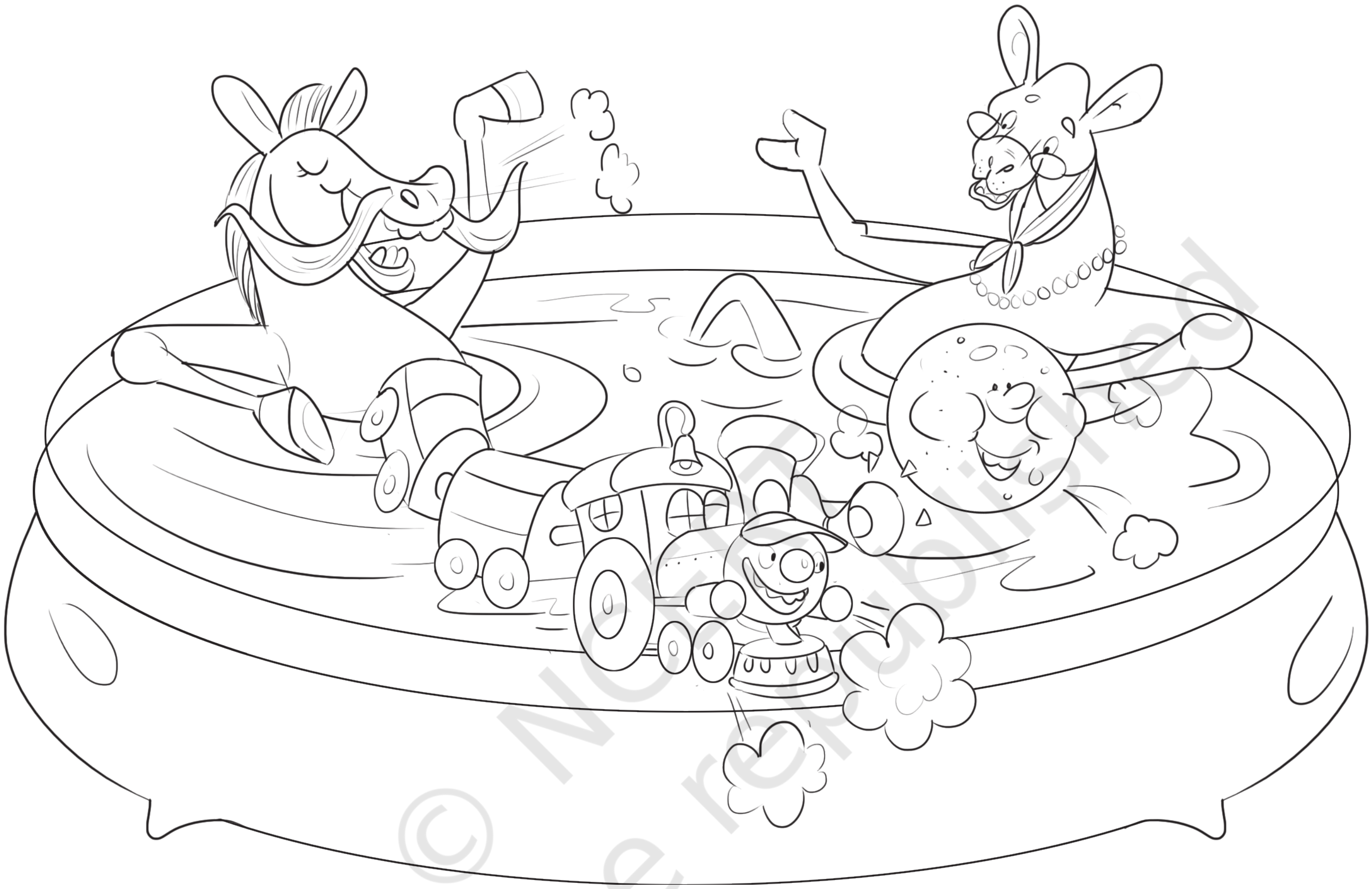

मैं अपने जादुई पिटारे में ये वस्तुएँ रखूँगा —

....

....

....

....

....

© NCERT not to be republished

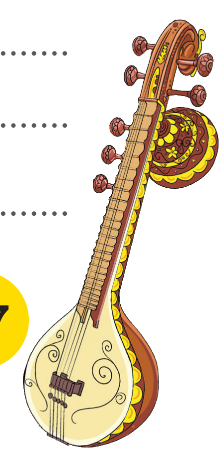

मेरी कलाकारी

1. नीचे दिए गए चित्रों में तीलियों वाले पुतले दिखाए गए हैं। आप भी अपनी पसंद के फल, फूल, साग, पशु-पक्षियों व जानवरों के पुतले तैयार कीजिए। कठपुतलियों का एक पिटारा तैयार करने में अपने शिक्षक को सहयोग दीजिए।

© NCERT not to be republished

Unit 3 80 to 99.indd 98 09-Apr-24 12:32:30 PM

– इरफ़ान

(इकतारा ट्रस्ट की पत्रिका 'प्लूटो' से साभार)

Unit 3 80 to 99.indd 99 09-Apr-24 12:32:31 PM

12

0331CH12

अपना-अपना काम

सुनें कहानी

सिमरन बाग में बैठी स्कूल का काम रही थी। “ओ हो! मैं तो थक गई। इतना सारा लिखने-पढ़ने का काम!” वह सोचने लगी, “स्कूल जाओ तो वहाँ पढ़ो। घर आओ तो फिर पढ़ो। कितना अच्छा होता अगर मुझे पढ़ना न पड़ता।”

पुस्तक रख सिमरन चारों ओर देखने लगी। उसने देखा कि मधुमक्खियाँ आनंदपूर्वक एक फूल से दूसरे फूल तक उड़ रही थीं।

“मैं भी मधुमक्खी बनना चाहती हूँ,” सिमरन ने कहा।

भिन-भिन करती मधुमक्खियाँ रुक गईं। वे अचंभित होकर बोलीं, “तुम तो इतनी सुखी हो, तुम क्यों हम जैसा नन्हा कीड़ा बनना चाहती हो?”

“मुझे क्या सुख है? इतना तो पढ़ना पड़ता है। मैं तो तुम्हारी तरह डाल-डाल, फूल-फूल उड़ना चाहती हूँ।” सिमरन ने कहा।

© NCERT not to be republished

Unit 4 100 to 121.indd 100 09-Apr-24 10:41:12 AM

"इधर से उधर उड़ना हमारा काम है। सारे दिन उड़-उड़कर रस इकट्ठा करते-करते हमारे पंख थक जाते हैं और..."

"ओहो!" सिमरन ने कान बंद कर लिए, "सारे दिन पंख फैलाकर उड़ना पड़े तो मैं बहुत थक जाऊँगी। ना, ना..."

फिर उसने ऊपर देखा। फलों से लदा पेड़। "हाँ, अगर मैं पेड़ होती तो अच्छा था। आराम से एक जगह खड़े-खड़े सब कुछ मिल जाता।"

पेड़ हँसने लगा, "मैं समझ गया। तुम सोचती हो कि मैं आराम से खड़ा रहता हूँ, बस!"

"सुनो" पेड़ ने कहा, "मेरे शरीर का तो हर अंग दिन-रात काम करता है। जड़ें मिट्टी से पानी खींचती हैं। पत्ते दिनभर खाना बनाते हैं और इतने परिश्रम के पश्चात जो फल उगते हैं, वे भी हम तुम्हें दे देते हैं..."

सिमरन ने आँखें झुका लीं, "सच! ये पेड़ तो बहुत परिश्रम करते हैं। फल तो हम ही खा लेते हैं।"

© NCERT not to be republished

Unit 4 100 to 121.indd 101 09-Apr-24 10:41:13 AM

"लेकिन इन चिड़ियों की मौज है।" सिमरन ने चिड़ियों को दाना खाते देखकर कहा, "हाँ, मैं भी चिड़िया बन जाती तो ठीक था।"

"ना, ना! यह क्या सोच रही हो?" एक चिड़िया बोली, "एक-एक दाना ढूँढ़ते-ढूँढ़ते सारे दिन उड़ती हूँ मैं। घोंसला बनाने के लिए भी बहुत परिश्रम करना पड़ता है, और..."

सिमरन बोली, "बस, बस! मैं समझ गई।" वह सोचने लगी, "परिश्रम से ही सब जीते हैं। मुझे भी परिश्रम करना चाहिए और मन लगाकर पढ़ना चाहिए।"

उसने अपनी पुस्तकें उठाईं और उत्साह से स्कूल का काम करने बैठ गई।

© NCERT not to be republished

Unit 4 100 to 121.indd 102 09-Apr-24 10:41:15 AM

बातचीत के लिए

1. आप क्या-क्या काम करते हैं?
2. आपको कौन-कौन से काम बहुत अच्छे लगते हैं?
3. इस कहानी में आपको किसका काम अच्छा लगा और क्यों?

सोचिए और लिखिए

1. सिमरन क्यों थक गई थी?
2. सिमरन मधुमक्खी क्यों बनना चाहती थी?
3. पेड़ क्या-क्या काम करते हैं?
4. सिमरन को चिड़िया का काम सरल क्यों लगा?
5. आपके अनुसार सिमरन अंत में पुस्तकें उठाकर काम क्यों करने लगी?

कहानी से

1. आप पूरे दिन में क्या-क्या काम करते हैं, सूची बनाइए—

....

....

....

....

....

....

© NCERT not to be republished

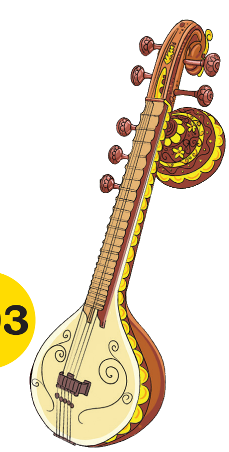

2. **आपके घर में कौन-कौन से काम किसके द्वारा किए जाते हैं? रिक्त स्थानों में लिखिए—**

क्रमांक	काम	करने वाला
1.	पेड़-पौधों को पानी देना	माँ
2.	....	....
3.	....	....
4.	....	....
5.	....	....

3. **सिमरन और मधुमक्खी की बात को आगे बढ़ाइए—**

ओह! पढ़ने-लिखने का मुझे बहुत काम करना पड़ता है। तुम्हारा काम सरल है, इस फूल से उस फूल, बस घूमते रहो…

....
....
....

© NCERT not to be republished

4. **दिए गए वाक्यों को कहानी से पूरा कीजिए—**

उसने देखा कि मधुमक्खियाँ आनंदपूर्वक ....

.... ।

“मेरे शरीर का तो हर अंग दिन-रात ....

....

....

.... वे भी हम तुम्हें दे देते हैं...”

उसने अपनी पुस्तकें ....

.... ।

5. **मधुमक्खी एक फूल से दूसरे फूल जाकर शहद बनाती है। क्या आप बता सकते हैं कि शहद हमारे किस-किस काम आता है—**

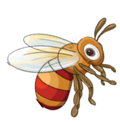
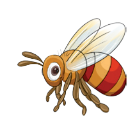

दूध को मीठा करने के लिए ....

....

....

....

....

....

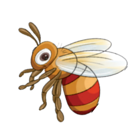
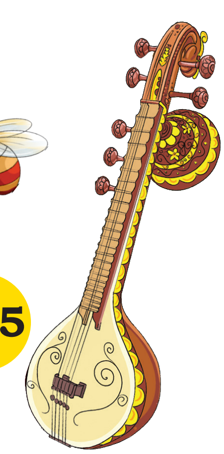

© NCERT not to be republished

Unit 4 100 to 121.indd 105 09-Apr-24 10:41:16 AM

भाषा की बात

1. कहानी में कुछ संज्ञाओं (नाम वाले शब्दों) का प्रयोग किया गया है। उन्हें ढूँढ़कर रिक्त स्थानों में लिखिए—

संज्ञा

- ....सिमरन........
- ....चिड़िया........
- ....
- ....
- ....
- ....

कल्पना कीजिए

यदि आप अपनी इच्छा से एक दिन के लिए कुछ भी बन सकते तो आप क्या बनते? कल्पना कीजिए और लिखिए—

मैं एक .... बनता/बनती, क्योंकि

....

....

....

....

....

....

© NCERT not to be republished

Unit 4 100 to 121.indd 106 09-Apr-24 10:41:19 AM

चित्रकारी

सिमरन को पेड़ ने बताया कि वे हमें फल देने के लिए बहुत सारे काम करते हैं। आप एक फलदार पेड़ का सुंदर चित्र बनाइए और उसमें रंग भरिए—

© NCERT not to be republished

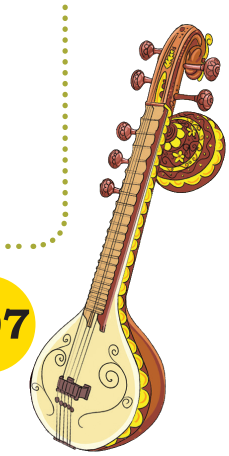

Unit 4 100 to 121.indd 107 09-Apr-24 10:41:19 AM

13

0331CH13

पेड़ों की अम्मा 'थिमक्का'

ये श्रीमती थिमक्का हैं। थिमक्का को 'अम्मा' और 'वृक्षमाता' के नाम से भी जाना जाता है। इनका जन्म कर्नाटक के तुमकुरु जिले में हुआ था। ये कर्नाटक में ही रहती हैं। पिछले ८० वर्षों से थिमक्का सड़कों के किनारे पौधे लगा रही हैं। पैसे की कमी के कारण अम्मा ने आरंभ में एक खान में श्रमिक के रूप में काम किया था। थिमक्का 'सालूमरदा थिमक्का' के नाम से भी जानी जाती हैं। 'सालूमरदा' कन्नड़ भाषा में पेड़ों की पंक्ति को कहते हैं। अत: उन्हें इस नाम से भी जाना जाता है।

थिमक्का हुलिकल और कुदुर के बीच स्थित ४५ किलोमीटर लंबे राजमार्ग पर लगभग ३८५ बरगद के पेड़ लगाने के लिए विख्यात हैं। इन पेड़ों के कारण राजमार्ग अत्यंत रमणीय और सुसज्जित लगने लगा। इसके अतिरिक्त उन्होंने अनेक स्थानों पर पेड़ लगाए जिनकी संख्या ८००० से अधिक है। इनसे पर्यावरण को बहुत लाभ हुआ। इस कार्य में उन्हें उनके पति ने भी पूरा सहयोग दिया।

उनके इस महत्वपूर्ण काम के लिए भारत सरकार ने उन्हें वर्ष २०१९ में पद्मश्री से सम्मानित किया।

© NCERT not to be republished

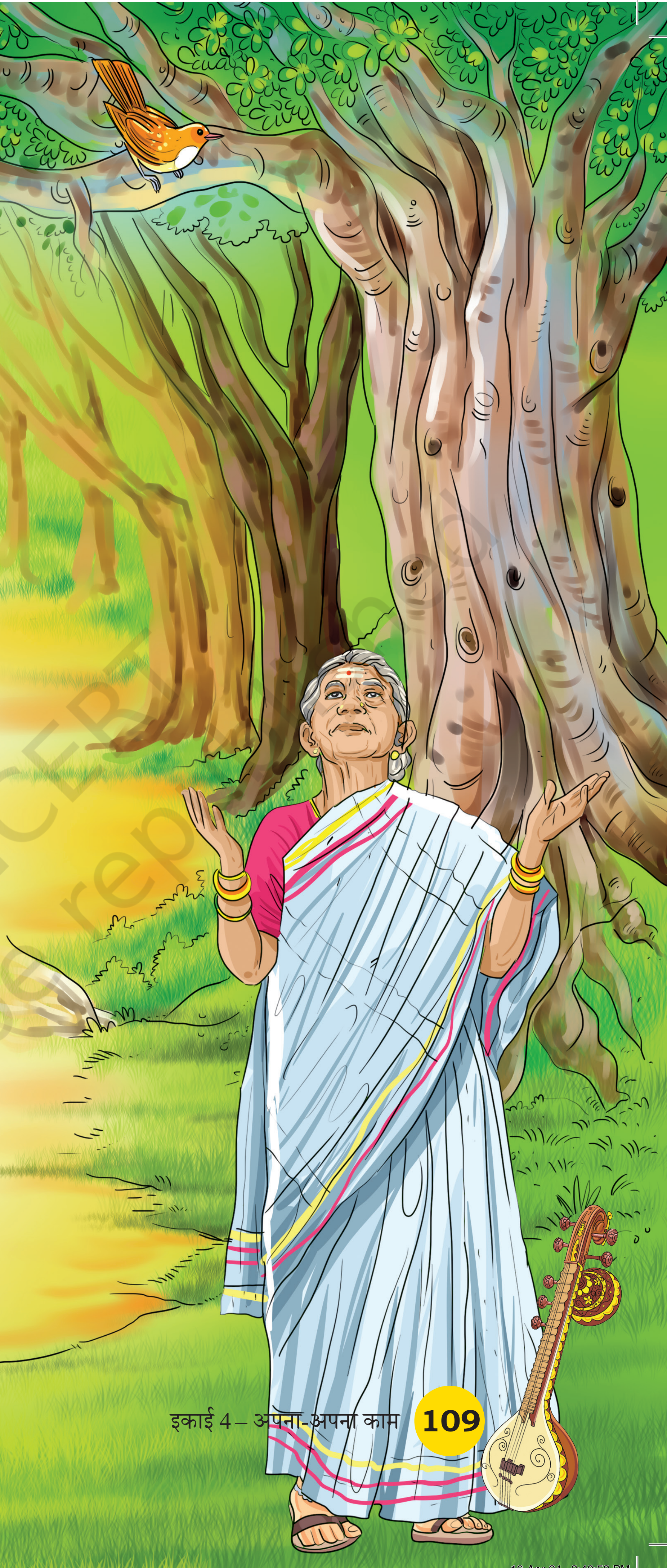

इनकी उम्र १०७ वर्ष है। आज भी ये अपने अच्छे कार्यों में सक्रिय हैं। थिमक्का को भारत के कई वनीकरण कार्यक्रमों में आमंत्रित किया जाता है।

अपने जीवन में अनेक कष्ट उठाने के उपरांत भी समाज के लिए उपयोगी कार्य करने वाली थिमक्का का व्यक्तित्व सभी के लिए आदर्श है। अभाव में भी केवल अपनी निष्ठा और श्रद्धा के बल पर किस प्रकार सामाजिक कार्य के लिए स्वयं को समर्पित किया जा सकता है, इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण हैं थिमक्का।

© NCERT not to be republished

Unit 4 100 to 121.indd 109 16-Apr-24 3:40:53 PM

बातचीत के लिए

1. पेड़ हमारे किस-किस काम आते हैं?
2. क्या आपने कभी किसी पौधे की देखभाल की है? कैसे?
3. यदि आपको समाज के लिए उपयोगी काम करने का अवसर मिले तो आप कौन-सा काम करेंगे?

सोचिए और लिखिए

1. थिमक्का अपने किस काम के कारण प्रसिद्ध हुईं?
2. थिमक्का को और किस-किस नाम से जाना जाता है?
3. अम्मा ने बरगद के पौधे लगाने क्यों शुरू किए थे?
4. इतने सारे पेड़ लगाने के लिए अम्मा को किन-किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा होगा?

पाठ के आगे

1. यदि आपको थिमक्का अम्मा का परिचय देना हो तो आप कैसे देंगे?

थिमक्का अम्मा ....

....

....

....

....

....

© NCERT not to be republished

Unit 4 100 to 121.indd 110 09-Apr-24 10:41:24 AM

2. यदि आपको अम्मा के काम में उनकी सहायता करने का अवसर मिले तो आप कैसे करेंगे?

....	....
....	....
....	....

भाषा की बात

1. 'थिमक्का' में 'क्का' आया है। ऐसे व्यंजनों को द्वित्व व्यंजन कहते हैं। ऐसे और शब्द सोचकर दिए गए स्थान पर लिखिए—

..............रस्सी..............	....
....	....
....	....

2. पेड़ को वृक्ष भी कहा जाता है। क्या आप बता सकते हैं कि अलग-अलग भाषाओं में पेड़ को क्या-क्या कहा जाता है—

....

© NCERT not to be republished

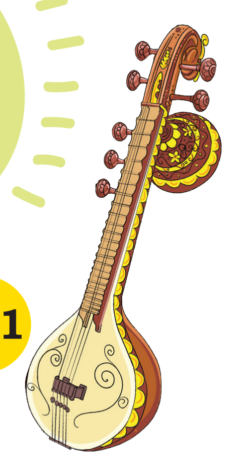

Unit 4 100 to 121.indd 111 09-Apr-24 10:41:25 AM

3. कई बार, हम एक वर्ण और एक अक्षर को मिलाकर एक नया 'संयुक्त अक्षर' बनाते हैं, जैसे –

संयुक्ताक्षर		उदाहरण		
क् + ष	= क्ष	क्षमा	दक्ष	पक्ष
ज् + ञ	= ज्ञ	ज्ञान	विज्ञान	आज्ञा
त् + र	= त्र	पत्र	चित्र	मित्र
श् + र	= श्र	श्रम	आश्रम	श्रमिक

उपरोक्त उदाहरणों के आधार पर नीचे दिए गए चित्रों को देखकर शब्द पूरे कीजिए—

वृ..........

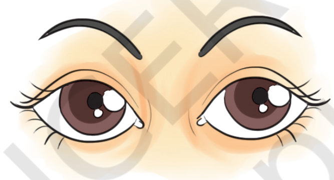

ने..........

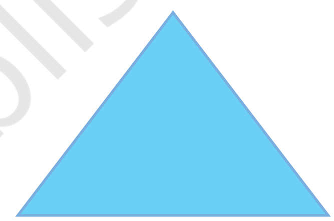

..........भुज

क..........

..........मिक

© NCERT not to be republished

कुछ नया करें

1. आपने थिमक्का के बारे में पढ़ा और उनके काम से प्रेरित हुए। थिमक्का को एक पत्र लिखकर उन्हें अपने मन की बात बताइए—

....

पूज्य अम्मा,

सादर प्रणाम!

....

....

....

....

....

....

2. चित्र देखकर उन वस्तुओं पर गोला ◯ बनाएँ जो हमें पेड़ों से मिलती हैं—

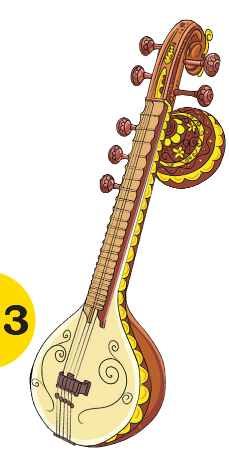

© NCERT not to be republished

Unit 4 100 to 121.indd 113 09-Apr-24 10:41:32 AM

14

0331CH14

किसान की होशियारी

सुनें कहानी

एक किसान अपना खेत जोत रहा था। अचानक कहीं से एक भालू आ गया। भालू किसान को मारने झपटा। किसान ने कहा, "मुझे क्यों मारते हो? उपज होने दो, जो कहोगे, वही खिलाऊँगा।"

भालू ने कहा, "भूमि के ऊपर की उपज मेरी और नीचे की तुम्हारी रहेगी।"

© NCERT not to be republished

किसान ने आलू बो दिए। उपज हुई तो भालू को पत्ते खाने को मिले। भालू चिढ़कर रह गया।

अगली बार भालू ने कहा, "देखो इस बार भूमि के नीचे की उपज मेरी और ऊपर की तुम्हारी।"

इस बार किसान ने गेहूँ बो दिया। जब उपज हुई तो किसान को मिले चमकीले गेहूँ। भालू को मिलीं केवल जड़ें। भालू खीझकर रह गया।

© NCERT be republished

इस बार भालू ने किसान को पाठ पढ़ाने की सोची। उसने किसान से कहा, "भूमि के सबसे ऊपर और भूमि के नीचे की उपज मेरी।" किसान मान गया।

इस बार किसान ने लगाया गन्ना। जब उपज हुई तो भालू को मिले पत्ते और जड़ें। भालू का सिर चकरा गया।

बातचीत के लिए

1. आपको अपनी कौन-कौन सी वस्तुएँ प्रिय हैं?
2. यदि आप भालू के स्थान पर होते तो किसान से क्या कहते?
3. आप किसान की चतुराई के बारे में क्या सोचते हैं?

Unit 4 100 to 121.indd 116 09-Apr-24 10:41:42 AM

सोचिए और लिखिए

1. किसान ने भालू से बचने के लिए उससे क्या कहा?
2. भालू ने दूसरी बार नीचे की उपज क्यों माँगी?
3. अंत में किसान ने बुद्धिमत्ता कैसे दिखाई?
4. आप किसान के स्थान पर होते तो क्या करते?

भाषा की बात

1. उचित विराम चिह्न दिए गए खानों में लिखिए—

(क) भालू किसान पर झपटा

(ख) मुझे क्यों मारते हो

(ग) उपज आई तो भालू को पत्ते खाने को मिले

(घ) हम यह काम कैसे करेंगे

(ङ) किसान को मिले चमकीले गेहूँ

2. दिए गए मुहावरों के अर्थ लिखकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

पाठ पढ़ाना	सिर चकराना
अर्थ –	अर्थ – ....
वाक्य प्रयोग –	वाक्य प्रयोग – ....
....	....
....	....

© NCERT not to be republished

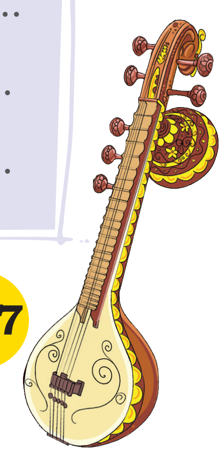

कहानी से आगे

1. यदि भालू आगे भी हार न मानता तो किसान क्या करता? कल्पना करके बताइए।
2. आपके अनुसार उपज पर अधिकार किसान का होना चाहिए था या भालू का?

वर्ग पहेली

चित्रों को पहचानिए और उनके नाम वर्ग पहेली में से ढूँढ़कर नीचे लिखिए—

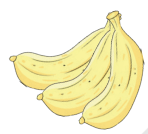

ची	के	बं	द	र
घो	ला	हि	खी	ख
ड़ा	शे	र	रा	र
हा	गा	न	मू	गो
थी	य	आ	ली	श
के	ला	म	छ	ली

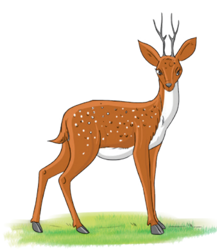

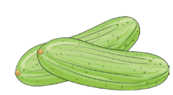
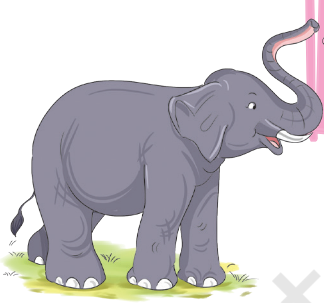

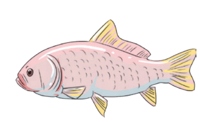

.......घोड़ा......., ..., ..., ...

......................, ..., ..., ...

......................, ..., ..., ...

not to be republished © NCERT

Unit 4 100 to 121.indd 118 09-Apr-24 10:41:46 AM

आनंद के लिए

1. किसको क्या खाना अच्छा लगता है, पहचानिए—

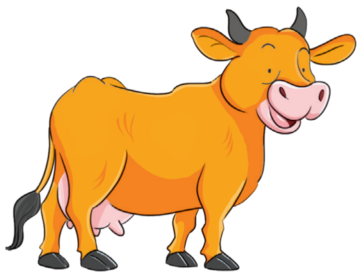

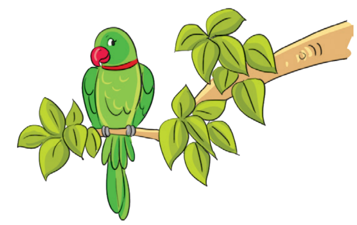

शहद, फल

हरी मिर्च, मीठे फल

हरी घास, भूसी

दूध, मलाई

पौष्टिक और संतुलित भोजन

2. आपके घर में जितने भी साग आते हैं, उन्हें वर्गीकृत कीजिए—

साग वर्गीकरण का आधार	साग
भूमि के नीचे पैदा होने वाले	आलू, ...
पत्ते के रूप में खाए जाने वाले	....
फल के रूप में उगने वाले	....
फली के रूप में खाए जाने वाले	....

© NCERT not to be republished

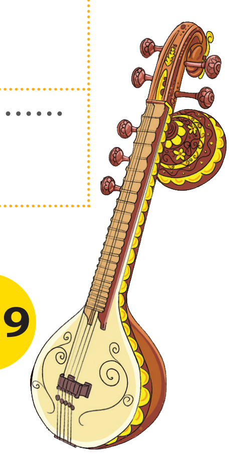

Unit 4 100 to 121.indd 119 09-Apr-24 10:41:48 AM

कुछ नया करें

कल्पना कीजिए कि कहानी वाला भालू आपके स्कूल में आया है। आप भालू से क्या बातचीत करेंगे?

आप – ....

....

भालू – ....

....

आप – ....

....

भालू – ....

....

आप – ....

....

© NCERT not to be republished

Unit 4 100 to 121.indd 120 09-Apr-24 10:41:49 AM

मेरी चित्रकारी

भालू का एक सुंदर चित्र बनाकर उसमें मनचाहे रंग भरिए—

© NCERT not to be republished

झटपट कहिए

ऊँट ऊँचा, ऊँचा ऊँट,

ऊँची ऊँट की पीठ।

पीठ ऊँची, पूँछ भी ऊँची,

ऊँची पूँछ, ऊँचा ऊँट।

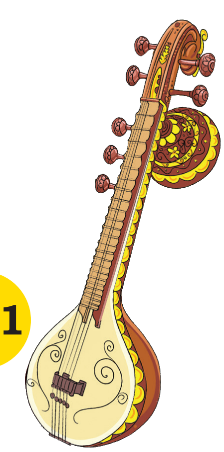

15

0331CH15

भारत

आनंदमयी कविता

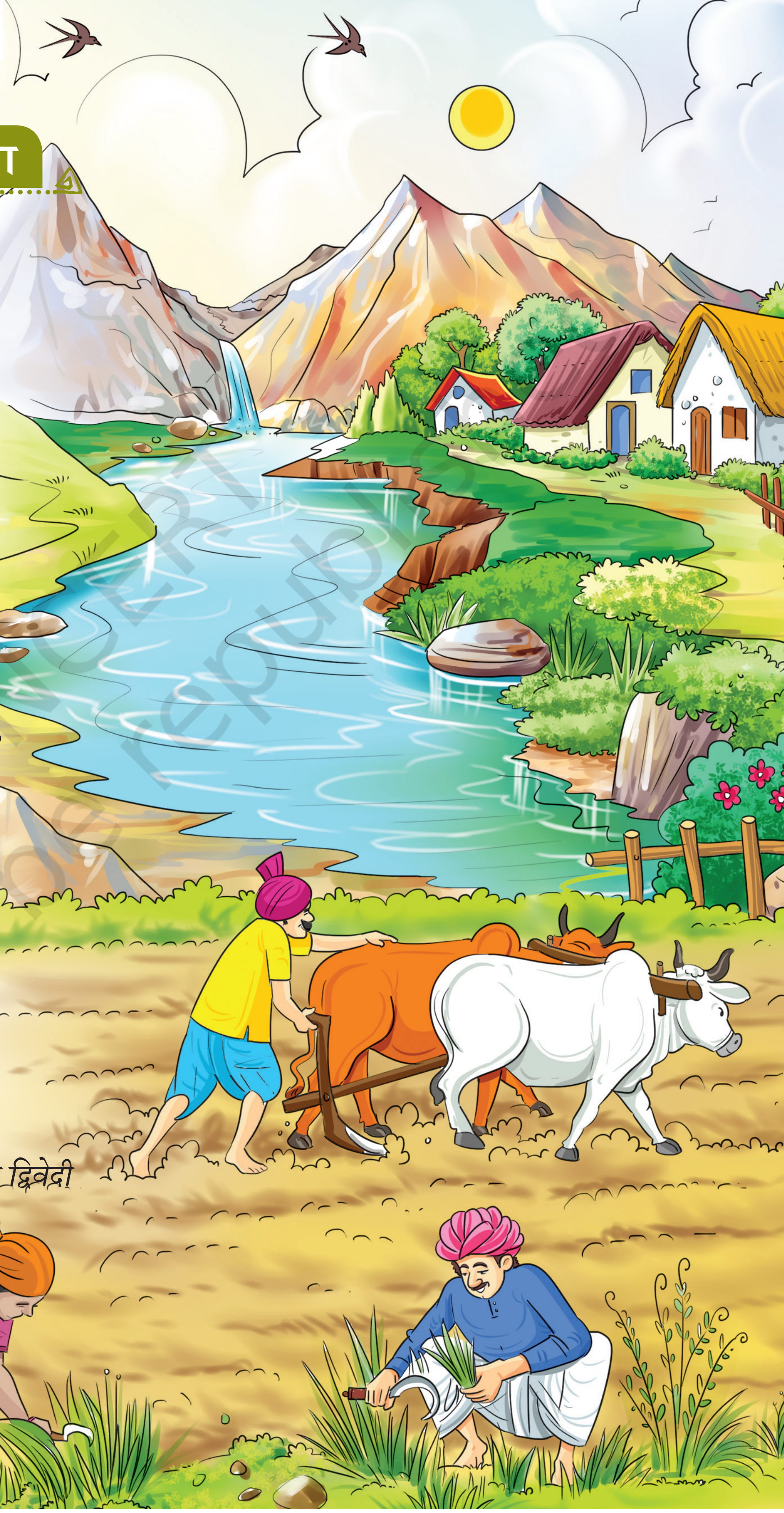

भारत तू है हमको प्यारा,
तू है सब देशों से न्यारा।
मुकुट हिमालय तेरा सुंदर,
धोता तेरे चरण समुंदर।
गंगा यमुना की हैं धारा,
जिनसे है पवित्र जग सारा।
अन्न, फूल, फल, जल हैं प्यारे,
तुझमें रत्न जवाहर न्यारे!
राम कृष्ण से अंतर्यामी,
तेरे सभी पुत्र हैं नामी।
हम सदैव तेरा गुण गाएँ,
सब विधि तेरा सुयश बढ़ाएँ।

– सोहन लाल द्विवेदी

© NCERT not to be republished

बातचीत के लिए

1. अपने देश के विषय में आप क्या जानते हैं? बताइए।
2. अपने देश की प्रसिद्ध नदियों और पर्वतों के नाम बताइए।
3. राम और कृष्ण के विषय में आप क्या जानते हैं? बताइए।

सोचिए और लिखिए

1. भारत हमें क्यों प्यारा है?
2. हिमालय को सुंदर मुकुट क्यों कहा गया है?
3. आप अपने देश का यश कैसे बढ़ाएँगे?
4. हमारे देश के समान हमारे गाँव और नगर भी न्यारे-प्यारे हैं। आप अपने गाँव या नगर के विषय में सोचकर लिखिए।

कविता से

1. कविता के आधार पर पंक्तियाँ पूरी कीजिए—

भारत तू है हमको प्यारा	....
....	धोता तेरे चरण समुंदर
गंगा यमुना की हैं धारा	....
....	तुझमें रत्न जवाहर न्यारे
....	तेरे सभी पुत्र हैं नामी
हम सदैव तेरा गुण गाएँ	....

© NCERT not to be republished

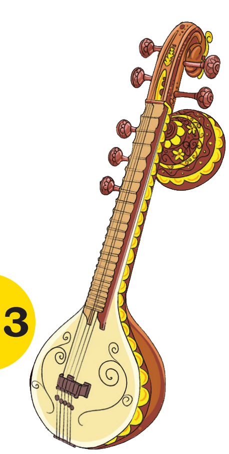

Unit 5 122 to 154.indd 123 10-Apr-24 5:15:00 PM

शब्दों का खेल

1. कविता में आए समान ध्वनि वाले शब्दों की जोड़ी बनाइए—

प्यारा .... न्यारा ....

सुंदर ....

न्यारे ....

बढ़ाएँ ....

धारा ....

अंतर्यामी ....

2. दिए गए समान ध्वनि वाले शब्दों की सहायता से कविता पूरी कीजिए—

महान   मान   फूल   अभिमान

देश की माटी, देश की धूल,
खिलते रंग-बिरंगे ....
अपने देश का है विशेष ....
मिलकर इसका रखें ....
जिसके हम गाएँ गुणगान
वह मेरा भारत ....

© NCERT not to be republished

खेल-खेल में खोजें

1. कविता में आए शब्दों पर घेरा लगाकर लिखिए—

सुं	द	र	व	भा
आ	ज	वा	ह	र
मु	कु	ट	फू	त
ह	सा	फ	ल	गं
धा	रा	म	गं	गा

भारत

.........................., ...

.........................., ...

.........................., ...

.........................., ...

समझिए और लिखिए

1. कुछ शब्दों के एक से अधिक अर्थ भी होते हैं। नीचे दिए गए शब्दों के दो सही अर्थ ढूँढ़कर लिखिए—

संसार   जागना   पानी   जलना   फल   परिणाम

फल → फल
फल → परिणाम

जग → ....
जग → ....

जल → ....
जल → ....

© NCERT not to be republished

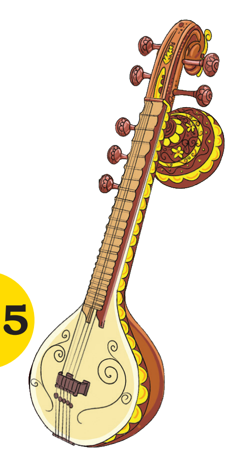

2. **इन वाक्यों के अर्थ वाली पंक्तियाँ कविता से ढूँढ़कर लिखिए—**

(क) भारत सब देशों से भिन्न है।

....

(ख) गंगा यमुना से सारा संसार पवित्र है।

....

(ग) हम सदैव तेरी प्रशंसा करें।

....

(घ) हम देश का नाम ऊँचा करें।

....

3. **कविता में भारत के प्रसिद्ध व्यक्तियों के बारे में बताया गया है— "तेरे सभी पुत्र हैं नामी।" भारत के प्रसिद्ध पुत्र और पुत्रियों के नाम लिखिए—**

पुत्रियाँ	पुत्र
....	....
....	....
....	....
....	....

© NCERT not to be republished

शिक्षण-संकेत – भारत के लोकप्रिय व्यक्तित्वों के बारे में बच्चों को बताएँ और उनसे इस विषय पर बातचीत करें। बच्चों से उनके परिवेश में उपस्थित महत्वपूर्ण व्यक्तियों के बारे में पूछें और उनके बारे में बताने के लिए कहें कि वे क्यों विशेष हैं।

Unit 5 122 to 154.indd 126 10-Apr-24 5:15:02 PM

4. **कविता में 'रत्न' शब्द आया है। रत्न यानी मूल्यवान पत्थरों के छोटे से टुकड़े। आइए, कुछ रत्नों के नाम जानें—**

हीरा मोती नीलम पन्ना मूँगा माणिक

कला की कलाकारियाँ

1. **रंग-बिरंगे कागज़ और कैंची की सहायता से अपने लिए एक मुकुट बनाइए—**

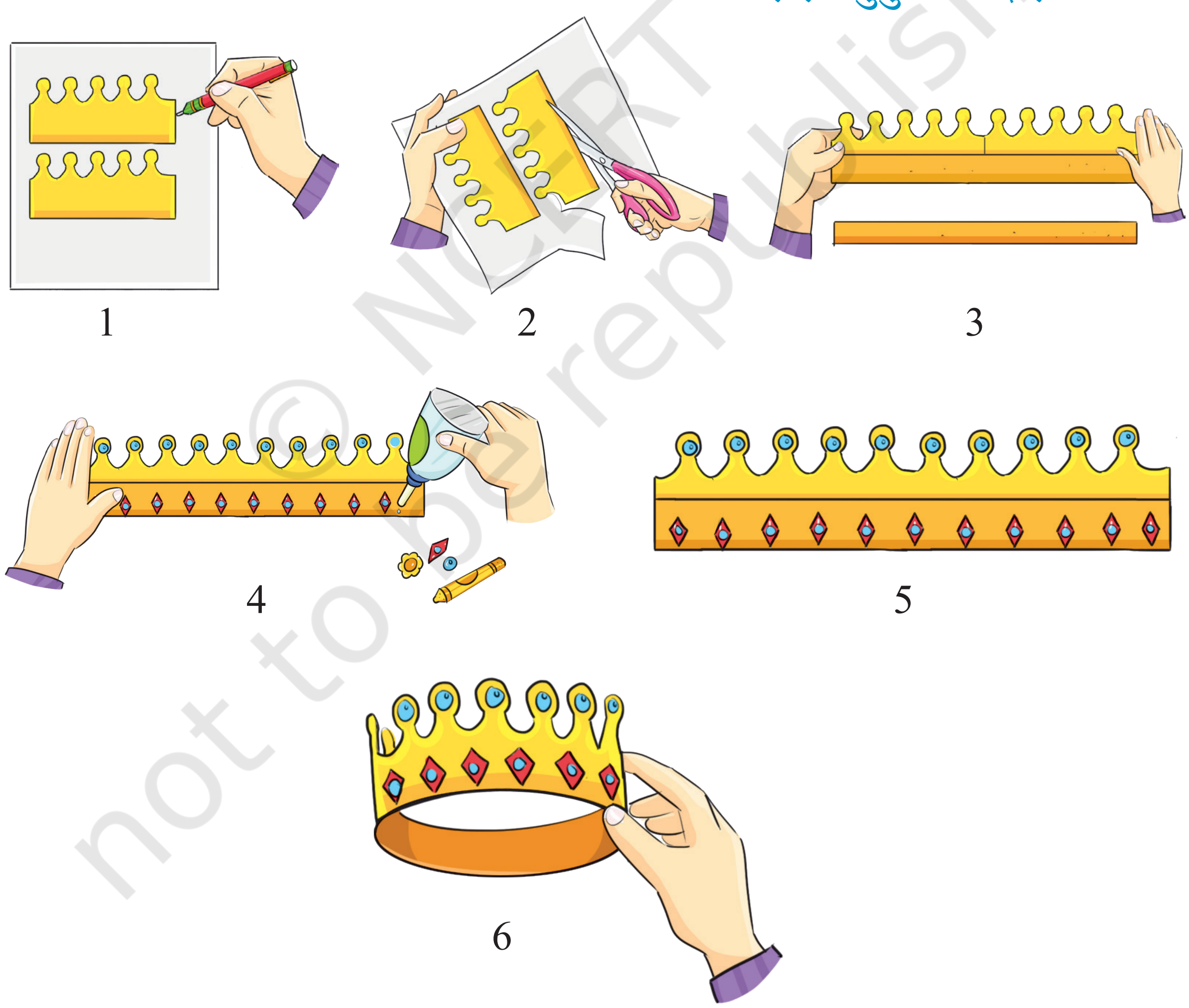

1 2 3 4 5 6

© NCERT not to be republished

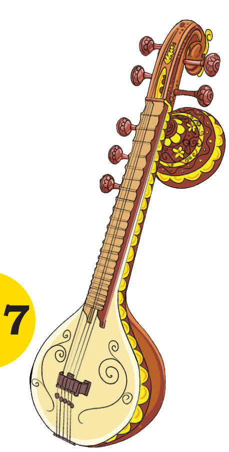

2. भारत का राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगा) बनाकर उसमें रंग भरिए—

बूझो तो जानें

उत्तर में रखवाली करता,
खड़ा रहता है सदा ही मौन।
बोलो भैया, बोलो बहना,
भारत का वह रक्षक कौन?

दो आँखों के ऊपर आँखें,
आँखों में से आँखें झाँकें।

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 128 10-Apr-24 5:15:05 PM

16

0331CH16

चंद्रयान
(संवाद)

सुनें कहानी

(कक्षा में अध्यापिका का आगमन और सभी बच्चों का अभिवादन।)

सभी विद्यार्थी – सुप्रभात अध्यापिका जी!

अध्यापिका – सुप्रभात बच्चो! आज हम चाँद के बारे में कुछ बातचीत करते हैं। आप सबने चाँद देखा है न! आपने चाँद की बहुत-सी कविताएँ भी गाई हैं।

सभी विद्यार्थी– जी हाँ... हमने चाँद देखा है। चाँद कभी दिखाई देता है और कभी नहीं भी दिखता।

अध्यापिका – अच्छा! ऐसा क्यों होता है कि चाँद कभी दिखता है और कभी नहीं दिखता?

एक विद्यार्थी – अध्यापिका जी! चाँद का मन है, वह दिखे न दिखे।

दूसरी विद्यार्थी – वह बादलों के साथ छुपन-छुपाई खेलता होगा।

तीसरी विद्यार्थी – मेरा तो बहुत मन करता है कि मैं चाँद पर जाऊँ।

अध्यापिका – क्या हम चाँद पर जा सकते हैं?

सभी विद्यार्थी – जी हाँ...!

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 129 10-Apr-24 5:15:06 PM

अध्यापिका – कैसे?

सभी विद्यार्थी – रॉकेट से...

अध्यापिका – ठीक है! अब यह बताओ कि क्या कोई रॉकेट अभी तक चाँद पर गया है?

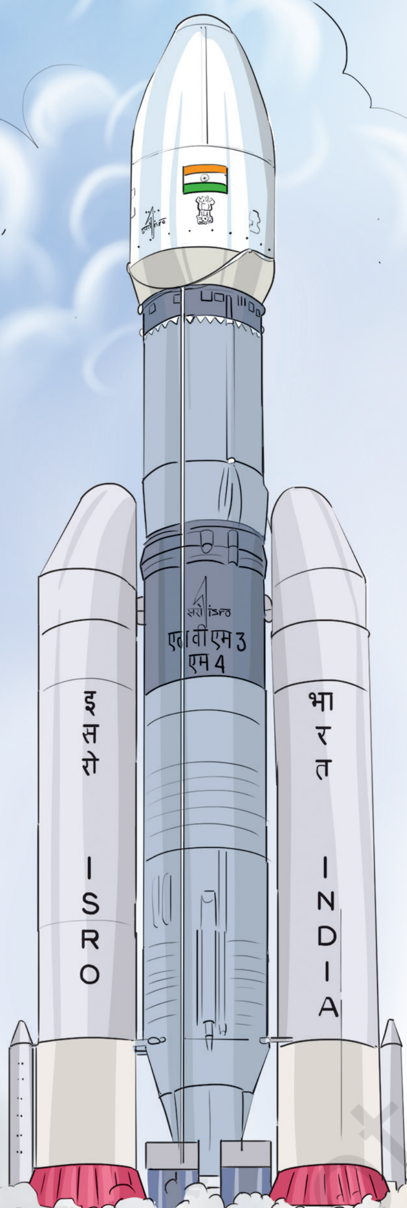

सभी विद्यार्थी – हाँ... हाँ! गया है। एक नहीं... कई गए हैं।

अध्यापिका – अच्छा! कौन-सा रॉकेट?

सभी विद्यार्थी – चंद्रयान 1, 2, 3!

अध्यापिका – शाबाश! आपको चंद्रयानों के बारे में तो पता है। हमारे वैज्ञानिकों ने चंद्रयान-3 को चाँद के दक्षिणी ध्रुव पर उतारा है। ऐसा करने वाला भारत पहला देश है। है न हम सबके लिए गौरव की बात!

एक विद्यार्थी – यह दक्षिणी ध्रुव क्या है?

अध्यापिका – जैसे दक्षिण दिशा में धरती का दक्षिणी ध्रुव है, वैसे ही चंद्रमा का भी दक्षिणी ध्रुव है। कठिन परिस्थिति के कारण वहाँ कोई भी यान उतारना मुश्किल है। पर हमारे वैज्ञानिकों ने यह गौरवपूर्ण कार्य कर लिया है। आज की हमारी बातचीत इसी चंद्रयान के बारे में है। हमारे देश के वैज्ञानिक चाँद पर रॉकेट भेजकर यह पता लगाने का प्रयत्न कर रहे हैं कि चाँद पर क्या-क्या है?

कुछ विद्यार्थी – हमारा भी मन करता है कि हम भी चाँद पर जाकर वहाँ के बारे में जानें।

अध्यापिका – हाँ... हाँ, क्यों नहीं! अच्छा यह बताएँ कि वैज्ञानिकों को चाँद पर क्या-क्या मिला होगा?

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 130 10-Apr-24 5:15:07 PM

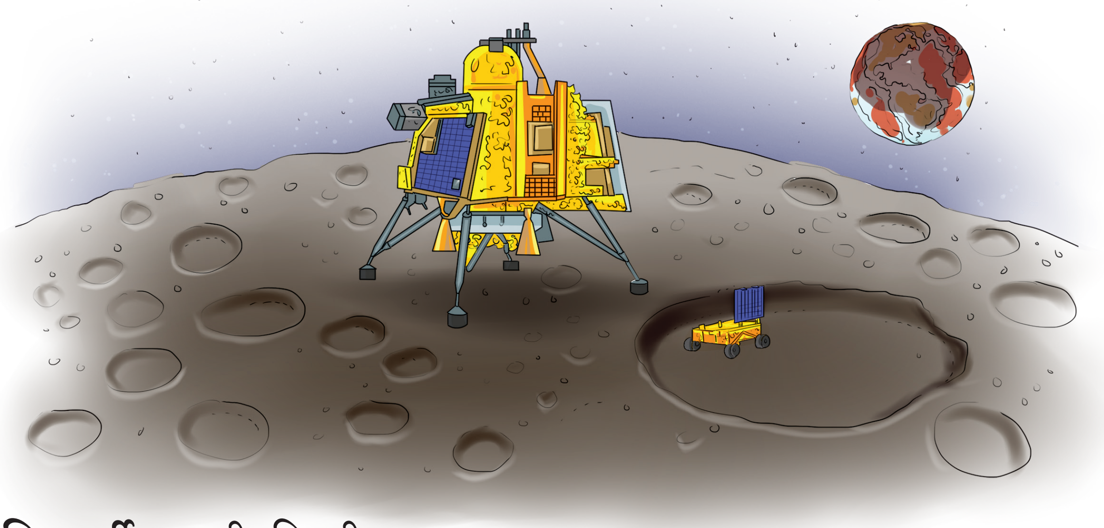

कुछ विद्यार्थी – पानी, मिट्टी,..!

अध्यापिका – एकदम सही! आप तो बहुत कुछ जानते हैं। आपको तो पता ही है कि चाँद धरती से बहुत दूर है। इसलिए वैज्ञानिकों ने चाँद पर एक रॉकेट भेजा और जानने का प्रयास किया कि वहाँ क्या-क्या है? उन्होंने इसे 'चंद्रयान मिशन' नाम दिया। 'चंद्रयान' ने चाँद के चारों ओर चक्कर लगाया और यह पता लगाया कि चाँद पर पानी है।

एक विद्यार्थी – वैज्ञानिकों को इतनी दूर जाकर पानी का पता लगाने की क्या आवश्यकता थी? हमारे घर के आस-पास पानी से भरे तीन-चार पोखर हैं।

एक अन्य विद्यार्थी – वे पानी लेने नहीं, वे तो चाँद के रहस्यों का पता लगाने गए थे।

अध्यापिका – हाँ, बिलकुल ठीक कहा। एक रहस्य जानने के बाद वैज्ञानिकों की जिज्ञासा और बढ़ी। उन्होंने फिर से रॉकेट भेजने की योजना बनाई और उन्होंने दूसरा रॉकेट भेजा और इसे 'चंद्रयान-2' का नाम दिया; पर यह कुछ खराबी के कारण चाँद पर उतर नहीं पाया। वैज्ञानिकों ने हार नहीं मानी। वे फिर से अपने कार्य में जुट गए... और उनका परिश्रम रंग लाया। इस बार चंद्रयान-3 चाँद पर पहुँच गया। आप सबने टीवी पर देखा होगा।

एक विद्यार्थी – मैं टीवी पर तो नहीं देख पाई थी, पर मैंने रेडियो पर सुना था।

एक अन्य विद्यार्थी – और प्रधानाध्यापिका ने भी तो सुनाया था।

© NCERT not to be republished

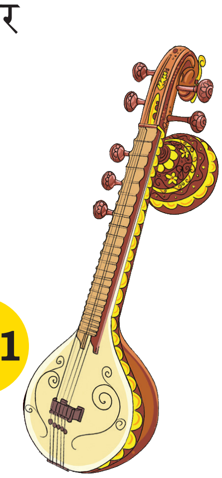

Unit 5 122 to 154.indd 131 10-Apr-24 5:15:08 PM

अध्यापिका – तो देखा आपने, अपने देश के वैज्ञानिकों के परिश्रम का फल!

एक विद्यार्थी – अब चाँद पर क्या चल रहा है?

अध्यापिका – बहुत अच्छा प्रश्न, शाबाश! आपको पता है जो मशीन चाँद पर उतरी है, उसका नाम 'विक्रम लैंडर' है। यह लैंडर अपने साथ एक अन्य मशीन लेकर गया है जिसका नाम 'प्रज्ञान' है। यही प्रज्ञान चाँद पर घूम-घूमकर यह पता लगा रहा है कि चाँद की मिट्टी पृथ्वी जैसी है या नहीं; चाँद पर रहना संभव है या नहीं...

एक विद्यार्थी – यह तो हमें पता ही नहीं था! (आश्चर्य से)

अध्यापिका – तो देखा आपने, लगातार प्रयास करने से कठिन से कठिन काम भी सफल होता है।

विद्यार्थी – हम सब वो चंदा वाला गाना गाएँ?

अध्यापिका – आओ! सब मिलकर गाते हैं।

"चंदा के गाँव में, तारों की छाँव में,
हम सैर करने जाएँगे, हम सैर करने जाएँगे।
हम कैसे जाएँगे? हम कैसे जाएँगे?
हम चंद्रयान से जाएँगे, हम चंद्रयान से जाएँगे।"

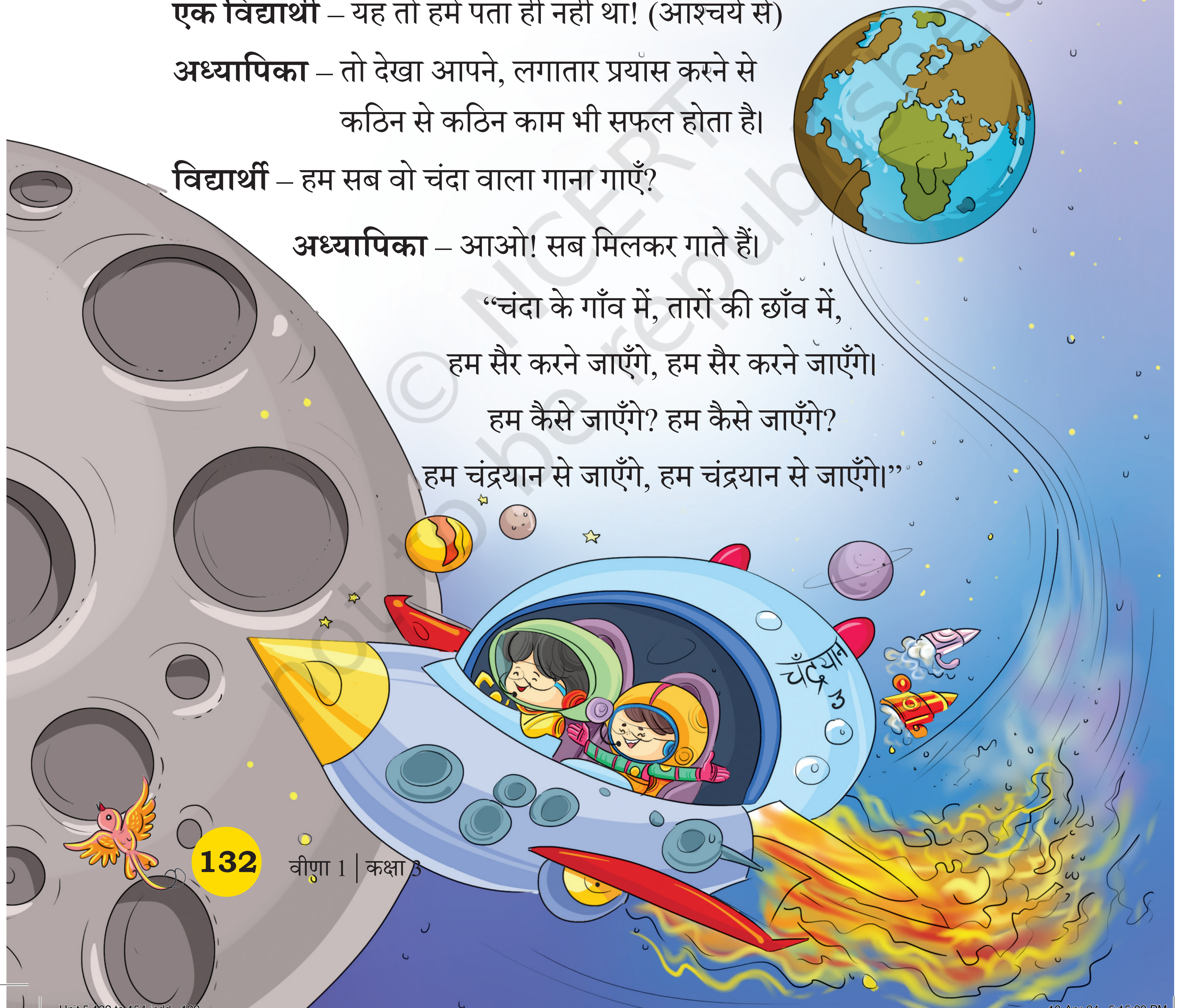

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 132 10-Apr-24 5:15:09 PM

बातचीत के लिए

1. आप आकाश में सूरज, चाँद, तारे एवं बहुत कुछ और भी देखते हैं। चाँद से जुड़ा अपना कोई अनुभव, कोई रोचक बात या कोई कविता सुनाइए।
2. आपने कक्षा दो की अपनी पाठ्यपुस्तक *सारंगी 2* में चाँद के बारे में पढ़ा है न! कुछ याद करके सुनाइए कि क्या पढ़ा था?
3. आपको कुछ ऐसे त्योहारों के बारे में अवश्य पता होगा जिनका चाँद के दिखने से बहुत गहरा संबंध है। याद करके बताइए कि वे कौन-से त्योहार हैं?
4. आपने चंद्रयान के बारे में जो कुछ सुना, पढ़ा या देखा है, बताइए।

सोचिए और लिखिए

1. यह पाठ अध्यापिका और विद्यार्थियों के बीच एक संवाद है। यह संवाद किस विषय पर है?

....

....

2. दिए गए प्रश्नों के उचित विकल्प का चयन कर सही {✓} का चिह्न लगाइए—

(i) चाँद पर जाने के लिए किस वाहन का प्रयोग किया जाता है?

(क) रॉकेट

(ख) बस

(ग) हवाई जहाज

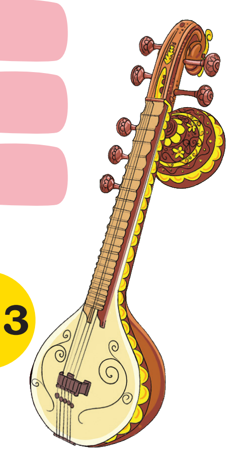

© NCERT not to be republished

(ii) अभी हाल ही में चाँद पर सफलतापूर्वक उतरने वाले यान का क्या नाम है?

(क) चंद्रयान-1

(ख) चंद्रयान-3

(ग) चंद्रयान-2

(iii) वैज्ञानिक चाँद पर क्यों जाना चाहते हैं?

(क) वैज्ञानिक समूची धरती घूम चुके हैं।

(ख) वैज्ञानिक चाँद के बारे में जानना चाहते हैं।

(ग) वैज्ञानिक चाँद पर कविता लिखना चाहते हैं।

(iv) चंद्रयान-2 के विषय में कौन-सी बात सही है?

(क) चंद्रयान-2 चाँद की सतह पर नहीं उतर पाया।

(ख) चंद्रयान-2 चाँद के चारों ओर चक्कर नहीं लगा पाया।

(ग) चंद्रयान-2 चाँद पर जाने के लिए नहीं बनाया गया था।

3. कल्पना कीजिए कि आपको चाँद पर भेजा जा रहा है, आप—

(क) अपने साथ किसे ले जाना चाहेंगे और क्यों?

(ख) चाँद पर जाने से पहले किस तरह की व्यवस्था करेंगे?

4. 'यान' जोड़कर शब्द बनाइए—

चंद्र – ....

वायु – ....

जल – ....

© NCERT not to be republished

5. आपका अवलोकन और चाँद का आकार—

(i) रात्रि को लगभग 10 मिनट के लिए अपने घर के किसी बड़े सदस्य के साथ, पंद्रह दिनों तक आकाश में चाँद को देखिए। अपनी दैनिकी में चाँद के आकार को लेकर अपना अवलोकन लिखिए। अपने अवलोकन के आधार पर चाँद के बढ़ते-घटते आकार का चित्र बनाइए।

(ii) आपने अपने घर के बड़ों या फिर सहपाठियों से 'अमावस्या' और 'पूर्णिमा' के बारे में सुना होगा। ईद के त्योहार को भी चाँद दिखने पर मनाया जाता है। पता लगाइए कि इन दिनों में चाँद का आकार कैसा होता है?

....

....

....

6. यदि चंद्रयान-3 से जुड़े वैज्ञानिक आपके विद्यालय में आएँ तो आप उनसे कौन-से प्रश्न पूछना चाहेंगे? कोई तीन प्रश्न लिखिए—

....

....

....

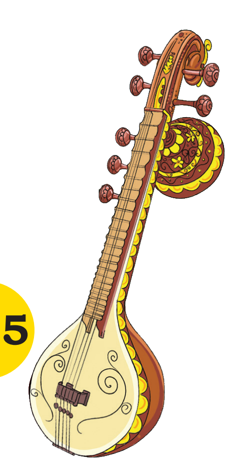

© NCERT not to be republished

7. चाँद! तुम्हारे कितने नाम?

चाँद को बहुत से बच्चे चंदा मामा कहकर बुलाते हैं। कुछ लोग चंद्रमा भी कहते हैं। चाँद के कुछ और नामों का पता लगाइए और दिए गए स्थान में लिखिए—

..........शशि..........

....

..........चंद्रमा..........

....

....

....

भाषा की बात

1. "अब चंद्रयान-3 चाँद पर घूम-घूमकर पता लगा रहा है..."

ऊपर लिखे वाक्य में 'घूम-घूमकर' शब्द पर ध्यान दें। हम अपनी बातचीत में कभी-कभी एक शब्द को दो बार कहते हैं। इस तरह के कुछ और शब्द बनाइए और दिए गए स्थान में लिखिए—

..........हँस-हँसकर..........

....

....

....

....

....

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 136 10-Apr-24 5:15:10 PM

2. **नीचे दिए गए वाक्यों के लिए सही शब्द छाँटकर लिखिए—**

कृषक   सैनिक   शिक्षक   चिकित्सक   वैज्ञानिक

(क) विज्ञान की नई खोज करने वाले ....

(ख) देश की रक्षा करने वाले ....

(ग) शिक्षा देने वाले ....

(घ) रोग की चिकित्सा करने वाले ....

(ङ) खेतों में अन्न उगाने वाले ....

समझिए और लिखिए

सही शब्द लिखकर वाक्य पूरा कीजिए—

(क) लगातार परिश्रम करने से कठिन काम भी .... हो जाता है।

(ख) चंद्रयान-2 की असफलता पर वैज्ञानिक निराश थे, लेकिन चंद्रयान-3 की .... पर सभी प्रसन्न हुए।

(ग) आप तो बहुत कुछ जानते हैं, लेकिन मैं .... नहीं जानता।

(घ) चाँद बादलों के साथ छुपन-छुपाई खेलता होगा। कभी बादलों से झाँककर दिखाई देता तो कभी .... जाता।

कुछ बनाइए

पुराने समाचार पत्रों से चंद्रयान मिशन से जुड़े समाचार और चित्र काटकर पुस्तिका में चिपकाएँ। इस तरह से एक चित्र पुस्तिका तैयार करें।

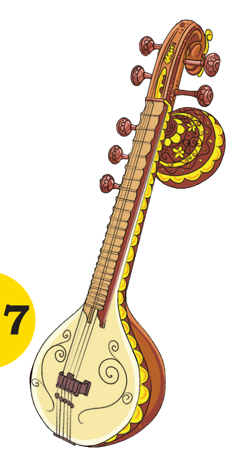

© NCERT not to be republished

17 बोलने वाली माँद

0331CH17

सुनें कहानी

एक जंगल में खरनखर नाम का एक सिंह रहता था। एक दिन उसे बहुत भूख लगी। वह आहार की खोज में पूरे जंगल में घूमता रहा, पर एक चूहा तक हाथ नहीं लगा। इस खोज में ही शाम हो गई। अँधेरा हो रहा था। इसी समय उसे एक माँद दिखाई दी। रात काटने के लिए वह उसी में घुस गया।

उस माँद में घुसकर उसने सोचा, इसमें कोई न कोई पशु तो रहता ही होगा। जब वह विश्राम करने के लिए इसमें घुसेगा, मैं उसे दबोच लूँगा। यह सोचकर वह उस माँद में एक ओर छिपकर बैठ गया।

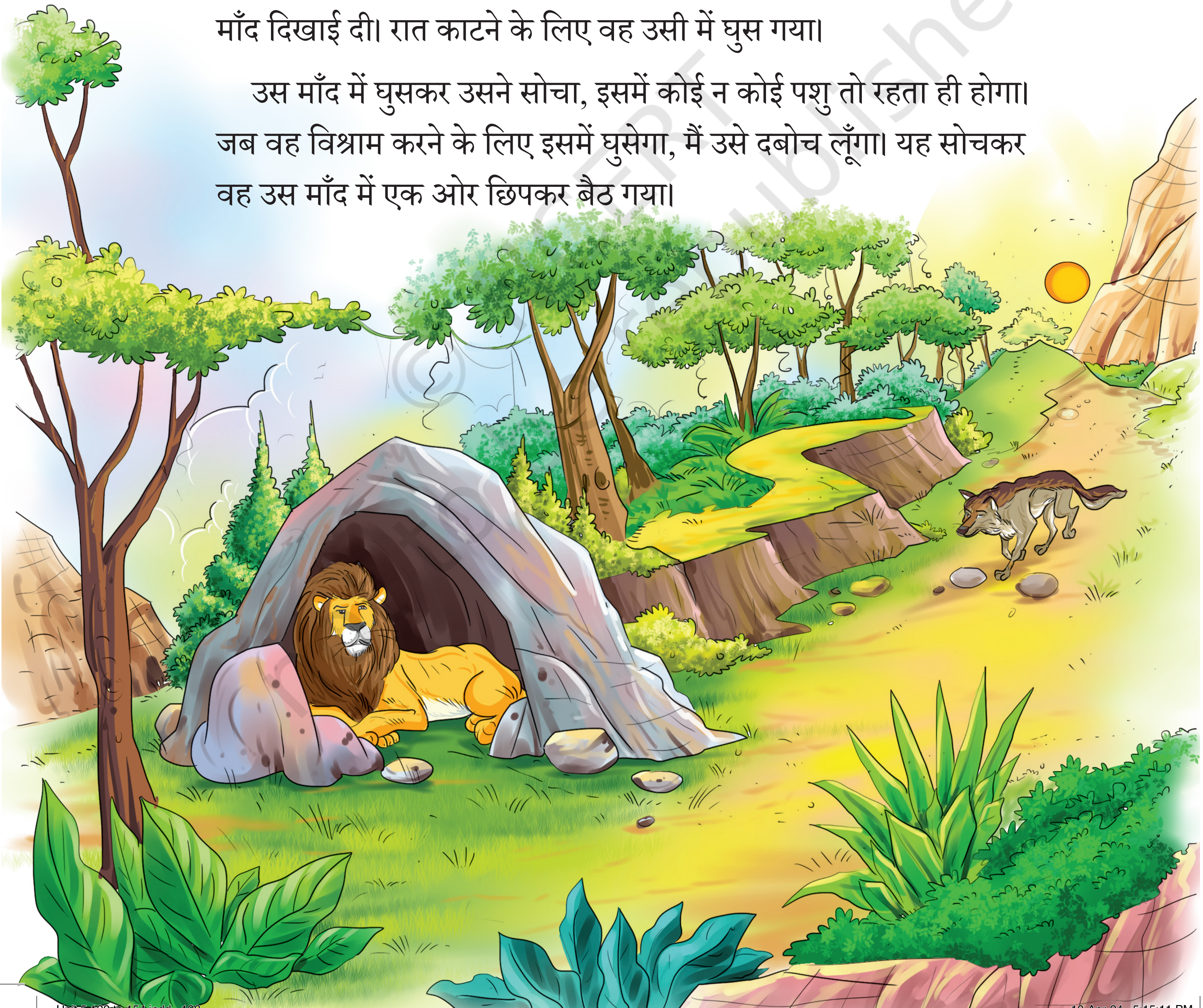

© NCERT not to be republished

उस माँद में दधिपुच्छ नाम का एक सियार रहा करता था। वह माँद की ओर आ रहा था। माँद के द्वार पर आकर उसने देखा तो उसे सिंह के पैरों के चिह्न दिखाई दिए। चिह्न माँद की ओर जाने के लिए तो थे, पर लौटने के नहीं थे। उसने सोचा, हे भगवान! आज तो मेरी जान पर ही आ बनी। इसके भीतर अवश्य कोई सिंह घुसा बैठा है। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि वह क्या करे। वह पता करना चाहता था कि सिंह इस समय भी माँद के भीतर ही है या बाहर निकल गया है।

सोचने से क्या नहीं हो सकता। सोचते-सोचते उसे एक उपाय सूझ ही गया। माँद के द्वार पर जाकर उसने पुकारा, "ऐ मेरी माँद, ऐ मेरी माँद।" पुकारकर वह चुप हो गया। कुछ देर बाद उसने कहा, "अरे, तुझे हो क्या गया है! आज बोलती क्यों नहीं? पहले तो जब मैं तुझे पुकारता था, तू झट बोल पड़ती थी। क्या तू यह भूल गई कि मैंने तुझसे कहा था कि मैं जब भी बाहर से आऊँगा, तब तुझे पुकारूँगा और जब तू उत्तर देगी, उसके बाद ही मैं माँद के भीतर आऊँगा! यदि तूने इस बार भी उत्तर न दिया तो मैं तुझे छोड़कर किसी दूसरी माँद में चला जाऊँगा।"

© NCERT not to be republished

अब सिंह को विश्वास हो गया कि सियार के पुकारने पर यह माँद सचमुच उत्तर दिया करती है। उसने सोचा, आज मैं आ गया हूँ, इसलिए डर के मारे इसके मुँह से ध्वनि नहीं निकल रही है। उसने सोचा, यह माँद नहीं बोलती है तो कोई बात नहीं। इसके स्थान पर मैं ही उत्तर दे देता हूँ। यदि चुप रहा तो हाथ आया शिकार भी चला जाएगा। यह सोचकर सिंह ने उसका उत्तर दे दिया। उसकी दहाड़ से वह माँद तो गूँज ही उठी, आस-पास के पशु भी चौकन्ने हो गए।

सियार वहाँ से यही कहते हुए चंपत हो गया कि इस वन में रहते हुए मैं बूढ़ा हो गया, पर आज तक कभी किसी माँद को बोलते हुए नहीं सुना।

– भगवान सिंह

(नेशनल बुक ट्रस्ट से प्रकाशित 'पंचतंत्र की कहानियाँ' से साभार)

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 140 10-Apr-24 5:15:14 PM

बातचीत के लिए

1. आपको भूख लगती है तो आप क्या-क्या खाने की कामना करते हैं?
2. क्या आपने किसी पशु के पैर के चिह्न देखे हैं? किस-किस पशु के देखे हैं?
3. सिंह माँद यानी गुफा में रहता है। माँद में कौन-कौन से जानवर रहते हैं?
4. कठिन समय में बुद्धि अधिक काम आती है या शक्ति ?

सोचिए और लिखिए

1. दधिपुच्छ ने कैसे जाना कि माँद में खरनखर बैठा है?
2. इस कहानी में सिंह का नाम खरनखर है और सियार का नाम दधिपुच्छ, आप इनके क्या नाम रखेंगे?
3. यदि आप सिंह के स्थान पर होते तो क्या करते?
4. जब सियार ने पुकारा, "ऐ मेरी माँद, ऐ मेरी माँद", तब सिंह ने उत्तर दिया। सिंह ने उत्तर में क्या कहा होगा?

शब्दों का खेल

1. कहानी में 'माँद' शब्द कितनी बार आया है?

2. कहानी में आए चंद्रबिंदु (ँ) वाले शब्द छाँटकर लिखिए—

....

....

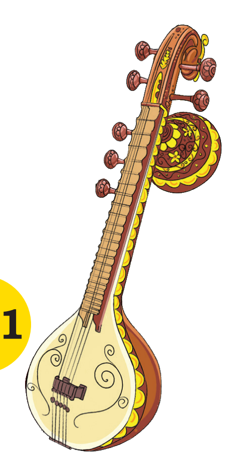

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 141 10-Apr-24 5:15:14 PM

3. समान अर्थ वाले शब्दों की जोड़ी बनाकर लिखिए—

शेर गुफा जंगल द्वार माँद दरवाजा सिंह वन

शेर सिंह	

4. नीचे लिखे शब्दों की सहायता से वाक्य पूरा कीजिए—

नदी पहाड़ झरना पेड़ गुफा
माँद तितली हवा बादल जाल

भूल गई

उदाहरण – माँद! क्या तू भूल गई?

..........! क्या तू भूल गई?

..........! क्या तू भूल गई?

..........! क्या तू भूल गई?

..........! क्या तू भूल गई?

भूल गया

उदाहरण – जाल! क्या तू भूल गया?

..........! क्या तू भूल गया?

..........! क्या तू भूल गया?

..........! क्या तू भूल गया?

..........! क्या तू भूल गया?

© NCERT not to be republished

शिक्षण-संकेत – हिंदी भाषा में स्त्रीलिंग और पुल्लिंग शब्दों के बीच का अंतर स्पष्ट करते हुए बच्चों के समक्ष सरल उदाहरण रखें। बाद में बच्चों को स्वयं इनका प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित कर सहायता करें।

Unit 5 122 to 154.indd 142 10-Apr-24 5:15:15 PM

5. सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए—

बाहर   चुप   जवान   सचमुच   याद   उजाला

उदाहरण – अँधेरा हो रहा था, उजाला हो रहा था।

(क) सिंह इस समय भी माँद के भीतर है या .... निकल गया।

(ख) आज बोलती क्यों नहीं? .... क्यों है?

(ग) मैं बूढ़ा हो गया हूँ। पहले तो मैं .... था।

(घ) यह माँद झूठ-मूठ ही जवाब देती है या फिर .... बोलती है।

6. सही अर्थ की जोड़ी बनाइए—

(क) एक चूहा तक हाथ नहीं लगा	• बड़े संकट में फँस गया
(ख) मेरी जान पर ही आ जाती	• भाग गया
(ग) सियार वहाँ से चंपत हो गया	• कोई शिकार नहीं मिला

7. अपने मन से वाक्य बनाइए—

उदाहरण – यदि चुप रहा तो .... हाथ आया शिकार भी चला जाएगा। ....

(क) यदि बोला तो ....

(ख) यदि अधिक वर्षा हुई तो ....

(ग) यदि कड़ी धूप हुई तो ....

(घ) यदि अँधेरा हुआ तो ....

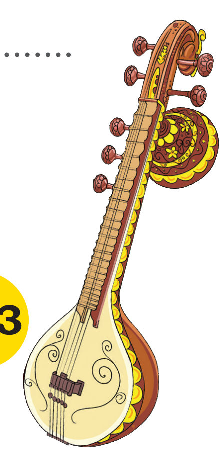

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 143 10-Apr-24 5:15:15 PM

कला की कलाकारियाँ

1. **यहाँ सिंह व सियार का मुखौटा दिया गया है। आप दोनों में से अपनी रुचि के अनुसार मुखौटा बनाइए—**

सिंह का मुखौटा

सिंह के मुँह की आकृति बनाइए

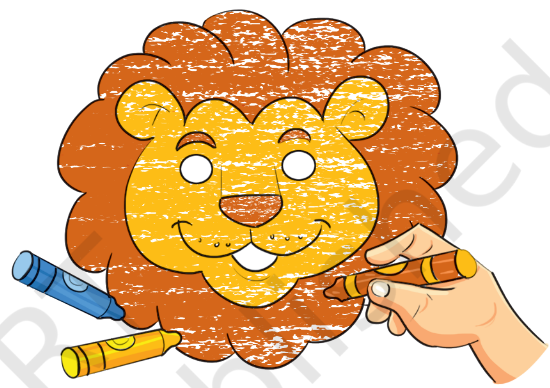

रंग भरिए

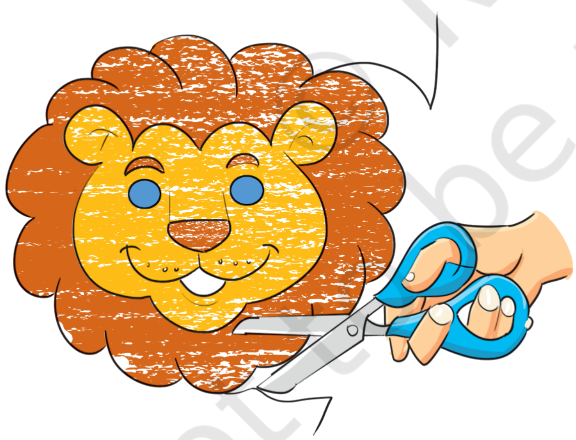

अब बाहरी रेखा से काट लीजिए

दोनों किनारों पर छेद कीजिए
और धागा बाँधिए

© NCERT not to be republished

सियार का मुखौटा

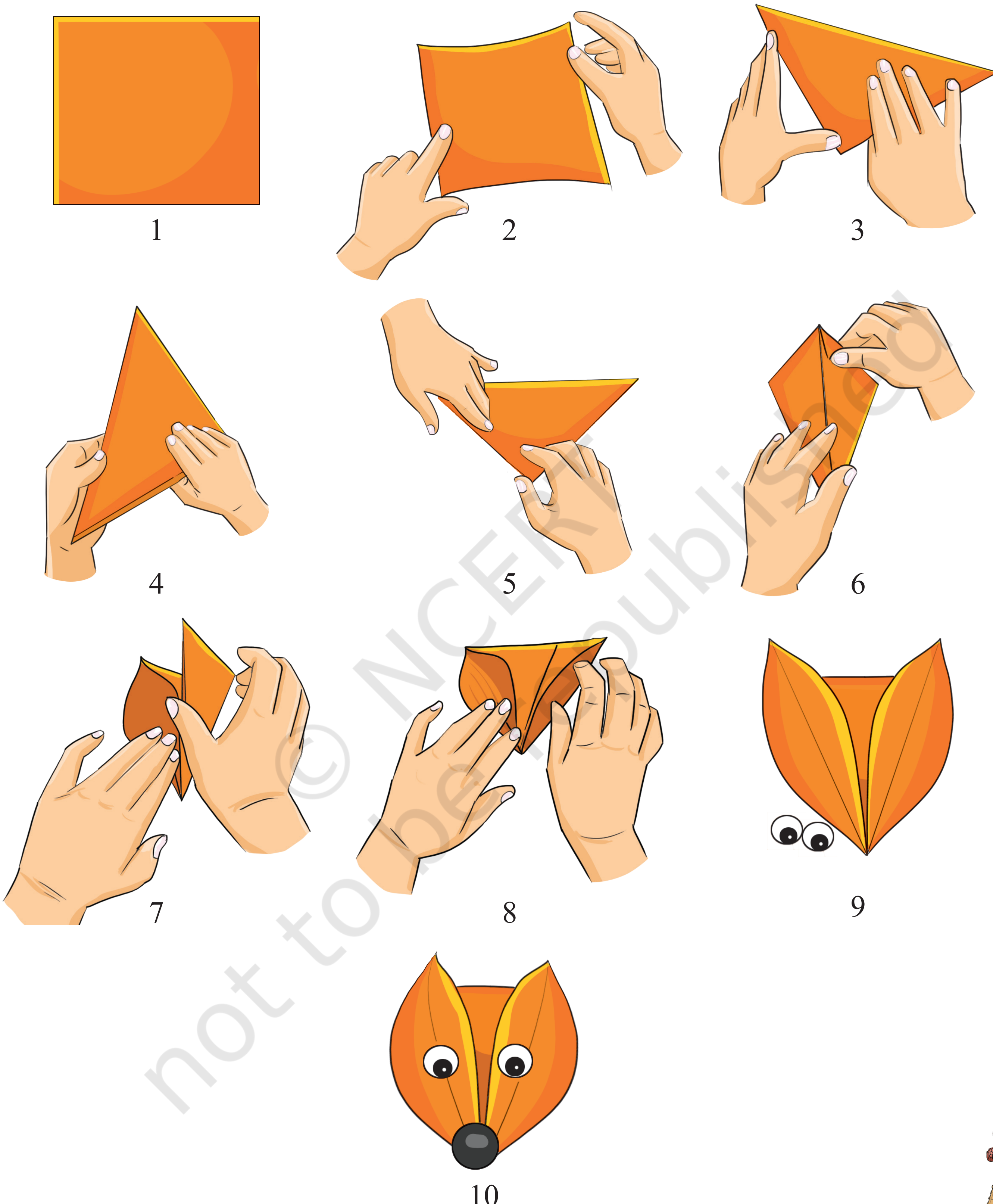

© NCERT not to be republished

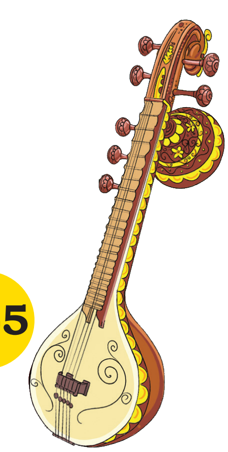

Unit 5 122 to 154.indd 145 10-Apr-24 5:15:17 PM

2. **क्या आपने किसी पशु के पदचिह्न देखे हैं? अपने आस-पास किसी पशु के पदचिह्न खोजिए और यहाँ उसका नाम लिखिए। दिए गए स्थान पर उसका चित्र बनाइए।**

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 146 10-Apr-24 5:15:17 PM

18

0331CH18

हम अनेक किंतु एक

आनंदमयी कविता

हैं कई प्रदेश के,
किंतु एक देश के,
विविध रूप-रंग हैं,
भारत के अंग हैं।
भारतीय वेश एक
हम अनेक किंतु एक।

बोलियाँ हजार हैं,
टोलियाँ हजार हैं,
कंठ भी अनेक हैं,
राग भी अनेक हैं,
किंतु गीत-बोल एक
हम अनेक किंतु एक।

एक मातृभूमि है,
एक पितृभूमि है,
एक भारतीय हम
चल रहे मिला कदम,
लक्ष्य के समक्ष एक
हम अनेक किंतु एक।

–द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 147 10-Apr-24 5:15:18 PM

बातचीत के लिए

1. आप किस देश में रहते हैं? आपका प्रदेश कौन-सा है?
2. आपके घर में कौन-सी भाषा बोली जाती है?
3. आपके घर के आस-पास के लोग कौन-सी भाषा बोलते हैं?
4. सभी प्रदेश अलग हैं, लेकिन सबका देश एक है। आपके मित्रों की टोली में कौन-कौन हैं?

सोचिए और लिखिए

1. 'हम अनेक हैं किंतु एक हैं', उदाहरण देकर इस बात को समझाइए।
2. कविता में भारत के विविध रूप-रंग के बारे में बताया गया है। विविध रूप-रंग का क्या अर्थ है?
3. 'चल रहे मिला कदम' इस पंक्ति में किनके कदम मिलाकर चलने की बात कही गई है?

शब्दों का खेल

1. कविता से समान ध्वनि वाले शब्द छाँटकर लिखिए—

प्रदेश ...., ... हम ...., ...

रंग ...., ... बोलियाँ ...., ...

2. समान ध्वनि वाले कुछ शब्द अपने मन से लिखिए—

बोली ...., ..., ..., ...

एक ...., ..., ..., ...

राग ...., ..., ..., ...

© NCERT not to be republished

3. भूमि शब्द जोड़कर नए शब्द बनाइए—

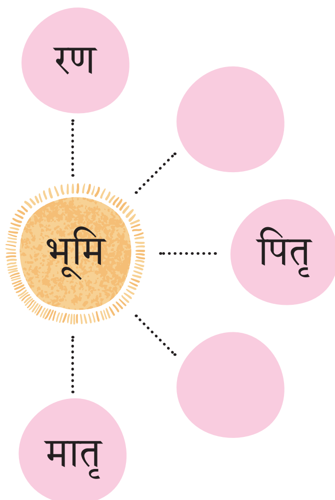

....

....

....

....

....

समझिए और लिखिए

1. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए—

हैं कई प्रदेश के,
............................,
विविध रूप-रंग हैं,
............................,
............................,
हम अनेक किंतु एक।

बोलियाँ हजार हैं,
............................,
............................,
राग भी अनेक हैं।
............................,
हम अनेक किंतु एक।

एक मातृभूमि है,
............................,
............................,
चल रहे मिला कदम,
लक्ष्य के समक्ष एक
............................।

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 149 10-Apr-24 5:15:18 PM

2. सही अर्थ की जोड़ी बनाकर लिखिए—

कंठ	वेश-भूषा	....
पहनावा	सामने	....
विविध	गला	....
समक्ष	कई प्रकार के	....

3. सही अर्थ वाले वाक्य पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) 'भारतीय वेश एक' का अर्थ है—

- सभी भारतीयों का एक ही पहनावा है। ☐
- भारत में अनेक प्रकार की वेश-भूषा है, लेकिन सभी भारतीय एक हैं। ☐

(ख) 'बोलियाँ हजार हैं' में हजार का अर्थ है—

- बहुत सारी बोलियाँ हैं। ☐
- हजार बोलियाँ हैं। ☐

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 150 10-Apr-24 5:15:18 PM

पढ़िए और जानिए

मेरा नाम अथोइबी है। मैं मणिपुर में रहती हूँ। मुझे खाने में एरोम्बा बहुत पसंद है।

मेरा नाम गुरप्रीत है। मैं अमृतसर का रहने वाला हूँ। मैं बोल नहीं सकता। मैं संकेत भाषा में बात करता हूँ। खाने में मुझे मक्के की रोटी और सरसों का साग पसंद है।

मेरा नाम पूर्वा है। मैं महाराष्ट्र की रहने वाली हूँ। मैं मराठी भाषा बोलती हूँ। खाने में मुझे पूरणपोली पसंद है।

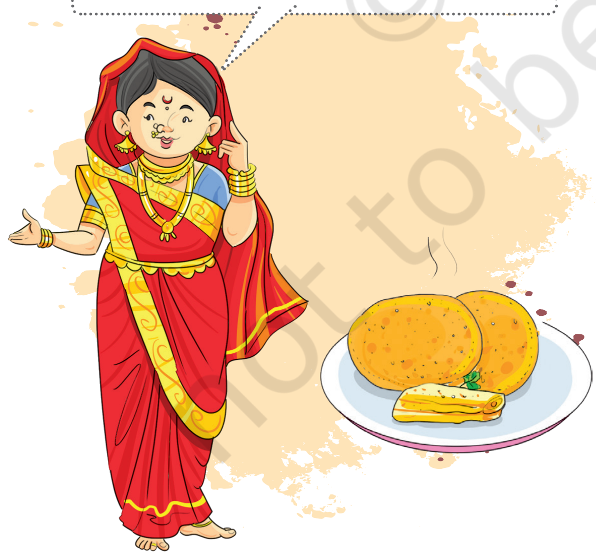

मेरा नाम वेंकट है। मैं तमिलनाडु का रहने वाला हूँ। मैं तमिल भाषा बोलता हूँ। खाने में मुझे इडली सांभर पसंद है।

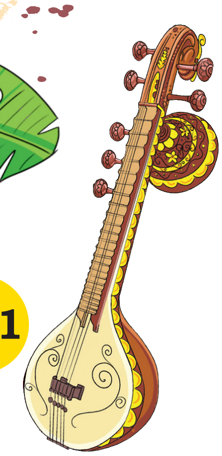

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 151 10-Apr-24 5:15:19 PM

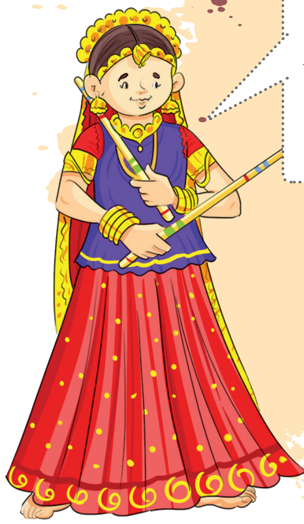

नाम मेरा हंसा है। मैं गुजरात की रहने वाली हूँ। मुझे गरबा-डांडिया नृत्य बहुत पसंद है। मुझे खाने में ढोकला-खांडवी पंसद है।

मैं यास्मीन हूँ। मैं लक्षद्वीप की रहने वाली हूँ। मुझे कदलक्का मिठाई बहुत पंसद है।

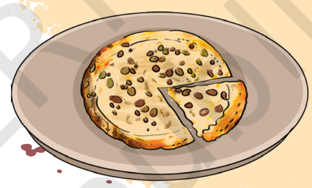

© NCERT not to be republished

चित्र आधारित प्रश्न

- मणिपुर की अथोइबी को खाने में क्या पसंद है?

  ....

- महाराष्ट्र की पूर्वा कौन-सी भाषा बोलती है?

  ....

- तमिलनाडु के वेंकट को खाने में क्या पसंद है?

  ....

- गुजरात की हंसा को कौन-सा नृत्य पसंद है?

  ....

Unit 5 122 to 154.indd 152 10-Apr-24 5:15:20 PM

पता कीजिए

आप अपने प्रदेश के आस-पास के तीन-चार प्रदेशों की भाषा, खान-पान, वेश-भूषा, तीज-त्योहारों के बारे में पता कीजिए और साथियों के साथ चर्चा कीजिए।

© NCERT not to be republished

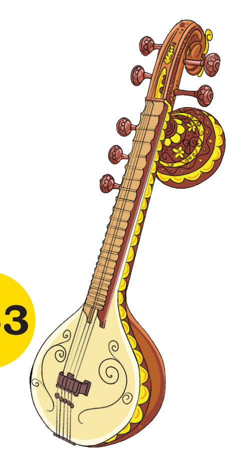

Unit 5 122 to 154.indd 153 10-Apr-24 5:15:21 PM

(पढ़ने के लिए)

मिलकर गाइए

हिंद देश के निवासी

हिंद देश के निवासी सभी जन एक हैं,
रंग, रूप, वेश, भाषा चाहे अनेक हैं।

बेला, गुलाब, जूही, चंपा, चमेली,
प्यारे-प्यारे फूल गूँथे माला में एक हैं।

कोयल की कूक प्यारी, पपीहे की टेर प्यारी,
गा रही तराना बुलबुल, राग मगर एक है।

गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, कृष्णा, कावेरी,
जाके मिलीं सागर में, हुईं सब एक हैं।

© NCERT not to be republished

Unit 5 122 to 154.indd 154 10-Apr-24 5:15:22 PM